राष्ट्रीय दैनिक समाचार पत्र
उत्तर प्रदेश, उत्तराखण्ड व नई दिल्ली से प्रकाशित
1986-2024 39 वां वर्ष स्वर्ण जयंती की ओर अग्रसर
स्वतंत्र चेतना
प्रयागराज
वर्ष 34,अंक 107
शनिवार 28 दिसम्बर ,2024
पृष्ठ 12 ₹4.00
www.swatantrachetnanews.com
गोरखपुर , लखनऊ , प्रयागराज , कानपुर , नई दिल्ली , हरिद्वार , वाराणसी ,आजमगढ़ व अयोध्या से प्रकाशित

मेलबर्न क्रिकेट क्लब ने सचिन तेंदुलकर को किया क्लब सदस्यता से सम्मानित

अलविदा मनमोहन ... फूट–फूट कर रो पड़ा आसमान

नया

मनमोहन सिंह को देश के विकास के रूप में किया जाएगा याद: मोदी

● कहा डा.सिंह का जीवन विपरीत परिस्थितियों में ऊंचाई हासिल करने की देता है प्रेरणा

स्वतंत्र चेतना

नयी दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शुक्रवार को कहा कि पूर्व प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह का जीवन आने वाली पीढ़ियों को विपरीत परिस्थितियों से ऊपर उठकर महान ऊंचाइयों को हासिल करने की प्रेरणा देता है। डॉ.सिंह का गुरुवार रात यहां एम्स में निधन हो गया था।

प्रधानमंत्री कार्यालय ने यहां बताया कि श्री मोदी ने एक वीडियो संदेश में डॉ. मनमोहन सिंह के निधन पर गहरा दुख व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि डॉ. सिंह का निधन देश के लिए एक बड़ी क्षति है। प्रधानमंत्री ने कहा, जीवन के हर क्षेत्र में सफलता हासिल करना कोई सामान्य उपलब्धि नहीं है और विभाजन के दौरान भारत आने के बाद बहुत कुछ खोने के बावजूद डॉ. सिंह बड़ी उपलब्धि हासिल करने वाले व्यक्ति थे। डॉ. सिंह का जीवन आने वाली पीढ़ियों को सिखाता है कि विपरीत परिस्थितियों से कैसे ऊपर उठकर महान ऊंचाइयों को हासिल किया जाए। श्री मोदी ने जोर देकर कहा कि डॉ. सिंह को हमेशा एक दयालु व्यक्ति, एक विद्वान अर्थशास्त्री और सुधारों के लिए समर्पित नेता के रूप में याद किया जाएगा। उन्होंने केन्द्र सरकार में डॉ. सिंह के एक अर्थशास्त्री के रूप में विभिन्न स्तरों पर अनगिनत योगदानों पर प्रकाश डाला। उन्होंने चुनौतीपूर्ण समय में भारतीय रिजर्व बैंक के गवर्नर के रूप में डॉ. सिंह की भूमिका की सराहना की। प्रधानमंत्री ने कहा कि पूर्व प्रधानमंत्री एवं भारत रत्न पी.वी. नरसिम्हा राव की सरकार में वित्त मंत्री के रूप में डॉ. सिंह ने देश को वित्तीय संकट से निकालकर नये आर्थिक रास्ते पर चलाया।

ऐसी बारिश दिसंबर में कहां होती है... मनमोहन सिंह के घर की असहज खामोशी और नाराज कुदरत

स्वतंत्र चेतना

नई दिल्ली। आज सुबह से ही आसमान बरस रहा है, ऐसी बारिश दिसंबर में कहां होती है....लगता है डॉ साहब के जाने पर आसमान भी गमजदा है। डॉ मनमोहन सिंह के आवास के बाहर जुटी मीडिया के जमावड़े में से किसी एक शख्स ने कहा। मौसम विभाग से जुड़ा डेटा बताता है कि पिछली बार दिसंबर में ऐसी बारिश 15 साल पहले हुई थी। 3 मोतीलाल नेहरू मार्ग का जो घर पिछले दस सालों से डॉ मनमोहन सिंह की रिहाइश रहा है, इससे पहले दिल्ली की सीएम शीला दीक्षित का आवास था। घर के बाहर पुलिस के बैरिकेड्स की मौजूदगी संजीदगी के माहौल की असहजता को बयां करने के लिए काफी है।

मनमोहन सिंह का निधन व्यक्तिगत क्षति : सोनिया

● कांग्रेस ने किया शोक प्रस्ताव पारित
● मंनमोहन सिंह का अंतिम संस्कार आज, कांग्रेस मुख्यालय से शुरु होगी अंतिम यात्रा

स्वतंत्र चेतना

नई दिल्ली। देश के पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह का गुरुवार 26 दिसंबर को नई दिल्ली के एम्स अस्पताल में निधन हो गया। उन्हें एक बुद्धिजीवी, आर्थिक सुधारों के प्रणेता और जनसेवा के प्रति उनके समर्पण के लिए जाना जाता है। 10 वर्षों तक प्रधानमंत्री के रूप में देश की सेवा करने से पहले उन्होंने आरबीआई गवर्नर, योजना आयोग के उपाध्यक्ष और वित्त मंत्री का भी कार्यभार संभाला था। केंद्रीय सरकार ने उनके सम्मान में एक जनवरी 2025 तक सात दिनों के लिए राजकीय शोक घोषित किया है। वयोवृद्ध कांग्रेस नेता सोनिया गांधी ने मनमोहन सिंह के निधन को व्यक्तिगत क्षति बताया। उन्होंने पूर्व प्रधानमंत्री को अपना, दोस्त, दार्शनिक और मार्गदर्शक बताया। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि मनमोहन सिंह के निधन से राष्ट्रीय जीवन में जो शून्य पैदा हुआ है, उसे कभी नहीं भरा जा सकता।

पूर्व प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह का अंतिम संस्कार शनिवार को यहां किया जायेगा और इससे पहले उनका पार्थिव शरीर सुबह अंतिम दर्शन के लिए कांग्रेस मुख्यालय में रखा जायेगा।

डॉ. सिंह का पार्थिव शरीर सुबह साढे नौ बजे अंतिम यात्रा पर रवाना होगा। सूत्रों के अनुसार उनका अंतिम संस्कार राजघाट के निकट किया जायेगा।

कांग्रेस महासचिव के. सी. वेणुगोपाल ने सोशल मीडिया प्लेटफार्म एक्स पर शुक्रवार को एक पोस्ट में कहा, पूर्व पीएम डॉ. मनमोहन सिंह जी का पार्थिव शरीर अंतिम दर्शन के लिए आज उनके आवास 3, मोतीलाल नेहरू रोड, नई दिल्ली में रखा गया है।

खरगे ने प्रधानमंत्री व शाह को लिखी चिट्ठी

मनमोहन सिंह का स्मारक बनना चाहिए...

स्वतंत्र चेतना

नई दिल्ली। आज कांग्रेस अध्यक्ष श्री खरगे ने प्रधानमंत्री जी और गृह मंत्री से फोन पर बात करके व एक पत्र लिख कर भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस की ओर से पुरजोर अनुरोध किया कि भारत के सपूत सरदार मनमोहन सिंह जी का अंतिम संस्कार व स्मारक स्थापित करना ही उनको सच्ची श्रद्धांजलि होगी।

पूर्व प्रधानमंत्री का निधन भारतीय राजनीति की अपूरणीय क्षतिः योगी

स्वतंत्र चेतना

लखनऊ। देश के पूर्व प्रधानमंत्री और दुनिया के प्रख्यात अर्थशास्त्री डॉ. मनमोहन सिंह का बृहस्पतिवार को दिल्ली के एम्स अस्पताल में निधन हो गया। उनके निधन पर सात दिन का राष्ट्रीय शोक घोषित किया गया है।

पूर्व पीएम के निधन पर यूपी के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि पूर्व प्रधानमंत्री एवं प्रख्यात अर्थशास्त्री डॉ. मनमोहन सिंह जी का निधन अत्यंत दुःखद एवं भारतीय राजनीति की अपूरणीय क्षति है। वित्त मंत्री और प्रधानमंत्री के रूप में उन्होंने देश की शासन व्यवस्था में महत्वपूर्ण भूमिका का निर्वहन किया। उन्हें विनम्र श्रद्धांजलि!

प्रभु श्री राम से प्रार्थना है कि दिवंगत पुण्यात्मा को सद्गति एवं उनके शोकाकुल परिजनों व समर्थकों को यह अथाह दुःख सहन करने की शक्ति प्रदान करें। ॐ शांति!

सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने एक्स पर कहा कि सत्य और सौम्य व्यक्तित्व के धनी महान अर्थशास्त्री भूतपूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह जी का निधन एक अंतरराष्ट्रीय अपूरणीय क्षति है। भावभीनी श्रद्धांजलि!

बसपा सुप्रीमो मायावती ने कहा कि देश के पूर्व प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह का आज रात निधन होने की खबर अति–दुखद है। भारत की अर्थव्यवस्था के सुधार में उनका खास योगदान रहा। वे नेक इंसान थे। उनके परिवार व सभी चाहने वालों के प्रति मेरी गहरी संवेदना।

कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष अजय राय ने कहा कि सियासत में सादगी के प्रतीक पूर्व प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह जी ने दुनिया को अलविदा कह दिया। यह सूचना बेहद पीड़ादायक है।

पंजाब में नाले में गिरी बस,8 मरे,कई घायल

स्वतंत्र चेतना

बठिंडा (पंजाब)। पंजाब के बठिंडा में शुक्रवार को बड़ा हादसा हुआ है। बठिंडा तलवंडी साबो रोड पर गांव जीवन सिंह वाला के पास निजी कंपनी की बस हादसे का शिकार हो गई। बस अनयंत्रित होकर नाले में गिर गई। इस हादसे में आठ लोगों की मौत हुई है। बताया जा रहा है कि बस में कई लोग सवार थे। हादसे के बाद यहां चीख पुकार मच गई। कई लोग घायल हुए हैं। घायलों को तलवंडी साबो के अस्पताल में पहुंचाया गया है।

अब संभल की जामा मस्जिद के पास खुलेगी पुलिस चौकी

स्वतंत्र चेतना

संभल। उत्तर प्रदेश के संभल में जामा मस्जिद के पास खाली पड़े मैदान में पुलिस चौकी बनाएगी। प्रस्तावित पुलिस चौकी का निर्माण शुरू होते ही आरएएफ के जवान तैनात होंगे। अपर पुलिस अधीक्षक श्रीश चंद्र ने यह जानकारी दी।

हालांकि चौकी का नाम क्या होगा इसे लेकर उन्होंने अभी कुछ भी बताने से इनकार कर दिया। संभल में सुरक्षा की दृष्टि से नयी पुलिस चौकी का निर्माण कार्य कराया जा रहा है, जहां 24 घंटे पुलिस तैनात रहेगी।

प्रीपेड कार्ड से तीसरे पक्ष वाले एप के जरिए यूपीआई भुगतान की आरबीआई ने दी मंजूरी

● इससे गिफ्ट कार्ड, मेट्रो रेल कार्ड व डिजिटल वालेट जैसे प्रीपेड उत्पाद धारकों को ज्यादा सुविधा होगी

स्वतंत्र चेतना

मुंबई/नई दिल्ली। रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया (आरबीआई) ने शुक्रवार को थर्ड पार्टी एप्लीकेशन के जरिए प्रीपेड भुगतान उपकरणों (पीपीआई) के लिए एकीकृत भुगतान प्रणाली (यूपीआई) एक्सेस की अनुमति दे दी है। इससे गिफ्ट कार्ड, मेट्रो रेल कार्ड और डिजिटल वॉलेट जैसे प्रीपेड उत्पाद धारकों को ज्यादा सुविधा होगी।

आरबीआई ने जारी परिपत्र में कहा है कि तीसरे पक्ष वाले यूपीआई ऐप के जरिए पूर्ण–केवाईसी वाले प्रीपेड भुगतान उपकरणों से यूपीआई के जरिए भुगतान को सक्षम बनाने का निर्णय लिया गया है। इसी तरह पीपीआई को यूपीआई भुगतान पाने की भी मंजूरी दी गई है। इस तरह के लेन–देन को यूपीआई प्रणाली तक पहुंचने से पहले पूर्व–अनुमोदित किया जाएगा।

रिजर्व बैंक के मुताबिक एक पीपीआई जारीकर्ता अपने ग्राहक को यूपीआई हैंडल से जोड़कर केवल अपने पूर्ण–केवाईसी वाले पीपीआई धारकों को यूपीआई के जरिए भुगतान करने में सक्षम करेगा। जारीकर्ता के एप्लिकेशन पर पीपीआई से यूपीआई लेन–देन ग्राहक के मौजूदा पीपीआई पहचान का उपयोग करके प्रमाणित किया जाएगा। आरबीआई ने कहा कि भुगतान प्रणाली प्रदाता के रूप में पीपीआई जारीकर्ता को किसी भी बैंक या किसी अन्य पीपीआई जारीकर्ता के ग्राहकों को अपने साथ नहीं जोड़ना चाहिए।

उल्लेखनीय है कि पीपीआई ऐसे उपकरण हैं जो वस्तुओं एवं सेवाओं की खरीद, वित्तीय सेवाओं के संचालन और उसमें संग्रहीत मूल्य के विरुद्ध धनप्रेषण की सुविधाओं को सक्षम करते हैं। वहीं, यूपीआई भारतीय राष्ट्रीय भुगतान निगम द्वारा मोबाइल फोन के जरिए अंतर–बैंक लेन–देन की सुविधा के लिए विकसित एक त्वरित वास्तविक समय पर भुगतान की प्रणाली है।

विराट के आउट होने पर फैंस ने हूटिंग की

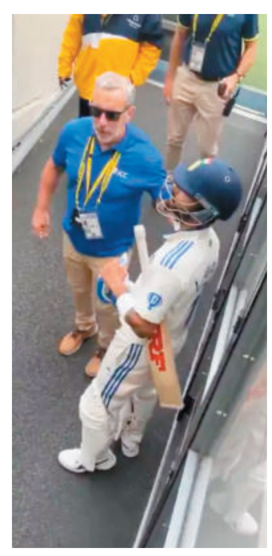

स्वतंत्र चेतना

मेलबोर्न। विराट कोहली जब आउट होकर मैदान से बाहर जा रहे थे तो ऑस्ट्रेलियाई दर्शकों ने उनके खिलाफ हूटिंग की। विराट कोहली जैसे ही पवेलियन के अंदर जाने लगे तो उन्हें फैंस ने कुछ कहा जो कोहली को बुरा लग गया। इसके बाद विराट कोहली बाहर वापस आए और लोगों से बहस करने लगे। बाद में वहां मौजूद सिक्योरिटी गार्ड ने बीच–बचाव किया और विराट को अंदर ले गए। विराट कोहली मेलबर्न टेस्ट की पहली पारी में 36 रन ही बना सके। उन्हें स्कॉट बोलैंड ने विकेटकीपर कैरी के हाथों कैच कराया।

भारतीय टीम काली पट्टी बांधकर उतरी भारतीय टीम आज बांह में काली पट्टी बांधकर उतरी। खिलाड़ियों ने भारत के पूर्व प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह को श्रद्धांजलि दी। उनका गुरुवार रात निधन हो गया। वे 92 साल के थे।

मणिपुर में फिर भड़की हिंसा,2 घायल

स्वतंत्र चेतना

इंफाल। मणिपुर के इंफाल पूर्व और कांगपोकली जिलों में पिछले 4 दिन से कुकी और मैतेई ग्रुप के बीच फायरिंग हो रही है। स्थानीय लोगों के मुताबिक मोर्टार भी दागे गए हैं। ताजा हिंसा में सनसाबी इलाके में उग्रवादियों से मुठभेड़ में पुलिसकर्मी और ग्रामीण घायल हुए हैं।

यूपी में अचानक बदला मौसम

● नोएडा समेत प्रदेश के 4 शहरों में जोरदार बारिश, चल रहीं तेज हवाएं,26 शहरों में बारिश के अलर्ट, ओले भी गिरेंगे

स्वतंत्र चेतना

लखनऊ। यूपी में शुक्रवार को लगातार तीसरे दिन बारिश देखने को मिली। मुजफ्फरनगर में अभी भी बारिश हो रही है। नोएडा, गाजियाबाद, मेरठ और सहारनपुर में सुबह अचानक तेज बारिश हुई। यहां बादल छाए हैं। तेज हवाएं चल रही हैं। इससे गलन और बढ़ेगी।

मौसम विभाग के मुताबिक, 6 शहरों में भारी और 20 शहरों में हल्की बारिश हो सकती है। जबकि, गरज–चमक के साथ ओले भी गिर सकते हैं। कुछ शहरों में 40 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से हवा चलेगी।

शुक्रवार सुबह 30 शहरों में घना कोहरा छाया रहा। गोरखपुर में विजिबिलिटी 40 मीटर देखने को मिली। गुरुवार को मुजफ्फरनगर सबसे ठंडा जिला रहा। यहां का तापमान 7 .4डिग्री दर्ज किया गया।

अधिकतम तापमान 20 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम तापमान 11 डिग्री सेल्सियस जाने की उम्मीद है। हवा में नमी की मात्रा 92% है।

वाराणसी में बीएचयू के मौसम वैज्ञानिक मनोज श्रीवास्तव ने बताया– पश्चिमी विक्षोभ के चलते उत्तर प्रदेश के कुछ जिलों में बारिश होने की संभावना दिखाई दे रही है।

48 घंटे में यूपी के दिन के तापमान में बड़ा बदलाव होने की आशंका नहीं है। लखनऊ में शुक्रवार सुबह धुंध और कोहरे का असर देखा गया। बादल भी छाए हुए हैं। मौसम विभाग ने आज और कल शहर में बारिश का अलर्ट जारी किया है। लखनऊ में रात का न्यूनतम तापमान 10 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। 5 किमी की रफ्तार से हवा चल रही है।

यूपी में बेसिक शिक्षा परिषद में शिक्षकों का होगा तबादला

स्वतंत्र चेतना

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में बेसिक शिक्षा परिषद में शिक्षकों के तबादले का आदेश आ गया है। शासन ने आदेश जारी करके तबादले की अनुमति दे दी है। शिक्षक जिले के अंदर परस्पर तबादले की काफी लंबे समय से मांग क-र रहे थे। इसी आधार पर परिषद जल्द विस्तृत कार्यक्रम जारी करेगा।

प्राथमिक विद्यालयों में तैनात शिक्षकों के लिए विषयवार वर्गीकरण नहीं किया जाता है। इसलिए अन्तः जनपदीय पारस्परिक स्थानांतरण के लिए प्राथमिक विद्यालयों में कार्यरत शिक्षकों के मध्य भाषा/विज्ञान/गणित की बाध्यता नहीं होगी।

वहीं उच्च प्राथमिक विद्यालयों में विषयवार वर्गीकरण होता है। इस कारण विषयवार शिक्षकों की तैनाती की जाती है। शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार, विषयवार शिक्षक होने एवं शिक्षक की कुशलता के कारण समान विषय हेतु समान विषय वाले शिक्षकों की उपलब्धता आवश्यक है।

एडीजी जोन एसएसपी महाकुम्भ ने किया पुलिस लाइन वीवीआईपी घाट का स्थलीय निरीक्षण

प्रयागराज। महाकुम्भ-2025 के दिव्य भव्य सकुशल एवं सुरक्षित आयोजन के दृष्टिगत शनिवार को अपर पुलिस महानिदेशक भानु भास्कर प्रयागराज जोन,प्रयागराज एवं वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक राजेश द्विवेदी एसएसपी महाकुम्भ के द्वारा पुलिस लाइन्स परेड,झूँसी, अरैल,थाना सोमेश्वर महादेव, जल पुलिस थाना, वीवीआईपी घाट का निरीक्षण/भ्रमण किया गया। पुलिस लाइन परेड,झुँसी,अरैल का निरीक्षण/ भ्रमण करते हुए पुलिस कर्मियों हेतु स्थापित बैरक का निरीक्षण कर साफ सफाई पर विशेष ध्यान रखने हेतु एवं मेस मे पौष्टिक भोजन उपलब्ध कराने हेतु संबंधित को आदेशित किया गया

जल पुलिस थाना एवं वीवीआईपी घाट पर द्वारा पहुँचकर सम्बन्धित अधिकारियों से वार्ता करते हुए किसी भी प्रकार की घटना से बचाव व सुरक्षा की रोकथाम के संबंध में आवश्यक दिशा निर्देश दिए गए साथ ही स्नान घाटों पर लाई जाने वाली डीप वॉटर बैरिकेडिंग का निरीक्षक भी द्वारा किया गया एवं कमियों को जल्द दूर करने हेतु प्रभारी जल पुलिस को आवश्यक दिशा निर्देश दिए गए । भ्रमण/स्थलीय निरीक्षण के दौरान अपर पुलिस अधीक्षक, क्षेत्राधिकारी, प्रतिसार निरीक्षक एवं अन्य अधिकारी/कर्मचारी गण मौजूद रहे।

जोन में बंटेगी सभी विकास प्राधिकरणों की महायोजना

प्रयागराज। राज्य सरकार ने सभी विकास प्राधिकरणों की महायोजना को जोन वार बनाने निर्देश जारी किया है। इसके लिए निजी विशेषज्ञ व कंसलटेंट चयन के लिए 15 दिन में प्रस्ताव मांगा गया है। प्रयागराज भी इसमें शामिल है।

शासन अमृत योजना के तहत प्रदेश के 59 नगरों की जीआईएस आधारित महायोजना तैयार करवा रही है। सभी विकास प्राधिकरणों के उपाध्यक्ष व विशेष क्षेत्र विकास प्राधिकरणों के अध्यक्षों को जारी शासनादेश में निर्देश दिए गए हैं कि कंसलटेंट चयन की समिति का पुर्नगठन करके अब प्राधिकरण के उपाध्यक्ष व विशेष क्षेत्र विकास प्राधिकरणों के अध्यक्ष समिति का नेतृत्व करेंगे। 15 दिन में जोनल प्लान तैयार करने के लिए निजी विशेषज्ञ व कंसलटेंट चयन का चयन करने के लिए आरएफसी तैयार कर प्रस्ताव आमंत्रित करने की कार्यवाही करें।

पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह भारत के आर्थिक संकट के दौर में भारतीय अर्थव्यवस्था के प्राण वायु थे-मुख्तार अब्बास नकवी

प्रयागराज। भारतीय जनता पार्टी प्रयागराज महानगर के द्वारा पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह के निधन पर शोक संवेदना व्यक्त किया।

उनके निधन पर प्रयागराज दौरे पर आए पूर्व केंद्रीय कैबिनेट मंत्री और पूर्व भाजपा के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष मुख्तार अब्बास नकवी ने शोक संवेदना व्यक्त करते हुए कहा कि पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह आर्थिक संकट के दौर में भारत की अर्थव्यवस्था के प्राण वायु थे उनके निधन से भारत ने एक दूरदर्शी राजनेता खो दिया जिसकी भरपाई असंभव है ईश्वर उन्हें अपने श्री चरणों में स्थान दें

महापौर गणेश केसरवानी ने शोक संवेदना व्यक्त करते हुए कहा कि डॉ मनमोहन सिंह ने प्रधानमंत्री के रूप में लोगों के जीवन को बेहतर बनाने के लिए व्यापक प्रयास किए और राजनीति के आजाद शत्रु के रूप में उन्होंने अपनी व्यावहारिक छाप छोड़ी उनका निधन देश के लिए दुखदाई है।

भाजपा महानगर अध्यक्ष राजेंद्र मिश्रा ने शोक संवेदना व्यक्त करते हुए कहा पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह ने देश की शासन व्यवस्था में महत्वपूर्ण भूमिका का निर्वहन किया और उनके द्वारा देश के प्रति किए गए कार्य को सदैव याद रखा जाएगा और उनके निधन से भारत ने आर्थिक जगत का सूर्य खो दिया। जिला प्रवक्ता राजेश केसरवानी ने बताया कि पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह के निधन के कारण भारतीय जनता पार्टी ने अपने सभी कार्यक्रम निरस्त कर दिएऔर उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य के होने वाले प्रयागराज के कार्यक्रम भी निरस्त कर दिए गए।

पूर्व प्रधानमंत्री के निधन पर शोक की लहर झुकाया गया राष्ट्रीय ध्वज

सोरांव प्रयागराज देश के पूर्व प्रधानमंत्री डॉ मनमोहन सिंह की लंबी बीमारी के कारण निधन हो जाने की खबर सुनते ही स्थानीय क्षेत्र में शोक की लहर दौड़ पड़ी जहां उनके निधन को लेकर विकासखंड सोरांव सहित सारे कार्यालयों में राष्ट्रध्वज को झुकाया गया जानकारी के अनुसार देश के पूर्व प्रधानमंत्री डॉ मनमोहन सिंह का 92 वर्ष की आयु में एक लंबी बीमारी के चलते दिल्ली के एम्स अस्पताल में उपचार के दौरान ही अंतिम सांस ली गई बता दें कि उनके निधन को लेकर पूरे राजनीतिक जगत में ही नहीं बल्कि देश के हर समुदायों के लोगों में शोक की लहर दौड़ पड़ी उल्लेखनीय है कि देश के जाने-माने प्रतिष्ठित अर्थशास्त्री पूर्व प्रधानमंत्री डॉक्टर मनमोहन सिंह भारतीय रिजर्व बैंक के गवर्नर से लेकर वित्त मंत्री सहित कई पदों की यात्रा को सफर करते हुए प्रधानमंत्री बने और पूरे देश को वित्तीय संकट से घिरे हुए मामले को लेकर एक अनोखी छाप छोड़ी और उनके विनम्रशीलता संवेदनशीलता को लेकर देखा जाए ।

अपर पुलिस महानिदेशक रेलवे ने महाकुम्भ का निरीक्षण कर तैयारियों के संबंध में की समीक्षा

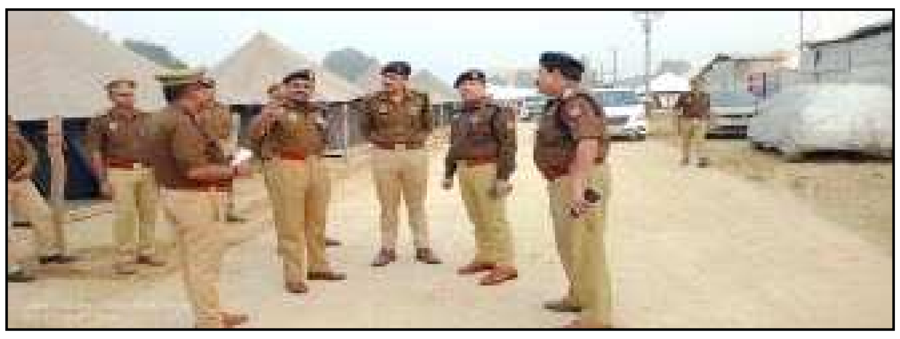

प्रयागराज। महाकुंभ-2025 के सकुशल एवं निर्विघ्न आयोजन के दृष्टिगत शनिवार को अपर पुलिस महानिदेशक रेलवे प्रकाश डी0 द्वारा जीआरपी अनुभागीय कार्यालय प्रयागराज के नियंत्रण-कक्ष का निरीक्षण किया गया तदोपरान्त पुलिस उपमहानिरीक्षक रेलवे प्रयागराज के कार्यालय में महाकुम्भ-2025 की तैयारियों के संबंध में समीक्षा की गयी तत्पश्चात रेलवे स्टेशन झूंसी स्थित अस्थाई जीआरपी पुलिस लाइन व थाना झूंसी का निरीक्षण/भ्रमण किया गया इसी क्रम में ड्यूटीरत पुलिस कर्मियों हेतु स्थापित बैरक तथा मेस का निरीक्षण कर सर्वसम्बंधित को आवश्यक दिशा-निर्देश दिये गये, निरीक्षण/भ्रमण के दौरान पुलिस उपमहानिरीक्षक रेलवे राहुल राज, पुलिस अधीक्षक रेलवे अभिषेक यादव व अन्य पुलिस अधिकारी /कर्मचारीगण उपस्थित रहे।

भण्डारो के आयोजन के लिए नगर मजिस्ट्रेट लेनी होगी अनुमति

प्रयागराज। जनपद प्रयागराज में आयोजित होने वाले महाकुम्भ-2025 में संचालित किए जाने वाले भण्डारों की अनुमति कलेक्ट्रेट प्रयागराज स्थित नगर मजिस्ट्रेट कार्यालय से निर्गत की जायेगी। भण्डारों के आयोजन किए जाने हेतु यात्रियों के ठहराव स्थल (होल्डिंग एरिया) का चिन्हांकन किया गया है। भण्डारों के आयोजन हेतु आवेदन पत्र 05 जनवरी से पूर्व नगर मजिस्ट्रेट, प्रयागराज के कार्यालय में प्रस्तुत करे अनुमति प्राप्त की जा सकती है। इस सम्बन्ध में विस्तृत जानकारी नगर मजिस्ट्रेट, प्रयागराज के कार्यालय अथवा संजय कुमार सिंह, मुख्य खाद्य सुरक्षा अधिकारी मोबाईल संख्या-8840587851 व अरविन्द कुमार तिवारी, कार्यालस सहायक मो0 सं0-7007246156 पर भी प्राप्त की जा सकती है। ज्ञातव्य हो कि भण्डारे के आयोजन के पूर्व अनुमति प्राप्त करना अपरिहार्य है। बिना अनुमति के भण्डारे का आयोजन नहीं किया जायेगा।

महाकुम्भ 2025 में निर्मल गंगा के संकल्प को साकार कर रहा नमामि गंगे मिशन

प्रयागराज। महाकुम्भ 2025 को न केवल आध्यात्मिकता का महापर्व, बल्कि स्वच्छता और पर्यावरण संरक्षण का आदर्श प्रतीक बनाने के लिए नमामि गंगे मिशन ने अनूठी और व्यापक योजनाओं को लागू किया है। गंगा की पवित्रता और सतत प्रवाह को सुनिश्चित करने के लिए, प्रयागराज में वर्तमान में 10 सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट (एसटीपी) संचालित हो रहे हैं, जिनकी कुल क्षमता 340 एमएलडी है। महाकुम्भ 2025 की विशेष तैयारियों को सशक्त बनाने के लिए नमामि गंगे मिशन की ओर से तीन नई महत्वाकांक्षी परियोजनाओं को स्वीकृति दी गई है, जिनके अंतर्गत सलोरी में 43 एमएलडी, रसूलाबाद में 90 एमएलडी और नैनी में 50 एमएलडी क्षमता के अतिरिक्त एसटीपी का निर्माण किया जा रहा है। इन परियोजनाओं का उद्देश्य महाकुम्भ के दौरान श्रद्धालुओं को स्वच्छ और प्रदूषणमुक्त गंगा जल उपलब्ध कराना ही नहीं, बल्कि गंगा की अविरलता और निर्मलता को दीर्घकालिक रूप से सुनिश्चित करना भी है।

गंगा और यमुना नदियों की निर्मलता और स्वच्छता को पुनर्स्थापित करने के लिए प्रयागराज में अद्वितीय प्रयास किए जा रहे हैं। कभी 81 नालों से प्रदूषित होने वाली इन नदियों की कहानी अब बदल रही है। नमामि गंगे मिशन और राज्य सरकार के संयुक्त प्रयासों से, इन नालों को स्वच्छता की धारा में परिवर्तित करने की दिशा में उल्लेखनीय प्रगति हुई है। वर्तमान में, 81 में से 37 नालों को पूरी तरह टैप कर उनका उपचार किया जा चुका है, जिससे इन नदियों में प्रदूषण का प्रवाह रुक गया है। इसके अलावा, 5 नालों को सूखा या अप्रभावी पाया गया है, जिन्हें किसी प्रकार के उपचार की आवश्यकता नहीं है। यही नहीं, महाकुम्भ 2025 की तैयारियों के तहत, राज्य सरकार ने अपने बजट में 17 नालों को टैप करने का दायित्व लिया है और इसके लिए आवश्यक संसाधन व प्रौद्योगिकी उपलब्ध कराई जा रही है। शेष 22 नालों को टैप करने का कार्य नमामि गंगे मिशन (एनएमसीजी) के नेतृत्व में किया जा रहा है, जो स्वच्छता और पर्यावरण संरक्षण के इस अभियान को नई ऊंचाइयों तक ले जा रहा है।

अत्याधुनिक तकनीक का किया जा रहा उपयोग

महाकुम्भ 2025 को स्वच्छ, सुरक्षित और पर्यावरण के अनुकूल बनाने के लिए नमामि गंगे मिशन द्वारा शुरू की गई दूरदर्शी योजनाओं का उद्देश्य गंगा और यमुना नदियों की निर्मलता और स्वच्छता को बनाए रखना है, ताकि नदियों की पवित्रता के साथ-साथ पर्यावरणीय संतुलन को भी संरक्षित किया जा सके। गंगा और यमुना को निर्मल और अविरल बनाए रखने के लिए अत्याधुनिक तकनीक, योजनाबद्ध अवसंरचना और समाज की सक्रिय भागीदारी के माध्यम से सुनिश्चित किया जा रहा है कि गंगा और यमुना की पवित्रता आने वाली पीढ़ियों तक अक्षुण्ण बनी रहे। मिशन की यह पहलें केवल महाकुम्भ को सफल बनाने तक सीमित नहीं है, बल्कि इसका लक्ष्य प्रयागराज की सीवरेज अवसंरचना को दीर्घकालिक रूप से मजबूत करना भी है।

हाईकोर्ट ने लोकसेवा आयोग को अपर निजी सचिव परीक्षा 2023 की टंकड़ परीक्षा की सीसीटीवी फुटेज 10 जनवरी तक पेश करने का निर्देश

प्रयागराज। याची का आरोप है कि वर्ष 2023 प्रकाशित अपर निजी सचिव के 331 पदों की भर्ती के लिए जून में हुई टाइपिंग टेस्ट के दौरान परीक्षा कक्ष की बिजली कट गई। जिसकी वजह से कम्प्यूटर बंद हो गए। अभ्यर्थी निर्धारित समय में टाइप क्षमता अनुसार नहीं कर सके। इसीलिए परीक्षा पुन: कराए जाने की मांग की गई हैआरोपों की जांच के लिए कोर्ट ने अगस्त में सीसीटीवी फुटेज तलब की थी। लेकिन सभी याचियों की फुटेज अब तक पेश नहीं की जा सकी। आयोग के अधिवक्ता ने सभी याचियों की फुटेज पेश करने के लिए नौ जनवरी तक की मोहलत मांगी। जिस पर न्यायालय ने केस को 10 जनवरी को सूचीबद्ध करने का निर्देश दिया है।

खाद के गड्ढे अतिक्रमण मुक्त कराने को दायर जनहित याचिका निस्तारित

प्रयागराज। फिरोजाबाद में खाद के गड्ढे के रूप में दर्ज जमीन अतिक्रमण मुक्त कराए जाने संबंधी जनहित याचिका इलाहाबाद हाई कोर्ट ने निस्तारित कर दी है। न्यायमूर्ति सौरभ श्याम शमशेरी ने यह निर्णय सुनाया है। अनिता ने यह जनहित याचिका दायर की थी। राज्य सरकार की तरफ से कहा गया कि राजस्व टीम का गठन 19 दिसंबर को किया गया है, ।

राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण ने महाकुम्भ के दौरान बेहतर आपदा प्रबंधन हेतु कराया मॉक एक्सरसाइज

- मेला क्षेत्र के सेक्टर में हुई भगदड़, डूबने, अग्नि की दुर्घटना,
- रेलवे स्टेशन और बस स्टेशन पर आ गयी अचानक भीड़,
- रिस्पॉन्स बलों ने सफलता पूर्वक सभी को सुरक्षित निकाला

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण द्वारा 27 दिसम्बर 2024 को जनपद प्रयागराज में मेला क्षेत्र के विभिन्न सेक्टर, जनपद प्रयागराज के रेलवे एवं बस स्टेशन तथा रात्रि के समय मेला क्षेत्र एवं संगम किनारे विभिन्न आपदाओं पर मॉक एक्सरसाइज का आयोजन किया गया ।

मॉक एक्सरसाइज को तीन सत्रों में आयोजित किया गया प्रथम सत्र को सुबह 09 .30 से 12 .30 के मध्य मेला क्षेत्र के विभिन्न सेक्टर में भगदड़, डूबना, आग और स्वास्थ्य संबंधी आपदा पर प्रतिक्रिया, द्वितीय सत्र को दोपहर में प्रयागराज जनपद के विभिन सड़क मार्ग, रेलवे स्टेशन, बस स्टैंड एवं अस्पतालों में आयोजित कर यातायात और भीड़ प्रबंधन की कार्यवाही तथा तृतीय सत्र रात्रि में 07 .30 से 10 .00 के मध्य मेला क्षेत्र एवं संगम किनारे डूबना और भगदड़ के दौरान विभिन्न विभागों एवं रिस्पॉन्स बलों की प्रतिक्रिया/कार्यवाही जाँची गयी महाकुम्भ के दौरान यूपी०एस०डी०एम०ए० के पहल से पहली बार रात्रि के दौरान मेला क्षेत्र एवं संगम किनारे डूबना, आग और भगदड़ की घटनाओं पर रिस्पॉन्स बलों की प्रतिक्रिया परखी गयी। मॉक एक्सरसाइज को यूपीएसडीएमए द्वारा मेला प्राधिकरण के आईसीसीसी से संचालित कराया गया एक्सरसाइज में मेला प्रशासन, सभी सेक्टर अधिकारी, पुलिस, अग्निशमन एवं आपातकालीन सेवाएं, यातायात पुलिस, रेलवे, यूपीएसआरटीसी, जिला प्रशासन के अन्य लाइन विभाग यथा-स्वास्थ्य, बिजली, जल, परिवहन, सिंचाई, लोक निर्माण विभाग, जल पुलिस, रेडियो पुलिस के साथ एन०डी०आर०एफ०, एस०डी०आर०एफ० ने प्रतिभाग किया

मॉक एक्सरसाइज के प्रथम सत्र में सुबह 10 .00 बजे मेला क्षेत्र के सेक्टर में घाट के पास पीपे के पुल पर डूबने और नाव पलटना की सूचना आईसीसीसी को मिली` सूचना मिलने पर उपस्थित अधिकारियों ने मेले में पूर्व से डिप्लॉय एन०डी०आर०एफ० बल को सूचित किया, जिन्होंने तत्काल घटना स्थल पर जाकर डूबते लोगों को बचाया उसी दौरान भगदड़ की अफवाह के कारण लोगों के भागने से अफरा-तफरी के कारण पंडाल के पास के दूकान का सिलिन्डर गिरने से अग्निदुर्घटना की खबर कंट्रोल रूम को मिली कंट्रोल रूम ने तत्काल मेले क्षेत्र के पुलिस और अग्निशमन सेंटर को बताया पुलिस बल के द्वारा तत्काल घटना स्थल पर जाकर भगदड़ को सफलता पूर्वं नियंत्रिक कर लिया गया` अग्निशमन विभाग के आधुनिक बाइक पर स्थापित अग्निशमन यंत्रों के जरिए अग्निदुर्घटना को तत्काल काबू कर लिया गया।

द्वितीय सत्र के दौरान दोपहर 2 .45 बजे आईसीसीसी को सूचना मिली कि जनपद प्रयागराज के रेलवे स्टेशन के यार्ड में शॉर्ट सर्किट के कारण अग्नि दुर्घटना हो गयी है और स्टेशन पर भगदड़ की स्थिति है। भगदड़ की स्थिति काबू करने के लिए कंट्रोल रूम से पुलिस बल भेजने के लिए तुरंत सूचना दी गयी अग्निदुर्घटना को रेलवे के बलों ने अपने संसाधनों से नियंत्रिक कर लिया, जिसके कारण किसी प्रकार की कोई जनहानि नहीं हुई मॉक एक्सरसाइज के तृतीय सत्र में रात्रि के समय कंट्रोल रूम को सूचना मिली की मेला क्षेत्र में कुछ लोग पानटून पुल पार करते समय भीड़ के कारण नदी में गिर गए हैं कंट्रोल रूम से सूचना नदी किनारे तैनात पी०ए०सी० और एस०डी०आर०एफ० को दिया गया जिनके सहयोग से डूबते लोगों को तत्काल बचा लिया गया। तत्काल कंट्रोल रूम से सूचना अग्निशमन विभाग को दिया गयो अग्निशमन विभाग ने सेक्टर में मौजूद अपनी टीम के सहयोग से अग्निदुर्घटना को तत्काल काबू कर लिया` प्राधिकरण के उपाध्यक्ष लेफ्टिनेंट जनरल योगेंद्र डिमरी ने दिन एवं रात्रि के दौरान मेला क्षेत्र में उपस्थित होकर संचालित मॉक एक्सरसाइज संबंधी कार्यवाहियों का निरीक्षण भी किया आज के मॉक एक्सरसाइज के दौरान सभी रिस्पॉन्स बलों ने दिये गए परिस्थितियों के अनुसार में प्रभावी प्रतिक्रिया, बेहतर समन्वय और मानक संचालन प्रक्रिया के अनुरूप बेहतरीन त्वरित प्रतिक्रिया की कार्यवाही एवं सराहनीय प्रदर्शन किया है ।

मुख्यमंत्री, उत्तर प्रदेश कि भव्य, दिव्य, सुगम और सुरक्षित महाकुम्भ की परिकल्पना अनुरूप सफलता पूर्वं सभी विभागों ने आपसी सामंजस्य एवं समन्वय के साथ अपनी कार्यवाही को सफलता पूर्वक सम्पन्न किया।

बच्चों के चतुमुर्खी विकास के लिए किया जाता है प्रतियोगिता का आयोजन : दिनेश चन्द्र गुप्ता

प्रयागराज 27 दिसंबर ।केसरवानी वैश्य सभा प्रयागराज के तत्वाधान में आयोजित तीन दिवसीय केसरवानी वैश्य साहित्य कला विज्ञान बाल नृत्य फैंसी ड्रेस प्रतियोगिता के उद्घाटन समारोह को संबोधित करते हुए सभा के पूर्व अध्यक्ष एडवोकेट दिनेश चंद्र गुप्ता ने कहा कि इस प्रतियोगिता का आयोजन केसरवानी वैश्य समाज के बच्चों की प्रतिभा को प्रोत्साहन देने और उनके चतुमुर्खी विकास के उद्देश्य से किया जाता है। उन्होंने कहा कि अभी तक वैश्य समाज के बच्चे बचपन से ही अपने पुश्तैनी व्यापार में संलग्न हो जाते थे ।जिसके कारण वह उच्च शिक्षा से वंचित रह जाते थे ।परंतु अब हमारे केसरवानी वैसे समाज में एक बड़ा बदलाव आया है और हमारे बच्चों खास कर लड़कियों का रुझान बहुत तेजी से शिक्षा की ओर बढ़ रहा है और वह विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं में बढ़कर हिस्सा ही नहीं लेते वर्णन वहां सफलता के झंडे गाड़कर तमाम उच्च पदों आईएएस पीसीएस पीसीएस जे डॉक्टर व इंजीनियर बनकर हमारे समाज का गौरव बढ़ा रहे हैं। उन्होंने कहा कि हमारे समाज के पुरोधाओं ने इस चीज को काफी शिद्दत से महसूस किया था कि बिना समाज के आगे बढ़े हम अति पिछड़े हो जाएंगे इसीलिए विगत 27 वर्ष पूर्व से बच्चों को प्रोत्साहन देने हेतु इस प्रतियोगिता का आयोजन शुरू किया गया। हमारे इस मंच से निकलकर तमाम बच्चे आज हमारे समाज का मान बड़ा रहे हैं। केसरवानी वैश्य धर्मशाला ठाकुरदीन का हांथा बहादुरगंज में आयोजित तीन दिवसी इस प्रतियोगिता के प्रथम दिन आज विभिन्न

- तीन दिवसीय केसरवानी वैश्य साहित्य कला विज्ञान प्रतियोगिता आयोजित

वर्गों किशोर ऐ किशोर बी एवम युवा वर्ग में विभाजित चित्रकला निबंध विज्ञान क्विज सामान्य ज्ञान एवं वाद - विवाद प्रतियोगिताओं में लगभग 500 बच्चों ने भाग लिया और अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया । आज प्रात: प्रतियोगिता का उद्घाटन सभा के अध्यक्ष रस्म जी केसरवानी पूर्व अध्यक्ष दिनेश चंद्र गुप्ता, शिवनाथ गुप्ता , डॉक्टर अशोक गुप्ता , गोरखनाथ केशरवानी हरिश चंद्र गुप्ता आदि ने दीप प्रज्वलित कर एवं मां सरस्वती की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर किया ।कार्यक्रम का संचालन प्रमुख मंत्री सुनीर केसरवानी ने किया, प्रतियोगिता में कार्यक्रम के प्रमुख संयोजक दिनेश कुमार केसरवानी संयोजक मंडल के सदस्य राजेश कुमार गुप्ता, बैजनाथ केसरवानी, राजेंद्र गुप्ता, रजनीश केसवानी तथा सभा के सदस्य संगम लाल केशरवानी , राकेश केसरवानी ,लक्ष्मीकांत केसरवानी, सत्य प्रकाश केसरवानी, नंद किशोर केसरवानी, बैजनाथ केसरवानी , संजय केसरवानी, विवेक केसरवानी ,दिनेश केसरवानी, रवि गुप्ता, लवकुश केशरवानी आदि ने महत्वपूर्ण योगदान दिया ।

जनकवि कैलाश गौतम राष्ट्रीय काव्य कुंभ समारोह आयोजित

प्रयागराज। कैलाश गौतम सृजन संस्थान प्रयागराज द्वारा शुक्रवार को जन कवि कैलाश गौतम स्मृति राष्ट्रीय काव्य कुंभ समारोह आज 27 दिसंबर को हिन्दुस्तानी एकेडेमी प्रयागराज में आयोजित किया गया। सर्वप्रथम पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह जी को खचा-खच भरे सभागार में श्रद्धांजलि दीग ?ई तथा खड़े होकर मौन रखा गया।

कार्यक्रम में सम्मानित अतिथियों तथा रचनाकारों द्वारा दीप प्रज्वलन किया गया तत्पश्चात जनकवि कैलाश गौतम के चित्र पर माल्यार्पण करके उन्हें पुष्पांजलि भी अर्पित की गई ।समारोह में अंतरराष्ट्रीय ख्याति प्राप्त रचनाकारों ने काव्य पाठ किया एवं तमाम विभूतियों का सम्मान हुआ।

इस अवसर पर दिनेश रघुवंशी(फरीदाबाद) को जनकवि कैलाश गौतम राष्ट्रीय काव्य कुंभ सम्मान 2024 से नवाजा गया।

तत्पश्चात विभिन्न क्षेत्रों की विभूतियां एवं ख्याति रचनालब्ध रचनाकारों का जनकवि कैलाश गौतम साहित्यिक सांस्कृतिक परंपरा एवं सरोकार सम्मान हुआ। इसके साथ ही बृजेश कुमार सिंह अविनाश कुमार श्रीवास्तव अजीत सिंह अभिषेक वर्मा प्रदीप तिवारी उदय प्रताप सिंह पुष्पेंद्र प्रताप सिंह शशांक प्रभाकर मुकेश शर्मा प्रीति त्रिपाठी शुभम त्यागी दान बहादुर सिंह हिमांशु भारद्वाज राजेश कुमार आशीष कुमार शिशिर सोम आनंद श्रीवास्तव प्रकाश खेतान का सम्मान हुआ।।

इस अवसर पर न्यायमूर्ति ने कहा कि जन कवि कैलाश गौतम की कविताएं सामाजिक संचेतना एवं जन सरोकारों का प्रतीक है। आपकी रचनाओं ने सदैव ही समाज को नई दिशा दी है तथा हर एक को अटूट संघर्ष की प्रेरणा और निरंतर सकारात्मक भाव से अपने कार्य के प्रति पूरी इमानदारी से सचेत रहकर समाज के प्रति अपने योगदान देने के लिए प्रेरित किया है।

न्यायमूर्ति राहुल चतुवेर्दी ने कहा कि कैलाश गौतम लोकरंग के कालजई कवि हैं ।आपकी कविताएं अविस्मरणीय हैं और कैलाश जी की रचनाओं में इतिहास का संदर्भ भी है साथ ही साथ अपने समय किससे लड़ने का साहस भी है ।

महापौर गणेश केसरवानी ने कहा कि कैलाश गौतम की कविताएं आजकल फिर माघ मेला और अमावस्या का मेला की याद दिला रही है और पूरी दुनिया में इस समय आपकी लोकरंग की कविताएं छाई हुई है। हमारे लिए एक उपलब्धि और मार्गदर्शन की तरह हैं। प्रयागराज को कविता के वैश्विक मानचित्र पर स्थापित किया।

रचनाकारों की पंक्तियां:

मेरी आंखों का तारा ही मुझे आंखें दिखाता है
जिसे हर एक खुशी दे दी वही गम से मिलाता है
जुबान से कुछ कहूं किससे कहूं कैसे का्हूं मैं हूं
सिखाया बोलना जिसको वो चुप रहना सीखना है

सुलाकर सोती थी जिसको वो अब शब भर जगाता है
सुनाई लोरियां जिसको वो अब ताने सुनाता है
सिखाने में उसे क्या कुछ कमी मेरी रही जो वो
जिसे गिनती सिखाई गलतियां मेरी गिनाता है
(दिनेश रघुवंशी - फरीदाबाद)
धरा कभी छोड़ी नहीं,छू कर भी आकाश
अजर-अमर तुम हो ग ?ए,कविता के कैलाश
डॉ श्लेष गौतम
गिरने के स्तर का आंखों देखा हाल
पारा जाड़े में गिरा नीयत पूरे साल
(डॉ श्लेष गौतम)
खोई हुई चीजों को यादों में पास रखता हूँ
मैं अपने किरदार में सबकुछ ही खास रखता हूँ
इसीलिए तो नहीं बनती मेरी समंदर से
वो गुरूर रखता है तो मैं भी प्यास रखता हूँ
...शशांक नीरज आगरा

इसके साथ ही आलोक बेजान,रविंद्र रवि, राजेश कुमार ,हिमांशु भारद्वाज, प्रकाश खेतान,आदिल रशीद, अजय अंजाम ,विनीत त्रिपाठी, मुकेश शर्मा ,शुभम त्यागी आशीष कुमार ,विष्णु उपाध्याय, महेश श्रीवास्तव ,कुमार विकास, अभिजीत मिश्रा ,त्रिनेत्र दुबे आदि ने काव्य पाठ किया।।

योगी सरकार में दंगाई की ठुकाई, बलवाइयों की कुटाई, और बाहुबलियों की हो रही विदाई-मुख्तार अब्बास

मोदी ने दुनिया भर के संकट कंटक के दौरान भी भारत की चमक और धमक मजबूत की -मुख्तार अब्बास नकवी

सूबे के 27 के चुनाव में समाजवादी सुल्तान अखिलेश और सामंती सूरमा राहुल चारों खाने चित्त होंगे-मुख्तार अब्बास

प्रयागराज। भारतीय जनता पार्टी प्रयागराज के द्वारा सर्किट हाउस में आयोजित पत्रकार वार्ता में भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता एवं पूर्व केंद्रीय कैबिनेट मंत्री मुख्तार अब्बास नकवी ने कहा कि सनातन संस्कार संस्कृति के खिलाफ साजिशी सिंडिकेट के सामंती संक्रमण से समाज को सावधान रहना होगा और क्योंकि छद्म सेकुलर सिंडिकेट सांप्रदायिक फसाद में सियासी मफाद ढूंढता है उन्होंने कहा कि दावों की बकैती और धावों के बवंडर की अपराधिक प्रतिस्पर्धा की बजाय कुछ विदेशी आक्रमणकारियो की क्रिमिनल कम्युनल, क्रूर करतूत के कलंक का सुधार अपराधिक उन्माद से नहीं बल्कि आपसी संवाद से ही किया जा सकता है उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सांप्रदायिक ध्रुवीकरण के रिवाज को समावेशी सशक्तिकरण के मिजाज से ध्वस्त किया है ! और आज दुनिया भर के संकट कंटक के दौरान भी भारत की धाक धमक मजबूत की है और हिंदुस्तान की धाक धमक को धूमिल करने की धूर्तता पूर्ण धुन वाले धूल धूसरित हुए हैं। और कहा कि आज हर भारतीय को गर्व है कि मोदी जी को दुनिया वैश्विक संकट के संकट मोचक के रूप में देख रही है। और आगे कहा कि योगी सरकार का दंगाइयों की ठुकाई बलवाइयों की कुटाई और बाहुबलियों की विदाई के जरिए समाज के सुरक्षा सौहार्द की भलाई की प्रतिबद्धता है। और यह बात इन बलवाइयों बाहुबलियों बकैतों की चोट पर चीख निकाल रहे सामंती सुल्तानों की सोच समझ से बाहर है। श्री नकवी ने कहा कि महत्वाकांक्षाओं के मझदार में फंसे कांग्रेस सपा गठबंधन में जितने छेद हैं उससे ज्यादा उसमें महत्वकांक्षी मतभेद है, छेद को रपू करने मतभेद को रफू चक्कर करने में चुनाव में भी निपटते जा रहे हैं और गठबंधन के गुरु घंटालों का गुरुर भी सिमटिता जा रहा है। और आगे कहा कि समाजवादी सुल्तान और सामंती सुरमा 27 के सुबाई चुनाव में भी चारों खाने चित्त होंगे , और जनता संप्रदाय धुर्वीकरण के छल को समावेशी सशक्तिकरण के बल से छूमंतर करेगी ! क्योंकि जनमानस को सामंती सियासत के रिवाज पर नहीं बल्कि समावेशी सुशासन के मिजाज पर यकीन है। नकवी जी ने कांग्रेस और विपक्ष पर निशाना साधते हुए कहा कि डायनेस्टी का डिजाइनर डेमोंसट्रेशन और फैमिली के फैशन फोटोग्राफी फन जिसमें कभी ब्लू चोला तो कभी बांग्लादेश के फिलिस्तीन का झोला लेकर लोकतंत्र पर पीछे से धक्के आगे से मुक्के की सामंती सनक से संसदीय संवैधानिक मयार्दा के आचरण की अपराधी करतूत कर रहे हैं। और आगे कहा उन्होंने कांग्रेस पर हमला करते हुए कहा कि डेमोक्रेसी और डायनेस्टी का डिज्नीलैंड समझने वाले संविधान संसद लोकतंत्र के प्रति भय भ्रम के भौकाल के जरिए हार की हताशा में हुडंदगी तमाशा करने में जुटे हैं लोकतंत्र और संविधान के प्रति समाज का भरोसा ऐसी संवैधानिक लोकतांत्रिक साजिश रियासत का सूपड़ा करेगा।

प्रेस वार्ता का संचालन जिला प्रवक्ता राजेश केसरवानी ने किया ।प्रेस वार्ता में प्रमुख रूप से भाजपा वरिष्ठ नेता रामजी केसरवानी, विभूति नारायण सिंह रमेश पासी, राजेश केसरवानी विवेक मिश्रा आदि कार्यकर्ता मौजूद रहे।

पीडीए ने की ध्वस्तीकरण और सीलबंदी की कार्रवाई

जोन-06 और एक में चला अभियान

प्रयागराज विकास प्राधिकरण, प्रयागराज के संयुक्त सचिव/जोनल अधिकारी अजय कुमार के नेतृत्व में जोन-06/उपजोन-6ए क्षेत्र के अन्तर्गत अवैध प्लाटिंग/निर्माण के विरूद्ध ध्वस्तीकरण की कार्यवाही की गयी। इसके साथ ही जोन एक में सीलबंदी की कार्रवाई की गई। क

जोन 6 में अखिलेश पटेल द्वारा स्थल मौजा बेला कछार में एस०टी०पी० के नीचे लगभग 4 बीघा में की गयी अवैध प्लाटिंग को ध्वस्त किया गया। वहीं चॉद बाबू व अन्य द्वारा स्थल मौजा मलाक हरहर आरम विहार के पीछे लगभग 10 बीघा में की गयी अवैध प्लाटिंग को ध्वस्त किया गया। उपरोक्त कार्यवाही जोनल अधिकारी के अतिरिक्त अवर अभियन्ता श्री के०पी० यादव, सुपरवाईजर एवं पी०डी०ए० प्रवर्तन टीम की उपस्थिति में कार्यवाही सम्पादित करायी गयी।

वहीं जोनल अधिकारी के नेतृत्व में जोन-01/उपजोन-1आई क्षेत्र के अन्तर्गत अवैध निमार्णों के विरूद्ध कार्यवाही करते हुए सीलबन्दी की कार्यवाही की गयी ।

इसमें शान्तनू रस्तोगी पुत्र शैलेन्द्र रस्तोगी द्वारा स्थल मकान नं0-754/567-ए मंमफोर्डगंज आवास योजना, प्रयागराज पर किये गये अवैध निर्माण को सील किया गया। संजय कुमार पाण्डेय पुत्र श्याम सुन्दर पाण्डेय द्वारा स्थल मकान नं0-754/567-ए मंमफोर्डगंज आवास योजना, प्रयागराज पर किये गये अवैध निर्माण को सील किया गया।

इसी क्रम में जगदीश्वर लाल त्रिपाठी द्वारा स्थल मकान नं0-754/567-ए मंमफोर्डगंज आवास योजना, प्रयागराज पर किये गये अवैध निर्माण को सील किया गया। इस कार्यवाही में जोनल अधिकारी के अतिरिक्त अवर अभियन्ता इकबाल हासमी, सुपरवाईजर एवं पी०डी०ए० प्रवर्तन टीम की उपस्थिति में कार्यवाही सम्पादित करायी गयी।

हाईस्कूल के डबल आवेदन पर 23 प्रधानाचार्य को नोटिस

यूपी बोर्ड परीक्षा के लिए परिषद की ओर से पकड़े गए थे आवेदन

इंटरमीडिएट में भी 91 प्रधानाचार्यों को किया गया प्रयागराज तलब

प्रयागराज। माध्यमिक शिक्षा परिषद (यूपी बोर्ड) प्रयागराज ने जिले के 23 ऐसे विद्यालयों को नोटिस जारी किया है जहां से छात्राओं ने दो-दो जगह से हाईस्कूल की परीक्षा के लिए आवेदन किए हैं। इससे पहले इंटरमीडिएट के 91 प्रधानाचार्यों से जवाब-तलब हुआ है। उनको परिषद ने साक्ष्यों समेत तलब किया है।

डिजिटल इंडिया के दौर में आधार कार्ड से एक जैसा डाटा पकड़ में आ जाता है। कहा जा रहा है कि स्कूल की ओर से बोर्ड परीक्षा फार्म भरने के दौरान लापरवाही बरती गई है। दूसरी ओर परीक्षार्थियों ने दो जगह से आवेदन इसलिए किए हैं कि अगर परीक्षा केंद्र निकट या नकल कराने वाला मिल गया तो दूसरे में परीक्षा छोड़ देंगे। हालांकि माध्यमिक शिक्षा परिषद ने चेतावनी दी है कि समय रहते साक्ष्यों समेत जवाब नहीं दिया गया तो परीक्षार्थी का ब्योरा पोर्टल से हटा दिया जाएगा। इसकी गलती डीआईओएस डॉ. पूरन सिंह की होगी। पत्र आने के बाद डीआईओएस ने कुल 114 प्रधानाचार्यों को नोटिस जारी कर जवाब बोर्ड को भेजने की बात कही है। परिषद के पत्र में कहा गया है कि निजी खर्चे पर प्रयागराज आकर स्पष्टीकरण दें।

यहां से हुए डबल आवेदन

कांति देवी इंटर कॉलेज खोजीपुर, चौ. रविनाथ सिंह इंटर कॉलेज निकवा, सत्यदेव सिंह आनंद महिला विद्यापीठ हसेरन, संजय गोविंद विद्यालय हिम्मतपुर ड्योढ़ा, भारत सिंह रमादेवी इंटर कॉलेज विनौरा रामपुर, गुरुबख्श सिंह इंटर कॉलेज छिबरामऊ, राजबहादुर सिंह शिक्षा सदन ठठिया, आरबीएसडी गागेमऊ, कल्याण सिंह इंटर कॉलेज रसूलाबाद, बिटुला देवी इंटर कॉलेज हसेरन, बटेश्वर दयाल इंटर कॉलेज छिबरामऊ, भदौरिया एजूकेशन सेंटर छिबरामऊ, चतुर्भुज सहाय हायर सेकेंड्री स्कूल हसेरन, राजेंद्र प्रसाद इंटर कॉलेज मझिला, चौधरी सुघर सिंह मेमोरियल इंटर कॉलेज भगवंतपुर छिबरामऊ, गौतम बुद्ध हायर सेकेंड्री गोपाल नगर छिबरामऊ, जागृति पब्लिक स्कूल तालग्राम, सीवीएसएम उत्कर्षनगर छिबरामऊ, पीवीडी एसओएन इंटर कॉलेज रिख्खापुर्वा ठठिया, ज्ञान वती सत्यराम पब्लिक स्कूल सुभाषनगर बरौली

महाकुंभ से पहले खाद्य सुरक्षा के लिए जिला प्रशासन ने एफएसएसएआई के साथ मिलकर 2100 स्ट्रीट फूड विक्रेताओं की हुई ट्रेनिंग

प्रयागराज। भारतीय खाद्य सुरक्षा और मानक प्राधिकरण (एफएसएसएआई) और उत्तर प्रदेश खाद्य सुरक्षा विभाग के साथ मिलकर प्रयागराज प्रशासन ने नगर की खाद्य सुरक्षा व्यवस्था को सुदृढ़ करने के लिए ऐतिहासिक कार्य किया है। अगले महीने होने वाले महाकुंभ से ठीक पहले नगर के 2100 स्ट्रीट फूड विक्रेताओं को खाद्य सुरक्षा के लिए प्रशिक्षित किया गया।

जिलाधिकारी रविन्द्र कुमार माँदड़ के निर्देशन में मोतीलाल नेहरू नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी के सभागार में स्ट्रीट फूड विक्रेताओं के लिए आयोजित एक दिवसीय फॉस्टैक प्रशिक्षण कार्यक्रम में व्यक्तिगत स्वच्छता, खाद्य प्रबंधन, खाना पकाने के तरीके और अपशिष्ट प्रबंधन समेत कई आवश्यक विषयों को शामिल किया गया। प्रतिभागियों को खाद्य सुरक्षा और मानक अधिनियम के बारे में भी जानकारी दी गयी। इसके तहत विशेष रूप से खाद्य व्यवसायों के लाइसेंस और पंजीकरण के संबंध में अनुसूची 4 में निर्धारित दिशा निदेर्शों पर ध्यान केंद्रित किया गया। इस पहल का मुख्य उद्देश्य स्ट्रीट फूड विक्रेताओं की जानकारी और तौर-तरीकों को बेहतर बनाना तथा बेहतर खाद्य सुरक्षा मानकों और सार्वजनिक स्वास्थ्य को सुनिश्चित करना है। प्रशिक्षण के दौरान स्ट्रीट फूड विक्रेताओं को हाईजीन किट्स भी बांटा गया, जिनमें एप्रॉन, ग्लब्स, हेड-गियर तथा स्ट्रीट फूड वेंडर्स मैनुअल शामिल है।

प्रशिक्षण कार्यक्रम में महापौर उमेश चंद्र गणेश केसरवानी व विधायक शहर उत्तरी हर्षवर्धन वाजपेयी ने स्ट्रीट फूड विक्रेताओं को प्रोत्साहित किया। प्रशिक्षण के दौरान नगर मजिस्ट्रेट विनोद कुमार सिंह के साथ-साथ एफएसएसएआई के संयुक्त निदेशक अंकेश्वर मिश्रा समेत प्राधिकारण के दूसरे अधिकारी तथा राज्य खाद्य सुरक्षा विभाग से सुशील कुमार सिंह- अभिहित अधिकारी व अन्य अधिकारी व कर्मचारी भी उपस्थित रहे। कार्यक्रम के आयोजन में एफएसएसएआई के ट्रेनिंग पार्टनर जनपहल ने स्ट्रीट फूड विक्रेताओं को इकट्ठा करने तथा कार्यक्रम के समन्वय में अहम भूमिका निभाई। भारत अपने स्ट्रीट फूड की वजह से दुनिया भर में लोकप्रिय है। ऐसे में खाद्य सुरक्षा को सुनिश्चित करने के लिए स्ट्रीट फूड वेंडर्स को प्रशिक्षित करना एक महत्वपूर्ण कदम है। इस संदर्भ में एफएसएसएआई ने तीन वर्षों (2023 से 2026 तक) में 25 लाख स्ट्रीट फूड विक्रेताओं को प्रशिक्षित करने का लक्ष्य रखा रखा है। इसी क्रम में देश के हर बड़े शहर में स्ट्रीट फूड विक्रेताओं को प्रशिक्षित किया जा रहा है। जैसा कि सबको विदित है 13 जनवरी 2025 से 26 फरवरी 2025 तक प्रयागराज में महाकुंभ का आयोजन हो रहा है। इस आयोजन में करोड़ों लोगों के शहर में आने की संभावना है। ऐसे में खाद्य सुरक्षा की दृष्टि से शहर के स्ट्रीट फूड विक्रेताओं का प्रशिक्षित और सजग रहना आवश्यक है। इसी के मद्देनजर यह प्रशिक्षण कार्यक्रम महाकुंभ के दौरान खाद्य सुरक्षा को सुदृढ़ करने की राह में अहम कदम है।

रेलवे स्टेशन पर एनडीआरएफ के नेतृत्व में मॉक ड्रिल का आयोजन

प्रयागराज। महाकुंभ-2025 के सकुशल एवं निर्विघ्न आयोजन के दृष्टिगत शुक्रवार को रेलवे स्टेशन प्रयागराज जंक्शन पर एनडीआरएफ के नेतृत्व में मॉक ड्रिल का आयोजन किया गया। इस मॉक ड्रिल में प्लेटफॉर्म संख्या -2 पर यात्रियों में भगदड़ होने का दृश्य क्रिएट किया गया जिसमें 10 श्रद्धालु घायल हो जाते हैं। तत्काल कंट्रोल टावर को सूचित किया गया। कंट्रोल टावर से सूचना मिलते ही सभी टीमें सक्रिय हो गयीं। एनडीआरएफ, एसडीआरएफ, रैपिड एक्शन टीम एवं क्विक रिस्पांस टीम तत्काल घटना स्थल पर पहुंची और बचाव कार्य शुरू किया। इस दौरान प्लेटफार्म सं0 02 पर उपस्थित यात्रियों को घटना स्थल से दूर रखने और नियंत्रित करने के लिए जीआरपी/आरपीएफ के सुरक्षा कर्मियों द्वारा जगह-जगह पर रोका गया। तत्काल घायलों को प्राथमिक चिकित्सा देकर एम्बुलेंस से अस्पताल भेजा गया। एनडीआरएफ, एसडीआरएफ, रेलवे सुरक्षा बल, राजकीय रेलवे पुलिस, रैपिड एक्शन टीम, क्विक रिस्पांस टीम, वाणिज्य विभाग एवं चिकित्सा टीम ने मिलकर मॉक ड्रिल को सफलता पूर्वक अंजाम दिया । इस मॉक ड्रिल में एनडीआरएफ, एसडीआरएफ, जीआरपी, आरपीएफ, रैपिड एक्शन टीम, क्विक रिस्पांस टीम, वाणिज्य विभाग एवं चिकित्सा टीम ने संयुक्त रूप से भाग लिया। इस मॉक ड्रिल के दौरान अपर मण्डल रेल प्रबंधक संजय सिंह; स्टेशन निदेशक वी के द्विवेदी; पुलिस अधीक्षक रेलवे प्रयागराज अभिषेक यादव, सहायक सुरक्षा आयुक्त/रेलवे सुरक्षा बल संदीप कुमार सहित 500 से अधिक अधि0/कर्म0गण द्वारा प्रतिभाग किया गया।

पूर्व प्रधानमंत्री डा० मनमोहन सिंह को नमस्ते भारत परिवार ने दी श्रद्धाजलि

प्रयागराज। पूर्व प्रधानमंत्री, पूर्व वित्त मंत्री, आरबीआई गवर्नर, योजना आयोग के प्रमुख व प्रमुख अर्थशास्त्री डॉ मनमोहन सिंह के निधन पर नमस्ते भारत परिवार ने शोक सभा का आयोजन कर श्रद्धा सुमन अर्पित किया। डा० मनमोहन सिंह को याद करते हुए सह संयोजक हिमांशु निक्की केसरवानी ने कहा कि उनकी विद्वत्ता, सादगी, ईमानदारी समूचे देश मे विख्यात रही। आधुनिक भारत में खुली अर्थव्यवस्था के सूत्रधार, भारत ही नहीं अपितु कई देशों ने उनकी अर्थव्यवस्था को अपनाया और सफल भी हुए। ऐसे महान असरदार सरदार डा० मनमोहन सिंह को नमस्ते भारत परिवार नमन करता है। नमस्ते भारत के संयोजक नरेंद्र खेड़ा ने कहा कि भारत ने कुछ ही महिनों में डॉ मनमोहन सिंह व रतन टाटा जैसे दो बड़ी शख्सियत को 2024 में खो दिया। उनके कार्यकाल में जन सूचना अधिकार जैसे सशक्त कानून उनकी देने थी ।आज ऐसी पुण्यात्मा के निधन से समूचा भारत उन्हें नम आंखों से श्रध्दाजंली अर्पित करता है। श्रद्धाजलि अर्पित करने वालों में मुख्य रूप से पूर्व पार्षद अमरजीत सिंह, प्रयागराज अध्यक्ष अंकुर रस्तोगी, गुलशन अरोड़ा, पीयूष जयसवाल, मुकेश टोटल, निरंकार विक्की साहू, सुनील केसरवानी, उत्तम केसरवानी, राज घनवानी, राकेश केसरवानी समेत बड़ी संख्या में लोगों श्रध्दा सुमन अर्पित किया।

महाकुंभ को प्लास्टिक मुक्त हरित कुंभ बनाने के लिए उमरे महिला कल्याण संगठन तत्पर

प्रयागराज। शुक्रवार को स्पन्दन क्लब, सूबेदारगंज में उत्तर मध्य रेलवे महिला कल्याण संगठन, मुख्यालय, प्रयागराज की अध्यक्षा श्रीमती चेतना जोशी महोदया और संगठन की सचिव श्रीमती ऋचा वर्मा, श्रीमती सुप्रिया सिन्हा, श्रीमती नीलम कुमार एवं शिवाजी कदम, मुख्य पर्यावरण एवं गृह व्यवस्था प्रबंधक, उत्तर मध्य रेलवे की ओर से पर्यावरण संरक्षण गतिविधि टीम के सदस्य गोपाल आर्य, डॉ अमित पाण्डेय को हरित कुंभ के लिए कुल 226 स्टील के प्लेट और 226 कपड़े के बैग सौंपे गये।

समाज को किसी भी बुराई से मुक्त कराने में कई हाथों की जरूरत होती है। इस हरित कुंभ में महिला कल्याण संगठन और पर्यावरण संरक्षण गतिविधि टीम के संयुक्त प्रयास से हम इस मुकाम पर पहुॅच रहे है, कि प्लास्टिक मुक्त हरित कुंभ का सपना पूरा किया जा सके। ये प्लेट और बैग स्टेशन क्षेत्र और संगम परिसर में आने वाले श्रद्धालुओं को वितरित किये जायेंगे। पर्यावरण संरक्षण अभियान के तहत प्लास्टिक मुक्त समाज चलाने का अभियान चलाया जा रहा है। इसी के तहत प्रयागराज महाकुंभ में भी प्लास्टिक का कम से कम उपयोग हो। प्रयागराज आने वाले भोजन-प्रसादी या पानी पीने के लिये पारंपरिक रीति अपनायें और प्लास्टिक का उपयोग ना करें। इस अवसर पर थाली वितरण में प्रयागराज, झांसी एवं आगरा मंडल की महिला संगठन ने सहयोग किया।

छिवकी स्टेशन पर पर्यावरण संरक्षा के लिए कार्यक्रम का आयोजन

प्रयागराज। शनिवार को प्रयागराज छिवकी स्टेशन पर प्रयागराज मण्डल के पर्यावरण एवं रखरखाव विभाग और नमामि गंगे टीम द्वारा संयुक्त रूप पर्यावरण संरक्षण के लिए जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया ।इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य महाकुम्भ-2025 में रेलवे परिसर में स्वच्छता को बढ़ावा देना और प्लास्टिक कचरे को कम करना हैं ।एकल प्रयोग प्लास्टिक का प्रयोग न करने और सफाई के प्रति जागरूक रहने का संदेश दिया गया और शपथ दिलाई गयी ।इस अवसर पर वरिष्ठ पार्यावरण एवं रखरखाव प्रबंधक/प्रयागराज, आलोक केशरवानी; सूबेदार/भारतीय सेना, जगदीश सिंह एवं वाणिज्य निरीक्षक/प्रयागराज छिवकी ओम प्रकाश उपस्थित थे ।इस कार्यक्रम में संयोजक का कार्य धनंजय ने किया ।कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण रमहाकुंभ-2025 के दौरान प्रयवरण संरक्षण के लिए नुक्कड़ नाटक था, ।इसके अलावा, नमामि गंगे टीम द्वारा सूबेदार/भारतीय सेना, जगदीश सिंह के नेतृत्व में एक परामर्श सत्र आयोजित किया गया, जिसमें गंगा क्षेत्र में मिट्टी के क्षरण के लिए उपयोग की जाने वाली विभिन्न स्थानीय पौधों की प्रजातियों का प्रदर्शन किया गया। इस कार्यक्रम में लगभग 400 लोगों ने भाग लिया ।

इस अवसर पर पर्यावरण संरक्षा के प्रति जागरूकता के लिए कलाकारों द्वारा कदम कदम से प्लास्टिक हटाये जा धरती को स्वर्ग बनाये जा नाटक प्रस्तुत किया गया ।नुक्कड़ नाटक में सिंगल यूज प्लास्टिक और पॉलीथिन को छोड़कर कपड़े से निर्मित थैलों एवं बायोडिग्रेडेबल उत्पाद प्रयोग करने की सलाह दी गयीं ।नाटक के माध्यम से स्वच्छता दूत ने सभी को सिंगल यूज़ प्लास्टिक एवं पॉलिथीन छोड़ने के लिए संदेश दिया । नाटक में स्वच्छता दूत के संदेश ने उपस्थित सभी लोगों को प्रभावित किया। सभी लोग सब्जी और राशन इत्यादि के लिए पॉलिथीन के स्थान पर कपड़े के झोले या बायोडिग्रेडेबल थैलों का का प्रयोग करें, इससे पर्यावरण को संरक्षित किया जा सकता है ।कूड़े कचरे में फेंकी गयी प्लास्टिक और पॉलिथीन को खाकर पशु-पक्षी बीमार होते है और मर भी जाते है। हम सभी के सामूहिक प्रयास से इन्हें बचाया जा सकता है ।पर्यावरण हम सबका है और हम सभी मिलकर इसे स्वच्छ बनाएगे ।रेलवे द्वारा आगामी महाकुंभ में प्लास्टिक कचरे को कम करने के लिए कई हरित पहल की गयी हैं ।

सीएम योगी के क्रियाकलापों में दिखती है प्रदेश को उन्नति के पथ पर ले जाने की प्रतिबद्धता: स्वामी वासुदेवानंद सरस्वती

प्रयागराज।। महाकुम्भ 2025 के आयोजन और इसके लिए योगी सरकार द्वारा की जा रही अभूतपूर्व व्यवस्था पर ज्योतिषपीठ के शंकराचार्य स्वामी वासुदेवानंद सरस्वती ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की सराहना की है। उन्होंने कहा कि महाकुम्भ के लिए प्रयागराज में जो विकास कार्य किए जा रहे हैं उसके लिए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ धन्यवाद के पात्र हैं। उन्होंने पूर्ण लगन से इस कुम्भ पर्व की व्यवस्था की है। सिर्फ कुम्भ ही नहीं, प्रदेश को उन्नति के पथ पर अग्रसर करने की प्रतिबद्धता उनके क्रियाकलापों में दिखती है। सभी संत और प्रदेशवासी उन्हें धन्यवाद देते हैं कि उन्होंने प्रदेश को आगे बढ़ाने का प्रयास किया। यही नहीं, उन्होंने प्रदेश और देश में सांस्कृतिक पुनर्जागरण और सनातन धर्म के प्रति लोगों को एकजुट करने के लिए भी पीएम मोदी और सीएम योगी के प्रयासों की प्रशंसा की।

उत्तर प्रदेश की योगी सरकार प्रयागराज में जनवरी 2025 से शुरू हो रहे सनातन संस्कृति के सबसे बड़े समागम को भव्य और दिव्य बनाने के लिए वृहद स्तर पर प्रयास कर रही है। इसके लिए 6 हजार करोड़ रुपए से ज्यादा की धनराशि खर्च की गई है। संगम जाने वाले रास्तों का चौड़ीकरण हो या सौंदर्यीकरण विकास परियोजनाओं से प्रयागराज का कोई भी क्षेत्र अछूता नहीं है। इनका संज्ञान लेते हुए स्वामी वासुदेवानंद सरस्वती ने कहा कि प्रयागराज में भव्य और दिव्य कुम्भ पर्व होने जा रहा है। जो विकास के कार्य प्रदेश सरकार और सीएम योगी के मार्गदर्शन में किए जा रहे हैं, वह अभूतपूर्व हैं। बहुत अच्छी व्यवस्था की जा रही है। क्षेत्र का विस्तार भी खूब हो रहा है। सभी विभागों के कर्मचारी और अधिकारी अच्छा काम कर रहे हैं। इसके लिए सीएम योगी का साधुवाद है। हम उनके प्रति भी मंगलकामना करते हैं।

सांस्कृतिक पुनर्जागरण का श्रेय पीएम और सीएम को

अयोध्या में राम मंदिर का निर्माण, काशी में विश्वनाथ कॉरिडोर, विंध्य कॉरिडोर समेत उत्तर प्रदेश और देश में धार्मिक स्थलों के विकास के लिए उन्होंने प्रधानमंत्री मोदी और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का आभार जताया। उन्होंने कहा कि पीएम और सीएम के नेतृत्व में देश सांस्कृतिक पुनर्जागरण की ओर बढ़ रहा है। मोदी और योगी हिंदू संस्कृति और संस्कार के प्रति निष्ठावान हैं। उनका प्रयास है कि हिंदु संस्कृति की जागृति हो, सभी लोग वैदिक सनातन धर्म के अंतर्गत अपने समाज, अपने राष्ट्र, अपने धर्म, अपने धर्म क्षेत्र की उन्नति में प्रयत्नशील हों। इसके दूरगामी परिणाम देखने को मिलेंगे। आज सनातन धर्मावलंबी जाग्रत हुए हैं और अपनी संस्कृति को लेकर उनमें जागरूकता आई है। इसके लिए पीएम और सीएम को श्रेय दिया जाना चाहिए।

***समाज को बांटने वालों से अलग रहना चाहिए**

संभल के विषय पर उन्होंने कहा कि हम चाहेंगे कि सभी दबे, छिपे मंदिरों का पुनरोद्धार हो और सभी चीजें समाज के सामने आएं और उसका लाभ समाज को मिले। सुप्रीम कोर्ट में प्लेसेज ऑफ वर्शिप एक्ट पर उन्होंने कहा कि सुप्रीम कोर्ट का जो भी निर्णय होगा, सभी को मानना चाहिए। सीएम योगी और पीएम मोदी के एक रहेंगे तो सेफ रहेंगे नारे पर उन्होंने कहा कि

सबको एकजुट होना चाहिए। सभी भारतीय हैं, भारतीय संस्कृति से संबद्ध हैं। सबको मिलकर एक साथ रहना चाहिए। समाज को बांटने वाले लोगों से हमें अलग रहना चाहिए। महाकुम्भ पर उन्होंने कहा कि पूरे देश और दुनिया के लोग यहां पर आएंगे। सभी को संगम स्नान का पुण्य मिलेगा और उनकी मनोकामना पूर्ण होगी।

एडीजे स्तर के अधिकारी से न्यायिक विवेक की अपेक्षा

प्रयागराज। इलाहाबाद हाई कोर्ट ने कहा है कि अतिरिक्त जिला और सत्र न्यायाधीश (एडीजे) स्तर के न्यायिक अधिकारी से यह अपेक्षा की जाती है कि वह किसी निष्कर्ष पर पहुंचने से पहले न केवल अपना न्यायिक विवेक लगाएंगे वरन पक्षों के तर्कों को भी सुनेंगे। इस टिप्पणी के साथ न्यायमूर्ति अजित कुमार ने संविधान के अनुच्छेद 227 के तहत दायर कानपुर निवासी मुन्नी देवी की याचिका स्वीकार करते हुए प्रकरण में नए सिरे से आदेश पारित करने का निर्देश एडीजे-16 कानपुर नगर को वापस कर दिया है। यह मामला मकान किराये से जुड़ा है। किरायेदार मुन्नीदेवी के खिलाफ मकान मालिक शशिकला ने लघु वाद न्यायालय में अपील की। लघु वाद न्यायालय में मुन्नी देवी के खिलाफ आदेश हुआ। इसे मुन्नी देवी ने एडीजे कोर्ट-16 में चुनौती दी। एडीजे अमित कुमार ने इस रिवीजन को यह कहते हुए खारिज कर दिया कि मैंने मुकदमे में कुछ भी नहीं पाया। वाद खारिज किए जाने योग्य है। इस फैसले को मुन्नी देवी ने हाई कोर्ट में चुनौती दी। वादी की तरफ से अधिवक्ता प्रखर टंडन ने बहस की। कोर्ट ने कहा- पुनरीक्षण को अपील के रूप में माना जाना चाहिए जहां अपील का उपाय विशेष रूप से उपलब्ध नहीं है। ऐसे मामलों में अतिरिक्त जिला एवं सत्र न्यायाधीश रैंक के न्यायाधीश से यह अपेक्षा की जाती है कि वह न केवल उठाए गए मुद्दों पर न्यायिक दिमाग का उपयोग करेंगे, बल्कि निष्कर्षों पर पहुंचने के लिए संबंधित पक्षों की ओर से दी गई दलीलों को भी बहुत सावधानी से सुनेंगे। न्यायमूर्ति अजित कुमार ने कहा- प्रत्येक न्यायाधीश, जिसे मामले में उठाए गए मुद्दे पर निर्णय देना है उसे न केवल संबंधित पक्षों की ओर से दिए गए तर्कों का उल्लेख करना आवश्यक है, बल्कि निष्कर्ष पर पहुंचने के लिए यह भी देखना है कि क्या निर्णय विधि सम्मत है अथवा नहीं। कानून या तथ्यों की कोई त्रुटि तो नहीं है। साक्ष्य के मूल्यांकन और विश्लेषण में ऐसी कौन से कमी है जिसे चुनौती दी गई है। कोर्ट ने रजिस्ट्रार जनरल को भी यह निर्देशित किया है कि वह सभी न्यायाधीशों तक आदेश प्रसारित कराएं।

कुम्भ रेल सेवा ऐप आने वाले लाखों श्रद्धालुओं को रेलवे से जुड़ी सभी जानकारी मिलेगी

–रेलवे दिव्य-भव्य के साथ डिजिटल कुम्भ के प्रयासरत

प्रयागराज। महाकुम्भ 2025 के दौरान श्रद्धालुओं के सुगम और आरामदायक सफर के लिए भारतीय रेलवे ने विशेष प्रबंध किए हैं। रेलवे की ये डिजिटल पहल यात्रियों के अनुभव को बेहतर बनाने और समय की बचत करने के उद्देश्य से की गई है।

कुम्भ रेल सेवा ऐप महाकुम्भ 2025 के दौरान श्रद्धालुओं का स्मार्ट साथी उत्तर मध्य रेलवे ने महाकुंभ 2025 के दौरान श्रद्धालुओं की यात्रा को आसान और सुरक्षित बनाने के लिए एक नई पहल शुरू की है कुम्भ रेल सेवा ऐप। इस ऐप का उद्देश्य महाकुंभ मेले में आने वाले लाखों श्रद्धालुओं को रेलवे से जुड़ी सभी जानकारी एक ही स्थान पर प्रदान करना है। यह ऐप यात्रियों के लिए एक महत्वपूर्ण डिजिटल संसाधन होगा, जो उनकी यात्रा को सुगम, सुरक्षित और सुविधाजनक बनाएगा।

कुम्भ रेल सेवा ऐप के माध्यम से यात्रियों को महाकुंभ से जुड़ी सारी आवश्यक जानकारी एक ही स्थान पर मिल सकेगी। इसमें ट्रेनों की समय-सारणी, टिकट बुकिंग, स्टेशन से मेला क्षेत्र तक पहुंचने के मार्ग, और रेलवे स्टेशनों पर उपलब्ध सुविधाओं की जानकारी शामिल होगी। इसके अलावा, ऐप और सांस्कृतिक स्थलों की जानकारी भी दी जाएगी, जिससे श्रद्धालु अपनी यात्रा की योजना बेहतर तरीके से बना सकेंगे।

आपातकालीन सेवाएं और सुरक्षा की व्यवस्था

महाकुंभ जैसे बड़े आयोजन में सुरक्षा और आपातकालीन सेवाएं अत्यंत महत्वपूर्ण होती हैं। इस ऐप में आपातकालीन संपर्क नंबरों की जानकारी भी उपलब्ध होगी, जिससे किसी भी आपात स्थिति में यात्री तुरंत सहायता प्राप्त कर सकेंगे। इसके अलावा, आरपीएफ द्वारा रेलवे स्टेशनों और मेला क्षेत्र में सुरक्षा व्यवस्था को लेकर यात्रियों को सभी आवश्यक जानकारी प्रदान की जाएगी, जिससे वे सुरक्षित रूप से अपनी यात्रा पूरी कर सकें।

बाक्स मे

विशेष सुविधाएं और डिजिटल टिकट बुकिंग

कुम्भ रेल सेवा ऐप में यात्रियों के लिए ट्रेन टिकट बुकिंग की सुविधा भी होगी, जिससे वे ऐप के माध्यम से सीधे टिकट बुक कर सकेंगे। यह सुविधा यात्रियों के लिए बहुत सहायक होगी, क्योंकि उन्हें अलग से काउंटर या वेबसाइट पर जाने की आवश्यकता नहीं पड़ेगी। इसके अलावा, ऐप में रेलवे स्टेशनों पर उपलब्ध विभिन्न सुविधाओं की जानकारी भी दी जाएगी, जैसे वेटिंग रूम, रेस्ट रूम, फूड स्टॉल्स, पीने के पानी की व्यवस्था और सफाई जैसी सुविधाएं।

हिंदी और अंग्रेजी में उपलब्ध जानकारी यात्रियों की सुविधा के लिए इस ऐप को हिंदी और अंग्रेजी दोनों भाषाओं में उपलब्ध कराया जाएगा, ताकि देश के विभिन्न हिस्सों से आने वाले श्रद्धालुओं को भाषा संबंधी कोई परेशानी न हो। इसके माध्यम से वे अपनी यात्रा को बेहतर तरीके से योजना बना सकेंगे और ऐप का पूरा लाभ उठा सकेंगे।

महाकुंभ से जुड़ी तस्वीरें और ऐतिहासिक जानकारी

इस ऐप में महाकुंभ से जुड़ी महत्वपूर्ण जानकारी और तस्वीरें भी उपलब्ध कराई जाएंगी। इसमें अतीत के महाकुंभ के फोटो गैलरी, महाकुंभ के इतिहास, आयोजनों और धार्मिक महत्व की जानकारी भी दी जाएगी। इससे श्रद्धालु महाकुंभ के धार्मिक और सांस्कृतिक महत्व को बेहतर समझ सकेंगे।

उत्तर मध्य रेलवे का यह प्रयास श्रद्धालुओं की यात्रा को आसान, सुरक्षित और आरामदायक बनाने में मदद करेगा। ह्यकुम्भ रेल सेवा ऐपह्न महाकुंभ 2025 के आयोजन को एक नया डिजिटल

दृष्टिकोण प्रदान करेगा, जिससे यात्रियों को पूरी यात्रा के दौरान आवश्यक जानकारी और सुविधाएं आसानी से मिल सकेंगी।

रकुंभ रेल सेवार वेब पोर्टल

उत्तर मध्य रेलवे ने महाकुंभ 2025 के आयोजन को सुविधाजनक और संगठित बनाने के लिए आज रकुंभ रेल सेवार वेब पोर्टल का शुभारंभ किया। यह पोर्टल श्रद्धालुओं को महाकुंभ मेले के दौरान यात्रा से जुड़ी सभी जरूरी जानकारी और सेवाओं तक आसान पहुंच प्रदान करेगा।

इलाहाबाद मेडिकल एसोसिएशन ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से की मुलाकात

इलाहाबाद मेडिकल एसोसिएशन के प्रतिनिधिमंडल ने 27 दिसंबर को पूर्व अध्यक्ष डॉ. सुजीत सिंह एवं सचिव डॉ. आशुतोष गुप्ता के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश के माननीय मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी से मुलाकात की। इस अवसर पर प्रतिनिधिमंडल ने छोटे अस्पतालों के रजिस्ट्रेशन को प्रत्येक वर्ष की बजाय प्रत्येक 5 वर्ष में किए जाने की मांग पूरी करने के लिए मुख्यमंत्री जी का आभार व्यक्त किया।

साथ ही, एसोसिएशन ने महानगरों में, जहां सरकार द्वारा सीवरेज ट्रीटमेंट प्लांट स्थापित किए गए हैं, छोटे अस्पतालों को एसपीसीबी (स्टेट पॉल्यूशन कंट्रोल बोर्ड) की अनिवार्यता से बाहर रखने की मांग रखी। इस पर मुख्यमंत्री ने सैद्धांतिक सहमति जताते हुए कहा कि इन अस्पतालों के लिए रळढ/एळढ की आवश्यकता नहीं है, और इस संदर्भ में शीघ्र आदेश जारी कर दिया जाएगा। इसके अलावा, आयुष्मान भारत योजना के क्रियान्वयन में आ रही समस्याओं के समाधान हेतु भी मुख्यमंत्री से प्रार्थना की गई। प्रतिनिधिमंडल ने माननीय मुख्यमंत्री जी को इलाहाबाद मेडिकल एसोसिएशन कन्वेंशन सेंटर, प्रयागराज में आमंत्रित करते हुए आग्रह किया कि वे चिकित्सकों के साथ संवाद बैठक के लिए समय देने की कृपा करें। मुख्यमंत्री जी ने 1 जनवरी के बाद समय निर्धारित करने का आश्वासन दिया। इस मुलाकात में पूर्व अध्यक्ष डॉ. कमल सिंह, संयुक्त सचिव डॉ. संतोष सिंह पटेल और आईटी सचिव डॉ. उत्सव सिंह शामिल रहे।

नगर निकाय क्षेत्र के विकास कार्यों को लेकर जन प्रतिनिधि की अहम भूमिका पार्षद

सोरांव प्रयागराज नगर निकाय क्षेत्र के वार्ड नंबर 10 गोहरी के युवा भाजपा पार्षद सूबेदार भारतीया द्वारा वार्ड के विकास कार्यों को लेकर एक अहम भूमिका निभाई जा रही है जिसकी चर्चाएं हर समुदायों के लोगों में व्याप्त है जानकारी के अनुसार वार्ड नंबर 10 गोहरी के विकास कार्यों की पहचान को लेकर देखा जाए तो भाजपा युवा पार्षद सूबेदार भारतीया द्वारा नए-नए विकास कार्यों को लेकर संचालन किया जा रहा है बता दें कि वार्ड के आजाद का पूरा रामपुर प्रेम नगर व कोरसंड में सीसी रोड एवं नाली का निर्माण की रूपरेखा तैयार की जा रही है जिसे लेकर लोगों को एक दशक से बेसब्री से इंतजार रहा इसी क्रम में पूरे वार्ड में पानी का संचयन इंटरलॉकिंग सीसी रोड शौचालय आवास को लेकर विकास कार्यों का विकास लोगों के लिए प्रतिबिंब साबित हो रहा है गौरतलब है कि विकास कार्यों को लेकर पार्षद द्वारा कहा गया कि जनप्रतिनिधि द्वारा हमेशा लोगों की समस्याओं को सुना जाए और उसे सुलझाने में हर संभव मदद की जाए जिससे लोकतंत्र में विकास कार्य का संतुलन एवं नियंत्रण बनाकर कार्य सुनिश्चित किया जाए जहां जनप्रतिनिधि के माध्यम से ही लोकतंत्र में जनता की भागीदारी सुनिश्चित होती है जहां जनता की भागीदारी को लेकर मेरी पहली प्राथमिकता है जिसे लेकर हमारी सकारात्मक सोच का साझा हर समुदायों के लोगों से किया जाएगा और विकास को चरम पर पहुंचाया जाएगा इस मौके पर दशरथ पासी रंजीत पासी विकास पप्पू धर्मेंद्र कुमार सहित इत्यादि लोग मौजूद रहे

महाकुम्भ में कॉटेज टेन्ट होटल की बुकिंग हेतु फर्जी वेबसाइट बनाकर साइबर ठगी करने वाले चार ठग गिरफ्तार

–साइबर क्राइम थाने की टीम ने पायी सफलता

प्रयागराज। जनपद प्रयागराज में आयोजित महाकुम्भ में कॉटेज/टेन्ट/होटल आदि की बुकिंग हेतु फर्जी वेबसाइट बनाकर साइबर ठगी करने वाले गिरोह के 4 अभियुक्त साइबर क्राइम थाना पुलिस टीम द्वारा गिरफ्तार कर कब्जे से 3 लैपटॉप, 6 एन्ड्रायड/एप्पल मोबाइल फोन व 6 ए0टी0एम0 कार्ड बरामद

महाकुंभ के नाम पर फर्जी वेबसाइट बनाकर ठगी करने वाले गिरोह का शुक्रवार को प्रयागराज साइबर पुलिस ने पूरे मामले का खुलासा किया है और इस मामले में लाखों की ठगी करने वाले चार आरोपियों को गिरफ्तार करते हुए उनके पास से लैपटॉप मोबाइल और एटीएम कार्ड बरामद किया है

शुक्रवार को पुलिस लाइन में पत्रकार वार्ता में डीसीपी नगर ने लाखों की ठगी करने के मामला का खुलासा करते हुए बताया कि महाकुंभ के नाम पर फर्जी वेबसाइट बनाकर लाखों की ठगी करने वाले चाल ठगों को साइबर पुलिस ने गिरफ्तार किया है और यह लोग होटल कॉटेज और टेंट में बुकिंग के नाम पर लाखों की ठगी करते थे। जिनका साइबर पुलिस में खुलासा किया है और गिरफ्तार करके उनको जेल भेज दिया गया उनके पास से तीन लैपटॉप से मोबाइल 6 एटीएम कार्ड बरामद किया है सभी पुलिस ने आरोपीय के बैंक खातों से 20000 फीज कराए डीसीपी ने बताया कि 22 दिसंबर और 26 दिसंबर को चार मुकदमें दर्ज हुए थे महाकुंभ में कॉटेज होटल आदि की बुकिंग के लिए कुल 9 फर्जी वेबसाइट बनाकर स्नान व दर्शन आदि का आकर्षक प्रबोलन देकर श्रद्धालुओं से ठगी की जा रही थी जिसपर थाना प्रभारी राजीव तिवारी ने उनकी टीम आरक्षी अतुल त्रिवेदी, साइबर क्राइम थाना आरक्षी प्रदीप कुमार यादव, साइबर क्राइम थाना आरक्षी रूप सिंह, साइबर क्राइम थाना आरक्षी लोकेश पटेल, साइबर क्राइम थाना आरक्षी रणवीर सेंगर, साइबर क्राइम थाना आरक्षी अनुराग यादव साइबर क्राइम थाना ने महाकुम्भ में कॉटेज/टेन्ट/होटल आदि की बुकिंग के लिये विभिन्न फर्जी वेबसाइट बनाकर उन वेबसाइट्स पर प्रलोभन देकर महाकुम्भ में आने वाले तीर्थयात्रियों को गुमराह कर उनसे ऑनलाइन साइबर ठगी कर ली जाती थी।

गिरफ्तार अभियुक्तो मे पंकज कुमार पुत्र कुँवर प्रसाद निवासी ग्राम व पोस्ट चोरसुआ थाना गिरियक जनपद नालंदा बिहार, यश चौबे पुत्र आलोक कुमार चौबे निवासी ग्राम मुरीदपुर पोस्ट चौबेपुर थाना चौबेपुर जनपद वाराणसी, अंकित कुमार गुप्ता पुत्र आनंद कुमार गुप्ता निवासी छीतमपुर कादीपुर पोस्ट चौबेपुर थाना चौबेपुर जनपद वाराणसी अमन कुमार पुत्र शिव सहाय निवासी लसड़ा खुर्द, ठेकमा, थाना बर्दा जनपद आजमगढ़ है।

गुम हुई 3 वर्षीय बच्ची को कुछ ही घंटे में पुलिस ने किया सकुशल बरामद

घर के बाहर खेलने के दौरान गुम हो गई थी वह बच्ची

भदोही। स्थानीय कोतवाली पुलिस की तत्परता से शुक्रवार को गुम हुई 3 वर्षीय बच्ची को कुछ ही घंटे में सकुशल बरामद कर लिया गया। घर के बाहर खेलने के दौरान गुम हुई बच्ची को सकुशल ढूंढकर पुलिस ने परिजनों के सुपुर्द कर दिया। परिजनों ने पुलिस का हृदय से आभार जताया।

आज अपराह्न के समय पीड़ित मो.आसिफ पुत्र स्व.मुस्तफा निवासी मामदेवपुर कॉलोनी कोतवाली भदोही द्वारा पुलिस को सूचना दी गई कि कल 26 दिसंबर को दोपहर 3रू00 बजे उनकी 3 वर्षीय पुत्री घर के बाहर खेल रही थी। जो खेलने के बाद घर वापस नहीं आई।

मां बाप के साथ बच्ची

घर के अगल-बगल व अपने रिश्तेदारों में काफी खोजबीन करने के बाद भी नहीं मिली। उक्त सूचना पर स्थानीय पुलिस द्वारा तत्समय ही सुसंगत धाराओं में अभियोग पंजीकृत कर त्वरित कार्रवाई करते हुए रास्ते में लगे सीसीटीवी फुटेज की मदद से बच्ची की तलाश करते हुए अथक प्रयास कर गुम हुए बच्ची को कुछ ही घंटे में सकुशल बरामद कर परिजनों को सुपुर्द कर दिया।

परिजनों द्वारा भदोही पुलिस के मानवतापूर्ण कार्य की भूरि-भूरि प्रशंसा करते हुए हृदय से धन्यवाद किया गया।

एमएलसी एवं संसदीय अध्ययन समिति के सभापति को पीएचडी की उपाधि से सम्मानित किया गया

सोरांव प्रयागराज उत्तर प्रदेश विधान परिषद सदस्य व संसदीय अध्ययन समिति के सभापति सुरेंद्र चौधरी को पीएचडी की उपाधि से सम्मानित किया गया यह उपाधि इंटीग्रेटेड ग्लोबल यूनिवर्सिटी नई दिल्ली द्वारा दी गई जिसकी जानकारी उनके निजी सचिव एडवोकेट अनुपम शुक्ला द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार विधान परिषद सदस्य व संसदीय अध्ययन समिति के सभापति को पीएचडी की उपाधि से सम्मानित किए जाने से भाजपा पदाधिकारी एवं कार्यकताओं में खुशी की लहर दौड़ पड़ी बता दें कि उनके गाजियाबाद प्रतिनिधि व भाजपा नेतासहित सैकड़ो समर्थकों शुभचिंतकों एवं मित्रगणों द्वारा बधाई देने का तांता लगा रहा उल्लेखनीय कि उनके राजनेता होने के साथ-साथ अपनी शिक्षा दीक्षा एवं सामाजिक कार्यों को लेकर एक दशक से उनका समर्पण भाव एवं निष्ठा को लेकर उन्हें हमेशा सम्मान मिला है गौरतलब है कि पीएचडी की उपाधि हासिल करने के उपरांत ही विधान परिषद सदस्य व संसदीय अध्ययन समिति के सभापति को सुरेंद्र चौधरी के नाम से नहीं अब उन्हें डॉक्टर सुरेंद्र चौधरी के नाम से ही जाना एवं पहचान जाएगा जिसे लेकर उनके द्वारा सरकार सहित सभी क्षेत्रवासियों ग्राम वासियों शुभचिंतकों एवं मित्रगणों सहृदयता पूर्वक आभार व्यक्त किया गया एवं धन्यवाद ज्ञापित किया गया

पांच लीटर शराब के साथ एक गिरफ़्तार

मऊआइमा प्रयागराज। पांच लीटर कच्ची शराब के साथ पुलिस ने एक दबोचा को दबोचा कर मुकदमा दर्ज कर लिया है।

मऊआइमा पुलिस ने ग्राम ऊंचडीह निवासी प्यारेलाल को गिरफ्तार कर उसके पास से पांच लीटर कच्ची अवैध शराब बरामद कर मुकदमा दर्ज कर विधिक कार्यवाही की है।

राम जानकी मन्दिर के संस्थापक की मौत

मऊ आइमा प्रयागराज। बहरिया विकास खंड सोरांव क्षेत्र के हरिडीह गांव में में स्थित राम जानकी मन्दिर के संस्थापक रामबालक दास (सूखीडीह) का आकस्मिक निधन हो गया। इनके आकस्मिक निधन से श्रद्धालुओं एवं ग्रामीण लोगों में शोक व्याप्त है। उक्त जानकारी भक्त अभयराज पटेल ने दी।

रास्ते के विवाद में युवक का सिर फूटा मुकदमा दर्ज

मऊ आइमा प्रयागराज। बहरिया थाना क्षेत्र के वीरगंज निवासी सूर्य प्रकाश पुत्र राम सरन ने बहरिया थाने में लिखित प्रार्थना पत्र देते हुये मुदकमा दर्ज करवाया है कि रास्ते के विवाद को लेकर गुरुवार की सुबह परिवार के ही राजाराम पुत्र मंहगू, प्रमोद्र पुत्र राजाराम, मुकेश पुत्र राजाराम आदि लोगों ने मिलकर मुझे व मेरे पुत्र गंगा सागर व राजन को उक्त लोगों ने गाली गलौज करते हुये लाठी व डंडों से जमकर पीटा जिससे मेरे पुत्र गंगासागर को सिर फट गया पुलिस ने उक्त दबंगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज करके मामले की जांच शुरू कर दी हैं।

पूर्व प्रधानमंत्री के निधन पर हुई शोक सभा

मऊ आइमा प्रयागराज। भारत के पूर्व प्रधानमंत्री डाक्टर मनमोहन सिंह के निधन पर शुक्रवार को विकास खंड बहरिया के मुख्यालय के प्रांगण मे सहायक विकास अधिकारी पंचायत अनिल कुमार पाल के नेतृत्व में एक शोक सभा आयोजित हुई जिसमें मृत आत्मा के शांति के लिये दो मिनट का मौन रख कर श्रद्धांजलि दी गई इस मौके पर जेई आर एस गजेन्द्र गुप्ता, एडियो एसटी रविकांत त्रिपाठी, बृजेन्द्र श्रीवास्तव, लव मिश्रा, ग्राम पंचायत अधिकारी प्रीती यादव सीएम फेलो डाक्टर अर्चना, राजेश पटेल, मुनीश तिवारी, अरुण कुशवाहा आदि लोग रहे।

गुंडा एक्ट के तहत आधा दर्जन अभियुक्त हुए जिला बदर

ज्ञानपुर, भदोही। पुलिस अधीक्षक डा0 मीनाक्षी कात्यायन के कुशल निर्देशन में जनपद में चुस्त दुरुस्त कानून व्यवस्था के दृष्टिगत जनपदीय पुलिस द्वारा शातिर, मनबढ व अभ्यस्त अपराधियों के विरुद्ध लगातार प्रभावी कार्यवाही सुनिश्चित की जा रही है। जनपद के थाना भदोही से 05 व थाना औराई से 01 विभिन्न आपराधिक गतिविधियों में संलिप्त रहते हुए हत्या के प्रयास, लूट, डकैती, दुष्कर्म, छेड़खानी, आमजन के साथ मारपीट, गाली-गलौज, धमकी देने, व चोरी जैसे अपराधों के द्वारा सामान्य जनता में भय एवं आतंक व्याप्त कर गुण्डागर्दी करने वाले कुल-06 अभ्यस्त अभियुक्तों- चंद्रकांत राय उर्फ चंदू पुत्र बाबूनाथ राय निवासी मुंसी जईकापुर थाना व जनपद भदोही, राहुल पुत्र छोटेलाल निवासी जाहिदपुर थाना भदोही, धीरज दुबे पुत्र राजमणि दुबे निवासी सराय क्षत्रशाह थाना भदोही, विजय पाण्डेय पुत्र अमरनाथ पाण्डेय उर्फ गिलारी निवासी ग्राम बढ़ौना उचेठा थाना भदोही, वैभव सिंह उर्फ बिट्टू सिंह पुत्र रणधीर सिंह निवासी नेवादाकला थाना भदोही, राजकुमार यादव पुत्र पुटई यादव निवासी तिलंगरा, थाना औराई जनपद भदोही के विरुद्ध स्थानीय पुलिस की प्रभावी पैरवी के फलस्वरुप कुंवर वीरेंद्र मौर्य अपर जिला मजिस्ट्रेट भदोही द्वारा यू0पी0 गुण्डा नियंत्रण अधिनियम के तहत 06 माह के लिए जिला बदर घोषित किया गया है।

चाय-पान की दुकान में चोरी के बाद चोरों ने लगा दी आग

चोरी और आग के कारण दो हजार नगद, हजारों रुपए के सामान का हुआ नुकसान

दुकान पर आग के बाद लगी भीड़

महराजगंज, भदोही। थाना क्षेत्र के कोठरा गांव में मिजार्पुर बाईपास पर स्थित एक चाय-पान की दुकान में गुरुवार को चोरों ने ने सिर्फ चोरी की बल्कि जाते-जाते दुकान में आग भी लगा दिया। जिसमें दो हजार नगद के साथ हजारों रुपए के सामानों की चोरी हुई। वहीं आग से भी हजारों रुपए के सामान का नुकसान होना बताया जा रहा है।

उक्त स्थान पर कोठरा गांव निवासी मोहनलाल यादव की चाय-पान की दुकान है। गुरुवार की रात वें दुकान बंद कर घर चले गए। रात के समय चोर दुकान के पिछले हिस्से में सेंधमारी कर अंदर घुस गए। जहां से दो हजार रुपए नगद, उसमें रखा सामान चुरा ले गए। जाते-जाते चोरों ने दुकान में आग लगा दी। जिसमें रखा दो चैकी, करीब दो दर्जन कुर्सी, दुकान में रखा जनरल आइटम और सीमेंटेड शेड सभी जलकर उसमें नष्ट हो गया। इसकी जानकारी सुबह के समय गांव के लोगों द्वारा मोहनलाल को दी गई।

सूचना मिलते ही वें भागते हुए दुकान पर पहुंचे। तब तक अंदर रखा सामान जल ही रहा था। पीड़ित के द्वारा तत्काल इसकी सूचना औराई थाना की पुलिस के साथ ही साथ फायर ब्रिगेड को दी गई। सूचना मिलते ही औराई थाना की पुलिस के साथ ही फायर ब्रिगेड की टीम भी मौके पर पहुंच गई। दमकलकर्मी आग पर काबू पाने के लिए पानी का बौछार मारते रहें। हालांकि आग पर तो काबू पा लिया गया। लेकिन तब तक हजारों का सामान जलकर खाक हो गया था। पीड़ित अपने दुकान को देख फूट-फूटकर रोने लगा। क्योंकि उसके परिवार के जीविका का वही एक मात्र सहारा था।

एसओजी नागर और सर्विलेंस सेल की संयुक्त ने दो स्नेचर गिरफ्तार

प्रयागराज। थाना धूमनगंज के एसओजी नागर और सर्विलेंस सेल की संयुक्त टीम ने शुक्रवार को दो चैन स्नेचिंग के ग्रुप के दो साथी बदमाश को गिरफ्तार किया है आरोपियों के पास से नगदी जेवरात 2 बाइक तमंचा और तीन का दोस्त बरामद हुए दोनों आरोपियों पर प्रयागराज हुआ वाराणसी में दर्जनों मुकदमे दर्ज हैं जिसको लेकर शुक्रवार को डीसीपी नगर अभिषेक भारती ने खुलासा करते हुए पत्रकारों को बताया कि धूमनगण थाने में 1 महीने के अंदर स्नेचिंग की घटना हुई थी जिसमें पुलिस मामला दर्ज कर स्नेचर की तलाश कर रही थी पुलिस बदमाशों की गिरफ्ताई में इसी बीच शुक्रवार को की सूचना पर कोदरा गांव के समीप आरोपी संतोष रावत निवासी गयासुद्दीन पुर थाना धूमनगंज वह हाल पता गदोपुर थाना फाफामऊ और दीपक भारती निवासी हरवाड़ा थाना धूमनगंज हाल पता को गिरफ्तार का जेल भेज दिया गया

वीर बालकों का बलिदान नहीं भूलेगा हिंदुस्तान

चैरी, भदोही। भारतीय इंटर मीडिएट कॉलेज परसीपुर के प्रांगण में वीर बाल दिवस का आयोजन किया गया। इस अवसर पर राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ भदोही के स्वयं सेवक उपस्थित थे। वही प्रधानाचार्य अजय कुमार पांडेय ने अपने उद्बोधन में कहा कि सिक्खों के दसवें गुरु गोविंद सिंह जी के युवा पुत्रों के त्याग बलिदान के विषय में विस्तृत परिचर्चा गई। साथ ही उपस्थित छात्र छात्राओं ने भी गुरु गोविंद सिंह के पत्नी और बच्चों की वीरता का इतिहास में, स्वर्णिम अक्षरों में है। वही वीरता त्याग और बलिदान की कहानियां आज के पाठ्यक्रम में संचालित हो रही है। कहा कि वीर बालकों का बलिदान नहीं भूलेगा हिंदुस्तान। इस अवसर पर वरिष्ठ भाजपा नेता प्रिय कुमार श्रीवास्तव ने कहा कि बाल दिवस का मुख्य उद्देश्य बच्चों की अधिकारों की रक्षा करना, उन्हें सुरक्षित वातावरण देना और उनके अधिकारो के प्रति समाज में जिम्मेदारी को भी बढ़ावा देने का प्रतीक है। इस अवसर पर भाजपा नेता शिव शंकर यादव, डॉ. अजय कुमार पांडेय, प्रिय कुमार श्रीवास्तव, रामनारायण, राकेश दुबे, गौरव राय, विश्वदीप दुबे, विद्याकांत मिश्र, दीनानाथ, राकेश मिश्र, अवदेश आजाद आदि उपस्थित थे।

प्रयागराज विकास प्राधिकरण, प्रयागराज

(आवश्यक सूचना)

एतद्द्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि इम्प्रूवमेन्ट ट्रस्ट, इलाहाबाद द्वारा कटरा हाऊसिंग स्कीम के अन्तर्गत भूखण्ड सं०-VII जिसका क्षेत्रफल 7539 वर्गगज को रजिस्टर्ड विक्रय विलेख दिनांक-12-03-1936 के माध्यम से श्री प्रशान्त रतन धर पुत्र स्व० प्रसन्न कुमार धर के पक्ष में विक्रय किया गया था। श्री प्रशान्त रतन धर पुत्र स्व० प्रसन्न कुमार धर द्वारा कटरा हाऊसिंग स्कीम के अन्तर्गत भूखण्ड सं०-VII के जुजभाग क्षेत्रफल 374.66 वर्गगज को रजिस्टर्ड विक्रय विलेख दिनांक-05.08.1971 के माध्यम से श्रीमती आशा वर्मा पत्नी मेजर जगदीश चन्द्र वर्मा एवं मेजर सरेश चन्द्र वर्मा पुत्र श्री शिव प्रसाद वर्मा के पक्ष में विक्रय कर दिया गया। श्रीमती आशा वर्मा पत्नी मेजर जगदीश चन्द्र वर्मा एवं मेजर सुरेश चन्द्र वर्मा पुत्र श्री शिव प्रसाद वर्मा द्वारा कटरा हाऊसिंग स्कीम के अन्तर्गत भूखण्ड सं०-VII के जुजभाग क्षेत्रफल 374.66 वर्गगज को रजिस्टर्ड विक्रय विलेख दिनांक 11.03.1988 के माध्यम से श्री सुनीत कुमार पुत्र श्री जयशंकर, श्री विनीत कुमार पुत्र श्री जयशंकर, श्रीमती कृष्णा श्रीवास्तव पत्नी स्व० ब्रदी प्रसाद श्रीवास्तव की मृत्यु दिनांक-23.03.2005 को हो गयी एवं श्री बद्री प्रसाद श्रीवास्तव की मृत्यु दिनांक-15-08-1971 को हो चुकी है। श्रीमती कृष्णा श्रीवास्तव अपने जीवनकाल में एक रजिस्टर्ड वसीयत दिनांक 14-09-2001 को निष्पादित की गयी। उक्त वसीयत के अनुसार उक्त कटरा हाऊसिंग स्कीम के अन्तर्गत भूखण्ड सं०-VII के जुजभाग क्षेत्रफल 374.66 वर्गगज का 1/2 भाग 187.33 वर्गगज पर काबिज एवं दाखिल चले आ रहे है। अभिलेखानुसार कटरा हाऊसिंग स्कीम के अन्तर्गत भूखण्ड सं०-VII के जुजभाग क्षेत्रफल 374.66 वर्गगज का 1/2 भाग 187.33 वर्गगज को री गिरीश चन्द्रा पुत्र स्व० बद्री प्रसाद श्रीवास्तव के पक्ष में प्रयागराज विकास प्राधिकरण प्रयागराज द्वारा नियमानुसार ऑनलाइन नामान्तरण-पत्र- दिनांक-30.07.2024 को निर्गत कर दिया गया। श्री गिरीश चन्द्रा पुत्र स्व० बद्री प्रसाद श्रीवास्तव द्वारा कटरा हाऊसिंग स्कीम के अन्तर्गत फ्री-होल्ड भूखण्ड सं०-VII के जुजभाग क्षेत्रफल 187.33 वर्गगज यानी 156.12 वर्गमीटर पर नामान्तरण किये जाने हेतु ऑनलाइन प्रत्यावेदन प्रस्तुत किया गया है, जो इस कार्यालय में विचाराधीन है। इस सम्बन्ध में यदि किसी को कोई विधिक आपत्ति हो तो विज्ञापन प्रकाशित होने के 15 दिन के अन्दर विहित सम्पत्ति में अपना हित स्पष्ट करते हुए अभिलेखीय साक्ष्यों सहित अपनी लिखित आपत्ति अधोहस्ताक्षरी के कार्यालय में प्रस्तुत कर सकता है। निर्धारित अवधि तक कोई आपत्ति प्राप्त न होने की स्थिति में यह मानते हुए कि उक्त नामान्तरण से किसी को कोई आपत्ति नहीं है, नियमानुसार प्राधिकरण के नियम/शर्तो के आधार पर कटरा हाऊसिंग स्कीम के अन्तर्गत फ्री-होल्ड भूखण्ड सं०-VII के जुजभाग क्षेत्रफल 187.33 वर्गगज यानी 156.12 वर्गमीटर पर सुश्री श्रेया सरोज पुत्री श्री जगदीश प्रसाद सरोज का नाम प्राधिकरण अभिलेखों में दर्ज कर दिया जायेगा।

प्र०अधि०इम्प्रूवमेन्ट ट्रस्ट
प्रयागराज विकास प्राधिकरण
प्रयागराज

पत्रांक -272/ज0स0अ0/वि0प्रा0/2024-25
दिनांक 27.12.2024

टेउंगा, बडनपुर व जहनईपुर में बनेगी आवासीय योजना

स्वतंत्र चेतना

प्रतापगढ़। जिले में नई आवासीय योजना के लिए बड़ी पहल की गई है। अपर आवास आयुक्त एवं सचिव डॉ.

▶▶ खर्च किये जाएंगे 940 करोड़

नीरज शुक्ला ने बताया कि तहसील सदर के ग्राम टेउंगा, बडनपुर और जहनईपुर में आवास विकास परिषद द्वारा भूमि अधिग्रहण और योजना के विकास पर कुल 940 करोड़ रुपये खर्च किए जाएंगे।

आवासीय योजना के लिए भूमि अधिग्रहण तीन प्रकार से किया जाएगा। पहला आपसी समझौते से, दूसरा लैंड पुलिंग प्रक्रिया से और तीसरा कानूनी अधिग्रहण से। डॉ. शुक्ला ने बताया कि इस प्रक्रिया को पूरा करने में लगभग दो साल लगेंगे। भूमि अधिग्रहण के बाद प्लाटिंग और अन्य विकास कार्य शुरू किए जाएंगे। योजना को पूरी तरह से लागू करने में चार साल का समय लग सकता है। भूमि अधिग्रहण के लिए 115.72 करोड़ और विकास कार्य के लिए 824.24 करोड़ व्यय किया जाएगा। भूमि अधिग्रहण प्रक्रिया को सुचारू रूप से संचालित करने के लिए एक सेवानिवृत्त डिप्टी कलक्टर को एक साल के लिए मानदेय पर नियुक्त किया जाएगा। इसके अलावा, एक कानूनगो, एक लेखपाल और एक कंप्यूटर ऑपरेटर की नियुक्ति का प्रस्ताव भी बोर्ड बैठक में पारित किया गया है। यह आवासीय योजना नगर पालिका परिषद की सीमा से सटे क्षेत्रों में विकसित की जाएगी, जिससे आसपास के लोगों को बेहतर आवासीय सुविधाएं उपलब्ध हो सकेंगी। इस योजना के तहत विकसित की जाने वाली जमीन पर प्लॉट और अन्य आवासीय सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएंगी, जिससे स्थानीय निवासियों और नए आवास खरीदने वालों को फायदा होगा। बता दें कि जिले में यह आवासीय योजना शहर के विकास की दिशा में एक बड़ा कदम साबित होगी। आवास विकास परिषद की यह योजना न केवल क्षेत्रीय विकास को गति देगी, बल्कि स्थानीय लोगों के लिए रोजगार और बेहतर जीवन स्तर के अवसर भी प्रदान करेगी।

आवासीय योजना का तैयार कम्प्यूटराइज्ड माडल

जिलाधिकारी ने वीवीपैट वेयरहाउस का किया निरीक्षण

वेयरहाउस का निरीक्षण करते डीएम संजीव रंजन

स्वतंत्र चेतना

प्रतापगढ़। भारत निर्वाचन आयोग के निदेर्शों के क्रम में जिला निर्वाचन अधिकारी/जिलाधिकारी संजीव रंजन ने अपर जिलाधिकारी (वि0/रा0) त्रिभुवन विश्वकर्मा के साथ पूरेकेशवराय स्थित वीवीपैट वेयर हाउस का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी ने गोदाम में रखी गयी वीवीपैट मशीनों का अवलोकन किया और जानकारी ली एवं आवश्यक दिशा निर्देश दिये। उन्होने निर्देशित किया कि भारत निर्वाचन आयोग के दिशा निदेर्शों का अनुपालन सुनिश्चित करायें। उन्होने वीवीपैट वेयरहाउस में रखी अन्यत्र वस्तुओं को हटाने के निर्देश दिया और सुरक्षा कर्मियों को निर्देशित किया गया कि वीवीपैट वेयरहाउस की निगरानी मुस्तैदी के साथ करते रहे। जिलाधिकारी ने अपने समक्ष वीवीपैट वेयरहाउस में सील लॉक कराया। इस दौरान उपजिलाधिकारी जितेन्द्र पाल व अन्य सम्बन्धित अधिकारी उपस्थित रहे।

परीक्षा कक्ष का निरीक्षण करते शिक्षकगण

महाविद्यालय में कड़ाई के चलते बीए के परीक्षार्थियों ने छोड़ी परीक्षा

स्वतंत्र चेतना

परियावां, प्रतापगढ़। जिले के वैष्णो देवी प्रशिक्षण महाविद्यालय गोदाही में चल रही बीए एमए विषय की सेमेस्टर 2024-25 में एक दर्जन छात्र-छात्राओं ने कड़ाई के चलते परीक्षा छोड़ दिया। प्रोफेसर राजेंद्र सिंह उर्फ रज्जू भैया विश्वविद्यालय प्रयागराज के वैष्णो देवी प्रशिक्षण महाविद्यालय में शुक्रवार को प्रथम पाली में बीए शिक्षा शास्त्र में 219 व एमए में 68 परीक्षार्थियों ने परीक्षा में भाग लिया जिसमें दोनों विषयों में एक दर्जन परीक्षार्थियों ने कड़ाई के चलते परीक्षा केंद्र में उपस्थित नहीं रहे। द्वितीय पाली संस्कृत विषय की परीक्षा में बीए के 49 एवं एमए के 10 परीक्षार्थी परीक्षा में शामिल रहे। केंद्राध्यक्ष लालमणि देवी ने बताया कि विषम सेमेस्टर परीक्षा 2024-25 में महाविद्यालय के गेट पर ही सघन चेकिंग अभियान चलाकर छात्रों को विद्यालय के अंदर प्रवेश किया जाता है जिसमें चेकिंग स्टाफ डा० धर्मेंद्र सिंह, डा० अनिल कुमार सिंह, उमेश धर द्विवेदी, दिनेश कुमार यादव आदि प्राध्यापक मौजूद रहे। परीक्षा केंद्र में अनुपस्थित परीक्षार्थियों की तरफ से कालेज प्रशासन को कोई प्रार्थना पत्र नहीं दिया गया।

डॉ मनमोहन सिंह के निधन पर कांग्रेसियों ने दी श्रद्धांजलि

इंदिरा भवन कार्यालय पर दो मिनट का मौन रखकर जताया शोक

डॉ मनमोहन सिंह के निधन पर शोक जताते कांग्रेसीगण

स्वतंत्र चेतना

प्रतापगढ़। जिला कांग्रेस कार्यालय पर महान अर्थशास्त्री, पूर्व प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह के निधन पर निवर्तमान जिला अध्यक्ष डॉ नीरज त्रिपाठी के नेतृत्व में उनके चित्र पर माल्यार्पण कर दो मिनट का मौन रखकर भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की गई।

इस अवसर पर कांग्रेस जिला अध्यक्ष डॉ नीरज त्रिपाठी ने कहा कि आज हम ऐसे महान व्यक्तित्व का शोक सभा कर रहे हैं जिनके राज में रुपया 30 का दिहाड़ी मजदूर 300 की मजदूरी तक पहुंचा, जब पूरा विश्व आर्थिक मंदी की चपेट में था और देश का 47 टन सोना गिरवी था तब भी हमारे देश पर मंदी का प्रभाव नहीं पड़ा।

नगर अध्यक्ष इरफान अली ने कहा कि ऐसे महान व्यक्तित्व के जाने से जो रिक्तता देश की राजनीति और कांग्रेस की राजनीति में हुई है उसकी भरपाई नहीं की जा सकती। पी.सी.सी सदस्य डॉ प्रशांत देव शुक्ला ने कहा कि हम जनपद प्रतापगढ़ के कांग्रेस जन अपनी भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए ईश्वर से प्रार्थना करते हैं कि अपने श्री चरणों में स्थान दें और परिवार जनों को सहनशीलता प्रदान करें। श्रद्धांजलि सभा में मुख्य रूप से वेदान्त तिवारी, कांग्रेस सेवादल के जिला अध्यक्ष महेन्द्र शुक्ला, प्रदीप द्विवेदी, कांग्रेस विधि प्रकोष्ठ के जिला अध्यक्ष मकरंद शुक्ला, महिला कांग्रेस की जिला अध्यक्ष सरोज कश्यप, यूथ कांग्रेस के जिला अध्यक्ष नफीस खान, एनएसयूआई के जिला अध्यक्ष शुभम मिश्रा, अरबाज आलम, राम रतन तिवारी, रानी देवी, अभय किशोर त्रिपाठी, चन्द्रनाथ शुक्ला, अवधराज यादव, मुन्ना यादव, सलमान खान, बेलाल अहमद, प्रेम नाथ शुक्ला, सुधीर तिवारी, सत्य प्रकाश श्रीवास्तव, अब्दुल रहमान, विश्वास सिंह, श्याम शंकर तिवारी, अश्वनी उपाध्याय, शहजाद अहमद, मो. इदरीसी, संदीप सिंह, रामधन यादव, दिनेश तिवारी, अजीत शुक्ला, रवि प्रताप सिंह आदि मुख्य रूप से उपस्थित रहे।

महान अर्थशास्त्री थे डॉ मनमोहन सिंह: बृजेन्द्र मिश्र

प्रतापगढ़। पूर्व प्रधानमंत्री स्व0 मनमोहन सिंह के निधन पर रानीगंज में एक शोक सभा हुई जिसकी अध्यक्षता उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी के सचिव एवं जिला कांग्रेस कमेटी के पूर्व अध्यक्ष बृजेन्द्र मिश्र ने किया। शोक सभा मे श्री मिश्र ने कहा कि महान अर्थशास्त्री और भारत के पूर्व प्रधानमंत्री डॉ मनमोहन सिंह का निधन एक अपूर्णीय क्षति है। विद्वता और सूझ-बूझ से दशकों जनसेवा करने वाले एक तपस्वी की तरह थे। सभा का संचालन जिला कांग्रेस कमेटी निवर्तमान महासचिव विमल सिंह ने किया। इस मौके पर अनीसुद्दीन सिद्दीकी, संतोष शर्मा, अरविंद तिवारी, बन्ने मालिक, दिनेश मिश्र, राम कुमार पटेल, चरण सिंह यादव, बब्बू मिश्र, राकेश शुक्ल, बाबा हाशमी आदि सभी ने दो मिनट की शोक संवेदना जताई।

कंबल वितरण कार्यक्रम में पहुंचे एसपी

पट्टी, प्रतापगढ़। स्वर्गीय पंडित राज नारायण पांडे मेमोरियल चैरिटेबल ट्रस्ट द्वारा विगत वर्षों की भांति इस वर्ष भी शुक्रवार को कंबल वितरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। आयोजन में बतौर विशिष्ट अतिथि पहुंचे एसपी डॉ अनिल कुमार ने उपस्थित जनसमूह को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि इस ठंड में जरूरतमंदों को कंबल देना इससे बड़ा पुनीत कार्य कोई दूसरा हो ही नहीं सकता। ट्रस्ट के पदाधिकारी के प्रति एसपी ने आभार ज्ञापित किया। एसपी ने अपने हाथों से जरूरतमंदों को कंबल वितरित किया। दिन में करीब 1.30 बजे एसपी डॉक्टर अनिल कुमार पूरे बाबू गांव पहुंचे। वरुण पांडे उर्फ बंटी एडवोकेट व रविंद्र पांडे आगे बढ़कर उनका स्वागत किया। इस दौरान बद्री प्रसाद पांडे अशोक पांडे विनय पांडे वैभव पांडे विक्की पांडे आदि लोग कार्यक्रम को सकुशल संपन्न करने के लिए डटे रहे। इस दौरान मगरौरा ब्लाक प्रमुख नंदन सिंह पूर्व मंत्री के मीडिया प्रभारी विनोद पांडे रामराज इंटर कॉलेज के प्रधानाचार्य रमेश चंद्र मिश्रा सुरेंद्र पांडे उर्फ ललन समेत इलाके के तमाम गांड मारने लोग मौजूद रहे कंबल प्राप्त करने के लिए पट्टी तहसील क्षेत्र के कई गांव से लोग अपना कूपन लेकर कंबल प्राप्त करने के लिए पूरे बाबू गांव पहुंचते रहे।

नगर पालिका के अभियान में पहले दिन पकड़ा गया 500 ग्राम प्लास्टिक

स्वतंत्र चेतना

प्रतापगढ़। नगर पालिका द्वारा शहर में प्लास्टिक का उपयोग न करने की अपील के बाद दुकानदारों से प्लास्टिक का जब्तीकरण कर जुमार्ना ठोंकने की कार्यवाही की शुरूआत आज से कर दी

▶▶ 27 से 30 दिसम्बर तक चलेगा अभियान

गई है। प्लास्टिक प्रयोग के विरुद्ध अभियान शासन-प्रशासन के निर्देश पर 27 से लेकर 30 दिसम्बर तक चलेगा।

यह जानकारी देते हुए नगर पालिका के खाद्य एवं सफाई निरीक्षक संतोष कुमार सिंह ने बताया कि जिलाधिकारी संजीव रंजन एवं नगर पालिका के ईओ राकेश कुमार के निर्देश पर आज अम्बेडकर चैराहे से इसकी शुरूआत की गई। आज दोपहर में अम्बेडकर चैराहे के आसपास सफाई प्रभारी अजीत सरोज, राजेश, अरविन्द आदि ने तीन दुकानदारों से प्लास्टिक दान मांगा और न देने पर प्लास्टिक को जब्त कर उन पर जुमार्ना ठोंका गया। सफाई निरीक्षक ने आगे बताया कि 100 ग्राम प्लास्टिक मिलने पर एक हजार रुपये, इससे ज्यादा दो किलो तक पांच हजार रुपये, दो किलो से पांच किलो प्लास्टिक मिलने पर दस हजार रुपये चालान किया जाएगा। उन्होंने कहा कि पहले प्लास्टिक का दान मांगने पर दे देने पर कोई जुमार्ना नहीं लगाया जाता लेकिन न देने पर प्लास्टिक का जब्तीकरण कर जुमार्ना लगाने का प्रावधान किया गया है।

ठेलेवाले का जुमार्ना लगाते नगर पालिका कर्मी

लेखपाल को मैजिक चालक ने मारी टक्कर, घायल

पट्टी, प्रतापगढ़। तहसील मुख्यालय जा रहे बाईक सवार लेखपाल को मैजिक चालक ने जोरदार टक्कर मार दी। हालत गंभीर होने पर जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया। पट्टी तहसील क्षेत्र के बेहटा गांव निवासी महेंद्र पांडे जो की पट्टी तहसील में लेखपाल के पद पर कार्यरत हैं। शुक्रवार को दिन में एक बजे के आस-पास वह तहसील मुख्यालय आ रहे थे। अभी वह तरदहा पावर हाउस के पास पहुंचे थे कि मैजिक चालक में उन्हें जोरदार टक्कर मार दी, जिससे वह मौके पर गिरकर गंभीर रूप से घायल हो गए। आनन फानन में आस-पास के लोग उन्हें इलाज के लिए सीएचसी पट्टी ले गए। जहां से डॉक्टरो ने प्राथमिक उपचार कर हालत गंभीर होने के चलते समुचित उपचार के लिए जिला अस्पताल रेफर कर दिया है।

कुंभ मेला नागरिकों के स्वागत को रोटरी क्लब तैयार

स्वतंत्र चेतना

प्रतापगढ़। कुंभ मेला में आने और लौटने वाले नागरिकों के स्वागत और उनकी सेवा करने की तैयारी में जुटे रोटरी क्लब प्रतापगढ़ सेंट्रल ने शहर के प्रमुख चैराहे पर वेलकम बोर्ड लगवा रहा है। भीड़ में किसी को कोई दिक्कत आती है तो वो

▶▶ नगर के प्रमुख चैराहे पर लगाए गए दिशा बोर्ड

हेल्पलाइन नंबर पर फोन कर मदद मांग सकता है। क्लब के बोर्ड पर हेल्प लाइन नंबर लिखा है।

बोर्ड सोनावा, महुली रोड, श्रीराम बालिका इंटर कालेज, सुखपाल नगर तथा सीताराम धाम के निकट जोगापुर में लगाया गया है। इस बारे में क्लब के अध्यक्ष अश्विनी केसरवानी ने बताया कि बोर्ड लगवाने का उद्देश्य जिस भी दिशा से लोग आएं रोटरी परिवार उनका स्वागत एवं सहायता करने को तत्पर रहेगा। रो. डॉ. शिव मूर्ति लाल मौर्य, रो.डॉ.आलोक सक्सेना, रो. सरदार करमजीत सिंह रो. संदीप प्रकाश खरे, रो. डॉ घनश्याम अग्रवाल, रो.डॉ.प्रीति पाण्डेय, रो. उमेश प्रताप सिंह, रो. शरद केसरवानी रो. अख्तर मसूद शर्फुद्दीन का सहयोग रहा है।

दिशा बोर्ड के साथ रोटरी क्लब के पदाधिकारीगण

पुलिस ने स्टेशन की चेकिंग कर देखी हकीकत

प्रतापगढ़। महाकुंभ मेले की तैयारी के मद्देनजर रेलवे सुरक्षा बल और कोतवाली पुलिस की टीम ने संयुक्त निरीक्षण कर मां बेल्हा देवी धाम प्रतापगढ़ रेलवे स्टेशन का निरीक्षण कर प्लेटफार्म, गेट और परिसर का जायजा लिया। मातहतों को आवश्यक दिशा निर्देश भी दिया गया। पुलिस फोर्स ने स्टेशन पर आने वाली ट्रेनों की सूची देखी। बिजली, पानी के साथ साथ सुरक्षा के इंतजाम को परखा। भीड़ के आने और जाने के लिए मुख्य गेट, दिव्यांग गेट और पुल का स्थलीय निरीक्षण कर चाक चैबंद व्यवस्था की सूची तैयार की गई। इस दौरान कोतवाल अर्जुन, एएसई सीपी डूबे समेत कई पुलिस कर्मी मौजूद थे।

पांच वांछित व दो गैंगस्टर अभियुक्तों को पुलिस ने किया गिरफ्तार

स्वतंत्र चेतना

प्रतापगढ़। पुलिस द्वारा चेकिंग के दौरान विभिन्न अभियोगों से संबंधित पांच वांछित व दो गैंगस्टर अभियुक्तों को गिरफ्तार किया है। अपर पुलिस महानिदेशक, प्रयागराज जोन, प्रयागराज भानु भास्कर के कुशल निर्देशन में पुलिस अधीक्षक डॉ0 अनिल कुमार के पर्यवेक्षण में अपर पुलिस अधीक्षक (पूर्वी/पश्चिमी) के नेतृत्व में ऑपरेशन इण्टरसेप्ट के तहत रैण्डम व सरप्राइज चेकिंग के लिये गठित 47 टीमों द्वारा कुल 849 संदिग्ध व्यक्तियों को चेक किया गया। साथ ही 738 व्यक्तियों को चेतावनी दी गई। ऑपरेशन चक्रव्यूह के तहत जिले की पुलिस द्वारा जनपद व मेला क्षेत्र के प्रवेश/निकास के समस्त मार्गों पर चेकिंग हेतु गठित 39 टीमों द्वारा कुल 478 संदिग्ध व्यक्तियों की चेकिंग की गई, साथ ही 426 को चेतावनी दी गई। संदिग्ध व्यक्ति/वाहनों की चेकिंग के दौरान थाना रानीगंज पुलिस द्वारा हत्या के प्रयास के अभियोग से संबंधित वांछित एक अभियुक्त गिरफ्तार, थाना अंतू पुलिस द्वारा शादी का झांसा देकर दुष्कर्म के अभियोग से संबंधित वांछित एक अभियुक्त गिरफ्तार, थाना मानिकपुर पुलिस द्वारा गैर इरादतन हत्या के अभियोग से संबंधित एक अभियुक्ता गिरफ्तार, थाना कंधई पुलिस द्वारा हरा आम का पेड काटकर उसका बोटा तैयार कर ट्रैक्टर ट्राली पर लादकर ले जा रहा एक अभियुक्त गिरफ्तार, थाना मान्धाता पुलिस द्वारा दुष्कर्म के अभियोग से संबंधित वांछित एक अभियुक्त गिरफ्तार, थाना कोहंडौर पुलिस द्वारा एक गैंगस्टर अभियुक्ता गिरफ्तार, थाना बाघराय पुलिस द्वारा एक गैंगस्टर अभियुक्त को गिरफ्तार किया गया। नियमानुसार अग्रिम विधिक कार्यवाही प्रचलित है। इसी तरह हत्या, लूट, डकैती, हत्या का प्रयास, छेड़खानी, पॉक्सो, आर्म्स एक्ट, गुण्डा व गैंगस्टर एक्ट जैसे संगीन अपराध कारित करने वाले दो गैंगस्टर अभियुक्तों को गिरफ्तार किया गया।

मारपीट के मामले में दो पर मुकदमा

पट्टी, प्रतापगढ़। घर में घुस कर मार-पीट के मामले में पट्टी पुलिस ने दो आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया है। कोतवाली क्षेत्र के सरसपुर गांव निवासिनी मीना देवी हरिजन ने पुलिस को प्रार्थना पत्र देकर आरोप लगाया था कि वह अपने खेत में काम करने के लिए गई हुई थी। तभी पड़ोस के गांव के डेईडीह के रहने वाले सूरज सिंह, व टमाटर सिंह उसके घर आए मां बहन को गालियां देते हुए उसकी नाबालिक बेटी पायल को मार-पीट कर घायल कर दिया। जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गई, पीड़िता ने मामले की सूचना 112 पुलिस को दी। पुलिस घायल किशोरी को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र लेकर आई जहां पर इलाज के उपरांत गंभीर हालत के चलते डॉक्टर ने जिला मेडिकल कॉलेज के लिए रेफर कर दिया था।

जीवन में खेलकूद प्रतियोगिता जरुरी: सदर विधायक

स्वतंत्र चेतना

प्रतापगढ़। शहर के प्रभात एकेडमी स्कूल में विन्टर कार्निवाल के अंतर्गत आज इन्डोर स्पोटर्स मीट तथा आर्ट एवं क्राफ्ट की प्रतियोगिता एवं प्रदर्शनी

▶▶ प्रभात एकेडमी में हुई खेलकूद प्रतियोगिता

का आयोजन किया गया जिसमें खेलकूद एवं अन्य प्रतियोगिताओं के दूसरे दिन छात्रों ने विभिन्न इन्डोर खेलों में शानदार प्रदर्शन कर अपना दमखम दिखाया।

आज की प्रतियोगिताओं के साथ प्रदर्शनी अवलोकन के पूर्व मुख्य अतिथि विधायक सदर राजेंद्र कुमार मौर्य तथा जनपद कारागार के डिप्टी जेलर की पत्नी डा. हुमा खान, विद्यालय प्रबंधक व प्रधानाचार्य प्रभात शर्मा ने मां सरस्वती के चित्र पर माल्यार्पण किया और खेलकूद तथा रचनात्मक वृद्धि की आवश्यकता से विद्यार्थियों को अवगत कराया। विन्टर कार्निवाल में सबसे पहले शतरंज व कैरम के मैच आयोजित किए गए, जिसमें नालंदा, तक्षशिला, विक्रमशिला व कौशाम्बी हाउस के विद्यार्थियों ने प्रतिभाग किया। पठन-पाठन के मध्य आयोजित खेल-सप्ताह में विद्यार्थियों ने उत्साह पूर्वक भाग लिया। प्रतियोगिता में आदित्य सिंह, गेम्स शिक्षक के निर्देशन में आयोजित हुई। मुख्य अतिथि सदर विधायक राजेंद्र कुमार मौर्य, विशिष्ट अतिथि डॉ. हुमा खान ने प्रथम द्वितीय और तृतीय स्थान पर आए प्रतिभागियों को पुरस्कार देकर उनका सम्मान किया। विधायक सदर ने बच्चों की कृतियों को सराहा और उन्हें जीवन में खेलकूद के साथ विविध क्षेत्रों में अपने भविष्य को उज्जवल करने की कामना की। डॉ. हुमा खान ने भी कृतियों की प्रशंसा की। इस अवसर पर प्रभात अकेडमी, अष्टभुजा नगर के शिक्षक पूजा, अंजू, पूनम, एकता, मधु, अंकिता, सृष्टि, आस्था, तनुजा, सुनीता, सारा, जेबा, अमरजीत, यू एस मिश्रा, किशा, हरकेश, आशीष, इरफान, रीतेश, खुशबू, आराध्या, अमरजीत, आशीष, सुनीता राम सहित विद्यार्थी व बड़ी संख्या में अभिभावक उपस्थित रहे।

प्रभात एकेडमी में विजयी प्रतिभागियों के साथ सदर विधायक

खेल से होता है शारीरिक विकास: रोशनलाल

प्रतापगढ़। माई भारत नेहरू युवा केंद्र के युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय भारत सरकार के तत्वाधान में दो दिवसीय ब्लॉक स्तरीय खेलकूद प्रतियोगिता का समापन राजकीय आईटीआई में हुआ। प्रतियोगिता में कबड्डी, वॉलीबॉल, दौड़, कुश्ती आदि प्रतियोगिता का आयोजन किया गया था। विजेताओ को समापन के अवसर पर समाजसेवी रोशनलाल उमरवैश्य ने पुरस्कृत करते हुए कहा कि गांव की छुपी प्रतिभाओं को माई भारत नेहरू युवा केंद्र के द्वारा खेलकूद प्रतियोगिता करा के युवाओं के शारीरिक विकास और जिले स्तर पर खेलने का मौका मिल रहा है। यह प्रतिभागी ब्लॉक स्तर से होकर जिले में जब खेलेंगे तो वहां भी अपना परचम लहरा कर प्रदेश व देश का नाम रोशन करेंगे। खेलों से आपसी भाईचारा भी बढ़ता है और शारीरिक विकास भी होता है। अध्यक्षता कर रहे आईटीआई के प्राचार्य आलोक कुमार ने कहा कि नेहरू युवा केंद्र द्वारा विभिन्न खेलों की जो प्रतियोगिता कराई गई वह जिले के युवाओं के लिए बहुत ही फायदेमंद रहेगी और यह बच्चे एक दिन जिले का नाम रोशन करेंगे। नेहरू युवा केंद्र के लेखाकार विनय मिश्रा ने अतिथियों का आभार ज्ञापित करते हुए कहा कि विजई प्रतिभागियों को दो-तीन जनवरी को स्टेडियम में जिला स्तरीय खेल प्रतियोगिता के आयोजन में सहभागिता करने का मौका मिलेगा।आज वालीवाल फाइनल मैच पूरे ईश्वर नाथ और मीरा भवन की टीम के बीच खेला गया जिसमें पूरे इश्वर नाथ विजयी रही। इस दौरान लेखाकार विनय मिश्रा,कार्यक्रम के संयोजक कर्मराज सिंह, मंजीत ने किया। कार्यक्रम के सफल संचलन केन्द्र के प्रशिक्षक विश्वजीत सिंह ने किया, छोटे सिंह अगई, श्याम नरायण पटेल, अशोक कुमार शुक्ला, सिद्धार्थ सिंह आदि लोग मौजूद रहे।

किसानों को माइक्रोइरीगेशन योजना की दी गयी जानकारी

प्रतापगढ़। पर ड्राप मोर क्रॉप-माइक्रोइरीगेशन योजना वर्ष 2024-25 के अन्तर्गत एक दिवसीय कृषकों का प्रशिक्षण ग्राम पृथ्वीगंज बाजार विकास खण्ड शिवगढ़ में जिला उद्यान अधिकारी सुनील कुमार शर्मा एवं कम्पनियों के प्रतिनिधियों की उपस्थिति में सम्पन्न हुआ जिसमें विकास खण्ड शिवगढ़ के किसान सम्मिलित हुये। किसानों को पर ड्राप मोर क्रॉप-माइक्रोइरीगेशन योजना में मिलने वाले अनुदान एवं खेती में सिंचाई की व्यवस्था को सुदृढ़ करते हुये कम पानी एवं कम लागत में उत्पादन एवं उत्पादकता को बढ़ाकर कृषकों की आय को दोगुना करने की जानकारी प्रदान की गयी। कम्पनियों के प्रतिनिधियों ने उपस्थित किसानों को ड्रिप सिंचाई पद्धति, मिनी स्प्रिंकलर, पोर्टेबल स्प्रिंकलर एवं लार्ज वाल्यूम (रैनगन) का प्रयोग करते हुये किन-किन फसलों की बुआई करना चाहिये तथा जैव उर्वरक एवं जैव रसायन का घोल बनाकर वेन्चुरी के माध्यम से प्रयोग करने की विधि भी बतायी गयी। गोष्ठी में विनय कुमार सिंह योजना प्रभारी, वीरेन्द्र नारायण लाल एवं कृषक हरीराम आदि उपस्थित रहे।

गोरखपुर

स्वतंत्र चेतना

www.swatantrachetnanews.com

संपादकीय

फिर नदी जोड़

यह सुखद ही है कि जिन अटल बिहारी वाजपेयी के प्रधानमंत्री काल में बढ़ते जल संकट के समाधान के रूप में मेगा नदी जोड़ परियोजनाओं की कल्पना की गई थी, उनकी जन्मशती के अवसर पर उस सपने को साकार करने का सार्थक प्रयास शुरू हुआ है। लेकिन यह विडंबना ही है कि इस तरह की पहली परियोजना केन-बेतवा-लिंक परियोजना को सिरे चढ़ाने की दिशा में शुरुआत करने में चार दशक लग गए। निस्संदेह, यह एक महत्वाकांक्षी परियोजना है, लेकिन विलंब से काम होने से इसकी लागत में भी अच्छा-खासा इजाफा हो चुका है। निस्संदेह, ऐसे देश में जहां विश्व की अट्ठारह फीसदी आबादी रहती हो और दुनिया का सिर्फ चार फीसदी पीने का पानी उपलब्ध हो, भविष्य के जलसंकट का सहज अनुमान लगाया जा सकता है। शिलान्यास कार्यक्रम के वक्त प्रधानमंत्री की यह टिप्पणी कि जल सुरक्षा 21वीं सदी की सबसे बड़ी चुनौतियों में से एक है, नदी जोड़ परियोजना के प्रति सरकार के दृढ़ संकल्प की ओर संकेत देती है। निर्विवाद रूप से जलाशयों और नहरों के माध्यम से पानी के अधिशेष को जल संकट वाले इलाके की नदियों को स्थानांतरित करना, निश्चय ही सूखे की मार झेल रहे इलाकों का भाग्य बदलने जैसा ही है। लेकिन यह भी जरूरी है कि पर्यावरणीय जोखिमों का वैज्ञानिक ढंग से आकलन किया जाए। पर्यावरण वैज्ञानिक व पर्यावरण संरक्षण से जुड़े स्वयंसेवी संगठन प्रकृति के साथ खिलवाड़ की चिंताएं लगातार जताते रहते हैं। उनका मानना रहा है कि नदियों के प्राकृतिक प्रवाह में बाधा पहुंचने से पारिस्थितिकीय संतुलन प्रभावित हो सकता है। निस्संदेह, पर्यावरणीय संतुलन जरूरी है लेकिन जल संकट का समाधान निकालना भी उतना ही जरूरी है। दरअसल, राष्ट्रीय जल विकास एजेंसी ने 168 बिलियन डॉलर के प्रस्तावित बजट वाली हिमालयी और प्रायद्वीपीय क्षेत्रों के लिये तीस लिंक परियोजनाओं की पहचान की है। निश्चित रूप से पानी के समुचित वितरण, बाढ़ नियंत्रण, सूखे से मुकाबले और जलविद्युत उत्पादन में अधिक समानता के लिये ऐसी परियोजना की तार्किकता साबित होती है।

इसके बावजूद पर्यावरणीय चुनौतियों पर ध्यान देने की भी सख्त जरूरत है। शोध अध्ययनों में दावा किया गया है कि हाइड्रो-लिंकिंग परियोजनाएं मानसून के चक्र में बदलाव ला सकती हैं। साथ ही परेशानी करने वाली जटिल जल-मौसम विज्ञान प्रणालियां विकसित हो सकती हैं। ऐसे में संभावित पारिस्थितिकीय क्षति की आशंका से इंकार भी नहीं किया जा सकता। निस्संदेह, इस दिशा में आगे चलकर व्याव-हारिक दृष्टिकोण अपनाना जरूरी हो जाता है। परियोजनाओं को क्रियान्वित करने वाले नीति-नियंताओं को फिर से परियोजना को तैयार करने पर संभवित प्रतिक्रिया का विश्लेषण करने के लिये तैयार रहना चाहिए। केन-बेतवा परियोजना के जरिये जटिल पर्यावरणीय पैटर्न का समाधान प्रदान करने के लिये विज्ञान सम्मत पहल होनी चाहिए। इसके लाभ व हानि के पक्ष का मंथन भी जरूरी है। यह विडंबना ही है कि आज भी जल संरक्षण के लिये सामूहिक पहल सार्वजनिक नीति में एक गायब कड़ी बनी हुई है। ऐसे में बड़े पैमाने पर बड़ी परियोजनाओं को प्राथमिकता देने के साथ-साथ,सरकार को कुशल सिंचाई परियोजनाओं, अपशिष्ट जल के पुनर्चक्रण और प्रदूषित पानी की स्वच्छता के लिये सस्ती प्रौद्योगिकियों के विकास पर अनुसंधान में तेजी लाने की जरूरत है। साथ ही पर्याप्त वित्तीय समर्थन की भी जरूरत है। बताया जा रहा है कि केन-बेतवा योजना के सिरे चढ़ने से मध्य प्रदेश की आठ लाख हेक्टेयर से अधिक व उत्तर प्रदेश की ढाई लाख हेक्टेयर भूमि को सिंचाई की सुविधा उपलब्ध हो सकेगी। जल शक्ति मंत्रालय के आंकड़ों के अनुसार करीब बासठ लाख लोगों को पेयजल की अनवरत आपूर्ति हो सकेगी। इसके अलावा जलविद्युत परियोजना के जरिये 103 मेगावाट बिजली तथा 27 मेगावाट सौर ऊर्जा का उत्पादन प्रस्तावित है। निस्संदेह, यदि केन-बेतवा जैसी महत्वाकांक्षी योजना सिरे चढ़ती है तो अन्य नदी जोड़ परियोजनाओं के लिये भी नई जमीन तैयार हो सकेगी। इससे पहले कुछ दिन पूर्व जयपुर में पार्वती-काली सिंध व चंबल नदी लिंक परियोजना के लिये त्रिपक्षीय समझौते के सिरे चढ़ने को इस कड़ी का विस्तार कहा जा सकता है। भविष्य में जल संकट से निबटने में ये परियोजनाएं महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती हैं।

सेहत

एनीमिया से लेकर कब्ज तक की समस्या होगी दूर, सर्दियों में जरूर करें गुड़ का सेवन

भारत में स्वस्थ जीवन के परंपरा की नींव काफी गहरी है। आयुर्वेद में बताया गया है कि हमारी रसोई में मौजूद सभी मसाले और हर्ब्स कई बीमारियों की दवा है। वहीं सर्दियों के मौसम में हर किचन में गुड़ मिल जाता है। गुड़ की तासीर गर्म होती है, जिसकी वजह से इसको सर्दियों का सुपरफूड कहा जाता है। बता दें कि गुड़ एक औषधीय चीज या मिठाई से कहीं ज्यादा है। करीब 600 ईसा पूर्व के आसपास गन्ना मलय प्रायद्वीप और बर्मा से भारतीय उपमहाद्वीप में आया था। लगभग तब से ही यहां गुड़ का उत्पादन हो रहा है। मौजूदा समय में पूरी दुनिया का 70% भारत में बनता है।

गुड़ का सेवन करने से एनर्जी लेवल बढ़ता है और इसमें कई जरूरी विटामिन्स, आयरन, मैग्नीशियम और कैल्शियम पाया जाता है। गुड़ का सेवन एनीमिया के जोखिम से भी बचाता है। वहीं यह जोड़ों के दर्द के लिए भी काफी फायदेमंद होता है।

गुड़ की न्यूट्रिशनल वैल्यू

गुड़ में शुगर सुक्रोज और फ्रुक्टोज के रूप में होता है। इसलिए इसका स्वाद मीठा होता है और इसको खाने से फौरन एनर्जी मिलती है। गुड़ में विटामिन अ, उ और ए पाया जाता है। यह विटामिन्स शरीर के लिए जरूरी होता है। वहीं गुड़ में आयरन और मिनरल्स पाया जाता है।

गुड़ खाने के फायदे

बता दें कि भारतीय भोजन पद्धति में भोजन करने के बाद एक टुकड़ा गुड़ खाने का रिवाज है। यह रिवाज अब हमारे बीच इस कदर रच-बस गया है कि जो लोग मीठा नहीं खाते हैं, वह भी गुड़ खाने से इंकार नहीं करते हैं। गुड़ खाने से पाचन में मदद मिलती है। साथ ही यह ब्लड और लिवर को भी डिटॉक्स करता है। इसकी खासियत यह है कि गुड़ खाने से लंग्स और ब्रॉन्कियल इंफेक्शन से बचाव होता है। वहीं रोजाना गुड़ खाने से रेस्पिरेटरी डिजीज का जोखिम कम होता है।

अन्य फायदे

डाइजेस्टिव हेल्थ में सुधार

लिवर और ब्लड डिटॉक्स होता है।

रेस्पिरेटरी इंफेक्शन दूर होता है।

कॉन्स्टिपेशन की समस्या दूर होती है।

मेंटल और फिजिकल स्ट्रेस कम होता है।

प्रीमेंस्ट्रुअल सिंड्रोम से राहत मिलती है।

हार्ट हेल्थ इंप्रूव होती है।

एनर्जी लेवल बढ़ता है।

किन लोगों को नहीं करना चाहिए गुड़ का सेवन

लोग वेट कम करने का प्रयास कर रहे हैं।

जो लोग डायबिटिक हैं या जिनका ब्लड शुगर सामान्य से ज्यादा रहता है।

जिनके दातों में सड़न या कैविटी है।

जो लोग शुगर सेंसिटिव हैं।

सभी में एक ही परमात्मा का वास है, इसलिए संसार में कोई पराया नहीं है

डॉ मनमोहन सिंह के प्रति इतिहास आखिर क्यों दयालु होगा?

देखा जाए तो प्रख्यात अर्थशास्त्री डॉ. मनमोहन सिंह भारत के 13 वें प्रधानमंत्री थे। वो लोकसभा चुनाव 2009 में मिली जीत के बाद, जवाहरलाल नेहरू के बाद भारत के पहले ऐसे प्रधानमंत्री बने, जिन्हें पांच वर्षों का कार्यकाल पूरा करने के बाद लगातार दूसरी बार प्रधानमंत्री बनने का अवसर मिला था।

पूर्व प्रधानमंत्री डॉ मनमोहन सिंह अब नहीं रहे, लेकिन पिछले 10 वर्षों से उनकी एक पंक्ति मुझे रह-रह कर चुभती आई है। वह यह कि वर्तमान मीडिया से ज्यादा इतिहास उनके प्रति दयालु होगा। चूंकि मैं इतिहास स्नातकोत्तर का विद्यार्थी रहा हूँ और पेशेवर मीडिया कर्मी भी हूँ, इसलिए उनकी बात और उसके मर्म को भलीभांति समझता हूं। इसलिए अमूमन सोचता रहता हूँ कि आखिर डॉ सिंह ने इतनी तल्ख टिप्पणी क्यों की?

याद दिला दें कि जनवरी 2014 में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान तत्कालीन प्रधानमंत्री डॉ मनमोहन सिंह ने कहा था कि ह्लमैं मानता हूं कि अभी की मीडिया की तुलना में इतिहास मेरे प्रति दयालु होगा ह्व इसलिए यह यक्ष प्रश्न स्वाभाविक है कि आखिर डॉ मनमोहन सिंह के प्रति इतिहास क्यों दयालु होगा? किस स्तर तक यानी कितना होगा? और उन बातों-जज्बातों को जिन्हें खुद उन्होंने मुखरित होकर उठाया, या फिर मीडिया के उठाने के बावजूद भी उन पर चुप्पी साध ली, उसके बारे में इतिहास विद किस निष्कर्ष पर पहुंचेंगे, वस्तुनिष्ठ अवलोकन करना जरूरी है।

ऐसा इसलिए कि पत्रकारिता भी तो आज का इतिहास ही है। यह हर रोज गुजश्ते इतिहास का जीता-जागता सबूत है। कभी कभी तो वह खुद को दोहराता भी है, जैसा कि इतिहास बेकन ने कहा है। इसलिए सहज ही सवाल उठता है कि क्या मीडिया नासमझ है और इतिहास वस्तुनिष्ठ, जिस पर पक्षपात के आरोप लगते आए हैं! या फिर वो यानी डॉ सिंह जज्बाती, जिन्होंने मैडम (सोनिया गांधी) का यस मैन बनकर अपनी सियासत तो चमका ली, अपने युगान्तकारी नीतियों-रणनीतियों से कुछ लोगों को लाभान्वित भी कर गए! लेकिन जब एक शासक के रूप में राष्ट्रीय प्रतिष्ठा को बचाने और आतंकवादियों व उनके आकाओं के खिलाफ सख्त प्रशासनिक फैसले लेने की जरूरत आई तो किंकर्तव्यविमूढ़ बन बैठे।

वहीं, राष्ट्रीय संसाधनों पर अल्पसंख्यकों के पहले अधिकार की बात छेड़कर बहुसंख्यक समाज के आंखों की किरकिरी बन बैठे। चाहे आरक्षण हो या बेरोजगारी, इसका समुचित समाधान अपने 10 वर्षीय शासनकाल में भी नहीं दे पाए, जिसके चलते एक बार राहुल गांधी भी उनसे नाखुश प्रतीत हुए और उसके बाद ही उन्हें चुनावी हार का भी सामना करना पड़ा। बावजूद इसके जब उनसे जुड़ी विभिन्न बातों को यदि समय की कसौटी पर कसा जाए, उनके विचारों और व्यवहारों को परखा जाए तो उपर्युक्त तीनों बातें सही हैं।

इसके बावजूद, डॉ सिंह का पलड़ा इसलिए भारी है, क्योंकि वह स्वभाव से मृदु, पेशेवर तौर पर ईमानदार और राजनीतिक रूप से सदाशयी और स्पष्टवादी व्यक्ति थे। जिस दौर में उन्होंने सियासत की, जैसा उन्होंने कांग्रेस/यूपीए परिवार का विश्वास और भरोसा हासिल किया और जिन मानवीय मूल्यों को निभाया, उसमें वो सौ प्रतिशत खरे हैं। हां, इतना अवश्य है कि जब चांद भी बेदाग नहीं समझा जाता तो यह सियासी चांद भी 26/11 जैसी दुर्भाग्यपूर्ण घटनाओं के बाद आक्रामक कार्रवाई न करने के लिए जनमानस के कठघरे में खड़ा है!

वहीं, देश के संसाधनों पर पहला अधिकार अल्पसंख्यकों का है, का राग अलापकर अपने धवल इतिहास में भी उलाहना के कुछ पंक्तियों को सुनने के लिए हमेशा समुपस्थित रहेगा। बातें बहुत सारी हैं, जिन्हें गागर में सागर की तरह समाया नहीं जा सकता। फिर भी इतिहास के एक अध्ययनकर्ता के रूप में और मीडिया कर्मी के रूप में भी मैं कांग्रेस के इन विचारों से सहमत हूँ कि डॉ. मनमोहन सिंह को उनके गरिमामय आचरण, सार्वजनिक सेवा के प्रति प्रतिबद्धता, गहन ज्ञान और विनम्रता के लिए हमेशा याद रखेगा। इस बात में कोई दो राय नहीं है कि वह अपने पीछे आर्थिक सुधारों, राजनीतिक स्थिरता और प्रत्येक भारतीय के जीवन के उत्थान के लिए समर्पण की विरासत छोड़ गए हैं। पहले एक टेक्नोक्रेट के रूप में, उसके बाद अर्थशास्त्री के रूप में और फिर भारत के प्रधान मंत्री के रूप में उनका कार्यकाल सामाजिक कल्याण पर ध्यान देने के साथ आर्थिक समृद्धि और विश्व मानचित्र पर भारत की स्थिति को मजबूत करने के लिए याद किया जाएगा।

कहना न होगा कि अपने शांत लेकिन लचीले नेतृत्व के लिए जाने जाने वाले, वह एक सिद्धांतवादी व्यक्ति थे जिन्होंने देखभाल, चिंता और देश के कल्याण के अलावा किसी भी चीज के प्रति दृढ़ प्रतिबद्धता के साथ कठोर निर्णय लिए। एक नेता के रूप में, डॉ. सिंह ने शायद ही कभी सुर्खियां बटोरीं हों, फिर भी उनके फैसले भारतीय समाज के हर पहलू और उससे परे गहराई से गूंजते रहे। इस तरह से राजनीतिक सहयोगियों, विरोधियों और विश्व नेताओं से उन्होंने जो विश्वास और सम्मान अर्जित किया, वह उनके गहरे प्रभाव का प्रमाण है।

देखा जाए तो प्रख्यात अर्थशास्त्री डॉ. मनमोहन सिंह भारत के 13 वें प्रधानमंत्री थे। वो लोकसभा चुनाव 2009 में मिली जीत के बाद, जवाहरलाल नेहरू के बाद भारत के पहले ऐसे प्रधानमंत्री बने, जिन्हें पांच वर्षों का कार्यकाल पूरा करने के बाद लगातार दूसरी बार प्रधानमंत्री बनने का अवसर मिला था। वहीं, उन्हें 22 जून 1991 से 16 मई 1996 तक पीवी नरसिंह राव के प्रधानमंत्रित्व काल में वित्त मंत्री के रूप में किए गए आर्थिक सुधारों का श्रेय दिया जाता है।

उन्होंने पंजाब विश्वविद्यालय से स्नातक और स्नातकोत्तर स्तर की पढ़ाई पूरी की। इसके बाद वह कैम्ब्रिज विश्वविद्यालय गए, जहां से उन्होंने पीएचडी की उपाधि हासिल की। फिर उन्होंने ऑक्सफोर्ड विश्वविद्यालय से डी-फिल भी किया। उनकी पुस्तक इंडियाज एक्सपोर्ट ट्रेंड्स एंड प्रोस्पेक्ट्स फॉर सेल्फ सस्टेंड ग्रोथ भारत की व्यापार नीति की पहली और सटीक आलोचना मानी जाती है।

डॉ. सिंह ने अर्थशास्त्र के अध्यापक के तौर पर काफी ख्याति अर्जित की। वह पंजाब विश्वविद्यालय और बाद में प्रतिष्ठित दिल्ली स्कूल ऑफ इकनामिक्स में प्राध्यापक रहे।

इसी बीच वह संयुक्त राष्ट्र व्यापार और विकास सम्मेलन सचिवालय में सलाहकार भी रहे और 1987 और 1990 में जेनेवा में साउथ कमीशन में सचिव भी रहे। 1971 में डॉ. सिंह भारत के वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय में आर्थिक सलाहकार के तौर पर नियुक्त किए गए। इसके बाद 1972 में उन्हें वित्त मंत्रालय में मुख्य आर्थिक सलाहकार बनाया गया। मनमोहन सिंह योजना आयोग के उपाध्यक्ष भी रहे हैं। इसके अलावा रिजर्व बैंक के गवर्नर, प्रधानमंत्री के आर्थिक सलाहकार और विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के अध्यक्ष भी रहे। भारत के आर्थिक इतिहास में सबसे महत्वपूर्ण मोड़ तब आया जब वह 1991 से 1996 तक भारत के वित्त मंत्री रहे।

1985 में राजीव गांधी के शासन काल में मनमोहन सिंह को योजना आयोग का उपाध्यक्ष नियुक्त किया गया। इस पद पर उन्होंने लगातार पांच वर्षों तक कार्य किया, जबकि 1990 में वह प्रधानमंत्री के आर्थिक सलाहकार (एङ्कल्ल्ड्ढ फीङ्ग१२ ङ्का कल्र्ñ 1991) बनाए गए। जब पीवी नरसिंह राव प्रधानमंत्री बने तो उन्होंने मनमोहन सिंह को 1991 में अपने मंत्रिमंडल में शामिल किया और वित्त मंत्रालय का स्वतंत्र प्रभार सौंपा। इस समय वह न तो लोकसभा और न ही राज्यसभा के सदस्य थे। मगर संवैधानिक व्यवस्था के अनुसार सरकार के मंत्री को संसद का सदस्य होना आवश्यक होता है। इसलिए उन्हें 1991 में असम से राज्यसभा भेजा गया था। **कमलेश पांडेय**

विविधता के ताने-बाने में एकजुट रहने का वक्त

सर संघचालक मोहन भागवत ने हाल ही में पुणे में संबोधन के दौरान संदेश दिया कि राष्ट्र की एकता और समाज में समरसता बनाये रखें व अतीत की घटनाओं का शिकार होने से बचें। भारत को मिसाल कायम करनी है कि अलग-अलग धर्मों के लोग मिल-जुल कर रह सकते हैं। मौजूदा समय में ये शब्द भरोसा दिलाने वाले हैं जबकि पुराने मुद्दे खोजकर सामने लाने की होड़-सी मची हुई है।

अतीत के बोझ तले दब कर तीव्र घृणा, ईर्ष्या, शत्रुता, संदेह का शिकार हो जाना स्वीकार्य नहीं होना चाहिए। आये दिन इस तरह के मुद्दे उठाना भी गलत है। ये शब्द राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ के सर संघचालक मोहन भागवत के हैं, जो उन्होंने हाल ही में पुणे में आयोजित एक कार्यक्रम के दौरान कहे। संदर्भ भारत के विश्व गुरु होने के दावे का था और बात संभल, अजमेर, कन्नोज आदि शहरों में चल रहे अभियानों की थी। यह पहली बार नहीं है जब भागवत जी ने राष्ट्र की एकता और समाज में समरसता का संदेश देते हुए अतीत की घटनाओं का शिकार होने से बचने का संदेश दिया। पिछले दो-तीन साल में वे अलग-अलग मौकों पर इस आशय की बात कह चुके हैं। पुणे का उनका भाषण इस संदेश की नवीनतम कड़ी है। अवसर हिंदू सेवा महोत्सव नाम से आयोजित कार्यक्रम का था। इस भाषण के दौरान उन्होंने इस बात को दुहराना जरूरी समझा कि मंदिर-मस्जिद के रोज नये विवाद निकाल कर कोई नेता बनना चाहता है तो ऐसा नहीं होना चाहिए। हमें दुनिया को दिखाना है कि हम एक साथ रह सकते हैं।

सर संघचालक ने अपने इस भाषण में यह भी कहा कि अपनी ही बात को सही मानने की ज़िद भी उचित नहीं है। हमारी वजह से दूसरों को तकलीफ न हो, हमें इस बात का भी ध्यान रखना होगा। फिर, रामकृष्ण मिशन में क्रिसमस के अवसर पर बड़ा दिन मनाने का उल्लेख करते हुए उन्होंने यह भी कहा कि हम यह इसलिए कर सकते हैं क्योंकि हम हिंदू हैं।

भागवत जी के ये शब्द भरोसा दिलाने वाले हैं। आज की स्थिति में जबकि पुराने मुद्दे खोजकर सामने लाने की होड़-सी मची हुई है, इस तरह की बातें आश्वस्त करती हैं कि अभी सबकुछ हाथ से फिसला नहीं है। अभी सबकुछ बचाया जा सकता है। आवश्यकता यह कार्य ईमानदारी से करने की है। भागवत जिस पद पर हैं, और जिस आदर और श्रद्धा के साथ समाज का एक बड़ा तबका उनकी बात को सुनता है, उसे देखते हुए ऐसा लगना स्वाभाविक है कि उनकी बातों पर गौर किया जायेगा। समरसता के उनके संदेश को समझने का, उसके अनुरूप आचरण करने का ईमानदार प्रयास किया जायेगा। लेकिन, सनातन की दुहाई देकर जिस तरह का वातावरण कुछ ताकतें बना रही हैं, उससे संदेह होता है कि सर संघचालक जैसे व्यक्ति की बात उनके साथी और अनुयायी समझना चाहते भी हैं अथवा नहीं।

एक ओर तो भागवत समरसता का संदेश देने की कोशिश कर रहे हैं, और दूसरी ओर कुछ व्यक्ति एक संप्रदाय विशेष के बहिष्कार की बात कह कर भारतीय समाज में कटुता फैलाने में लगे हैं।

यह माहौल कई-कई रूपों में सामने आ रहा है। पहले एक समुदाय के धर्मस्थल के नीचे मंदिर खोजे जा रहे थे, अब जीर्णोद्धार करने के नाम पर पुराने मंदिरों को सामने लाने की मुहिम चलायी जा रही है। हर सम्भव कोशिश हो रही है यह बताने की कि एक संप्रदाय के लोग हमारी आस्था-श्रद्धा के साथ खिलवाड़ करते रहे। लगभग 34 साल पहले हमने सांप्रदायिकता की आग को फैलने से रोकने के लिए एक कानून बनाया थाझ 15 अगस्त, 1947 को देश के पूजास्थलों की जो स्थिति थी उसे वैसा ही रखने का कानून। अयोध्या के राम मंदिर के प्रकरण को इससे मुक्त रखा गया था, क्योंकि वह मामला अदालत में चल रहा था। अब अयोध्या में भगवान राम का भव्य मंदिर बन चुका है। उम्मीद की जा रही थी कि इसके साथ ही एक संप्रदाय के धर्मस्थलों के नीचे मंदिर खोजने की कवायद भी समाप्त हो जायेगी। पर ऐसा होता दिख नहीं रहा।

सवाल पूछा जाना चाहिए कि मंदिर की खोज के लिए की जाने वाली खुदाई कहां तक होगी? कहां जाकर रुकेगा यह क्रम?झ मंदिर-मस्जिद तो बाद के हैं/ हम उससे पहले भी तो थे/ हम उससे पहले जो भी थे/ उस सच को ज़िंदा रखना है!

आज आवश्यकता उस साझे सच को याद करने की है। आरएसएस के मुखिया भागवत जी ने प्राचीन मंदिरों की खोज को रोकने की बात कह कर यही कहना चाहा है कि पीछे लौटने का यह क्रम अंततः हमें आदि मानव की गुफा तक पहुंचा देगा। इसका मतलब आदि मानव हो जाना नहीं होगाझ इसका मतलब मनुष्यता खो देना होगा। जंगल, गुफा, पत्थर, आगङ्ख मनुष्यता के प्रारम्भ के बीज को फिर से बोना होगा। क्या यह स्वीकार है हमें? दांव पर हमारी मनुष्यता लगी है। सवाल अपने भीतर की मनुष्यता को बचाये रखने का है।

पर जो कुछ होता दिख रहा है, वह बहुत आश्वस्त नहीं करता। सच कहें तो परेशान करने वाला है। मोहन भागवत ने कहा है कि भारत को एक उदाहरण प्रस्तुत करना है इस बात का कि अलग-अलग धर्मों के लोग मिल-जुलकर रह सकते हैं, जी सकते हैं।

यह लेखक भागवत जी की इस बात से भी सहमत है कि देश में कोई अल्पसंख्यक या बहुसंख्यक नहीं है। हम सब एक हैं। इस देश में हर एक को अपने तरीके से पूजा-अर्चना करने का अवसर मिलना चाहिए। वस्तुतः यह अवसर नहीं, अधिकार हैं जो हमारे संविधान ने हमें दिया है। नागरिक के इस सांविधानिक अधिकार की रक्षा होनी ही चाहिए।

कुछ लोगों को भागवत के कहने पर विश्वास नहीं हो रहा। कुछ कह रहे हैं भागवत जो कह रहे हैं वह उनके मन की बात नहीं है। जो ऐसा सोचते हैं, उन्हें हक है इसका। लेकिन किसी को इस बात का हक नहीं है कि वह इस देश के किसी नागरिक की आस्था और श्रद्धा को अपमानित-लांछित करे। ऐसे भी लोग हैं जो यह कहते हैं कि धर्म-निरपेक्षता शब्द को संविधान के आमुख में बाद में घुसेड़ा गया। यह सही है कि जब संविधान बना तो आमुख में यह शब्द नहीं था। पर इसके पीछे का सच भी समझना होगा। संविधान सभा के सदस्य केटी शाह ने तीन बार धर्म निरपेक्ष (सेक्यूलर) शब्द को संविधान में जोड़ने का प्रस्ताव रखा था, पर तब यह माना गया कि हमारे संविधान की समूची भावना ही धर्मनिरपेक्षता को प्रकट करती है। बाद में 1976 में एक संशोधन द्वारा इस शब्द को आमुख में जोड़कर स्थिति को पूरी तरह स्पष्ट कर दिया गया, ताकि कोई संदेह न रहे।

अब फिर तरह-तरह के संदेह खड़े किये जा रहे हैं। बंटने-कटने की बातें की जा रही हैं। एक रहने की दुहाई दी जा रही है। आखिर किसके एक रहने की बात की जा रही है। सब भारतीयों को एक रहना है। सवाल हर भारतीय के सेफ रहने का है। हर नागरिक की सुरक्षा की गारंटी होनी चाहिए, तभी हम यह कह सकेंगे कि विविधता हमारी ताकत है। और यह गारंटी हम में से हर एक को देनी हैझ दूसरे की सुरक्षा करके ही हम अपनी सुरक्षा के प्रति आश्वस्त हो सकते हैं। इस हम में हर भारतीय शामिल है। एक को भी पंक्ति से हटाने का मतलब भारतीयता को अपमानित करना है। **विश्वनाथ सचदेव**

क्या धन असमानता का निदान कर पायेगा संपत्ति कर?

वैश्विक स्तर पर और भारत में धन असमानता गंभीर मुद्दा बन गया है, जहाँ शीर्ष 1% लोगों के पास देश की 40.1% संपत्ति है। व्यापक स्तर पर गरीबी एवं राज्य कल्याण कार्यक्रमों पर निर्भरता के साथ-साथ धन के केंद्रीकरण ने आर्थिक असमानता दूर करने और सार्वजनिक राजस्व उत्पन्न करने के लिए संपत्ति कर लगाने पर परिचर्चा दोबारा शुरू हो गई है। भारत में संपत्ति और विरासत करों को लागू करने में ऐतिहासिक और वर्तमान चुनौतियाँ हैं, जैसे कर चोरी, उच्च प्रशासनिक लागत और पूंजी पलायन का जोखिम। ये मुद्दे ऐसे करों को लागू करने के पिछले प्रयासों में स्पष्ट रहे हैं, जिसमें 1985 में एस्टेट ड्यूटी का उन्मूलन और 2015 में संपत्ति कर शामिल है।

संपत्ति कराधान कोई नई अवधारणा नहीं है। यह 19वीं शताब्दी से चली आ रही है, जब स्विटजरलैंड के बेसल शहर ने 1840 में इस तरह का कर पेश किया था। अन्य देशों ने भी इसका अनुसरण किया, जिसमें 1892 में नीदरलैंड और 1911 में स्वीडन शामिल हैं। भारत 1957 में इस सूची में शामिल हुआ जब वित्त मंत्री टी-टी कृष्णमाचारी ने संपत्ति कर लागू किया। हालाँकि, समय के साथ इस कर को लागू करने वाले देशों की संख्या कम हो गई है। उदाहरण के लिए कर लगाने वाले देशों की संख्या 1990 में 12 से घटकर 2017 में चार रह गई। भारत ने 2015 में इसे समाप्त कर दिया।

हाल के वर्षों में धन असमानता पर बढ़ती चिंताओं के कारण धन पर कर लगाने का विचार फिर से सामने आया है। अर्थशास्त्री थॉमस पिकेटी और उनके सहयोगियों द्वारा किए गए एक अध्ययन में भारत में असमानता में तेज वृद्धि को उजागर किया गया है, खासकर 2014-15 के बाद। उनके शोध से संकेत मिलता है कि शीर्ष 1% आय अर्जित करने वालों के पास 2022-23 में देश की आय का 22.6% और इसकी संपत्ति का 40.1% हिस्सा होगा-यह आंकड़ा दक्षिण अफ्रीका, ब्राजील और संयुक्त राज्य अमेरिका जैसे देशों से भी अधिक है। पिकेटी और उनके सह-लेखक 10 करोड़ रुपये से अधिक की शुद्ध संपत्ति पर 2% वार्षिक कर और उसी सीमा से अधिक की संपत्ति पर 33% कर का प्रस्ताव करते हैं।

धन करों की अपील के बावजूद उनका कार्यान्वयन कठिनाइयों से भरा है। 1985 में जब वित्त मंत्री वीपी सिंह ने संपदा शुल्क (विरासत कर) को समाप्त किया, तो उन्होंने कहा कि इसका प्रशासन महंगा था और इसकी राजस्व प्राप्ति न्यूनतम थी, जिसमें केवल लगभग 20 करोड़ रुपये एकत्र किए गए थे। सिंह ने स्वीकार किया कि कर धन असमानता को कम करने और राज्य विकास योजनाओं का समर्थन करने के अपने इच्छित लक्ष्यों को प्राप्त करने में विफल रहा है। इसी तरह, जब 2015 में संपत्ति कर को समाप्त कर दिया गया, तो वित्त मंत्री अरुण जेटली ने 2013-14 में कर की कम राजस्व प्राप्ति 1, 008 करोड़ रुपये पर प्रकाश डाला, जो सरकार के कुल कर राजस्व का 0.1% से भी कम था। जेटली ने तर्क दिया कि उच्च प्रशासनिक लागत और कम उपज वाले करों को अधिक कुशल विकल्पों के साथ प्रतिस्थापित किया जाना चाहिए।

7वीं शताब्दी ईसा पूर्व का एक प्राचीन मिस्र का पपीरस एक व्यक्ति की कहानी बताता है जो अपनी संपत्ति का कम मूल्यांकन करके विरासत करों से बचने का प्रयास करता है। इस तरह की चोरी की सजा-कोड़े मारना। आधुनिक, वैश्वीकृत दुनिया में, पूंजी की गतिशीलता जटिलता की एक और परत जोड़ती है। उच्च करों के कारण पूंजी पलायन हो सकता है, जहाँ धनी व्यक्ति दुबई जैसे कर-अनुकूल क्षेत्राधिकारों में बसने के लिए देश छोड़ देते हैं। यह नॉर्वे जैसे देशों में देखा गया है, जहाँ संपत्ति करों में वृद्धि के कारण कई उच्च-निवल-मूल्य वाले व्यक्ति विदेश चले गए। भारत में विदेश में स्थानांतरित होने वाले करोड़पतियों की संख्या में भी वृद्धि देखी गई है। 2023 में, लगभग 5, 100 भारतीय करोड़पति वित्तीय और कर-सम्बंधी कारणों का हवाला देते हुए विदेश चले गए। भारत में संपत्ति का एक बड़ा हिस्सा भूमि, अचल संपत्ति और सोने से जुड़ा हुआ है। इन परिसंपत्तियों को आसानी से समाप्त नहीं किया जा सकता है, जिससे सवाल उठता है कि व्यवहार में संपत्ति कर कैसे लागू किया जाएगा। **डॉ. सत्यवान सौरभ**

(शख्सियत)

आर्थिक सुधारों के जनक मनमोहन ने नए आर्थिक दौर को भी राह दिखाई

मनमोहन सिंह की 1990 के दशक की शुरूआत में भारत को उदारीकरण की राह पर लाने के लिए सराहना की गई, लेकिन प्रधानमंत्री के रूप में अपने 10 साल के कार्यकाल के दौरान भ्रष्टाचार के आरोपों पर आंखें मूंद लेने के लिए भी उनकी आलोचना की गई।

सौम्य और मृदुभाषी स्वभाव वाले मनमोहन सिंह भारत में आर्थिक सुधारों का सूत्रपात करने वाले शीर्ष अर्थशास्त्री और प्रधानमंत्री के तौर पर लगातार दो बार गठबंधन सरकार चलाने वाले कांग्रेस के पहले नेता के तौर पर याद किए जाएंगे। उनका बृहस्पतिवार को निधन हो गया। दुनिया के सबसे बड़े लोकतांत्रिक राष्ट्र के 10 वर्षों तक प्रधानमंत्री रहे सिंह को दुनिया भर में उनकी आर्थिक विद्वता तथा कार्यों के लिए सम्मान दिया जाता था। उन्होंने भारत के 14वें प्रधानमंत्री के रूप में वर्ष 2004 से 2014 तक 10 वर्षों तक देश का नेतृत्व किया। कभी अपने गांव में मिट्टी के तेल से जलने वाले लैंप की रोशनी में पढ़ाई करने वाले सिंह आगे चलकर एक प्रतिष्ठित शिक्षाविद बने।

मनमोहन सिंह की 1990 के दशक की शुरूआत में भारत को उदारीकरण की राह पर लाने के लिए सराहना की गई, लेकिन प्रधानमंत्री के रूप में अपने 10 साल के कार्यकाल के दौरान भ्रष्टाचार के आरोपों पर आंखें मूंद लेने के लिए भी उनकी आलोचना की गई। उनके करीबी सूत्रों की माने तो राहुल गांधी द्वारा दोषी राजनेताओं को चुनाव लड़ने की अनुमति देने के लिए अध्यादेश लाने के केंद्रीय मंत्रिमंडल के फैसले की प्रति फाड़ने के बाद सिंह ने लगभग इस्तीफा देने का मन बना लिया था। उस समय वह विदेश में थे। भाजपा द्वारा

सिंह पर अक्सर ऐसी सरकार चलाने का आरोप लगाया जाता था जो भ्रष्टाचार से घिरी हुई थी। पार्टी ने उन्हें मौनमोहन सिंह की संज्ञा दी थी और आरोप लगाया था कि उन्होंने अपने मंत्रिमंडल में भ्रष्ट नेताओं के खिलाफ नहीं बोला। अविभाजित भारत (अब पाकिस्तान) के पंजाब प्रांत के गाह गांव में 26 सितंबर, 1932 को गुरमुख सिंह और अमृत कौर के घर जन्मे सिंह ने 1948 में पंजाब में अपनी मैट्रिक की पढ़ाई पूरी की। उनका शैक्षणिक करियर उन्हें पंजाब से ब्रिटेन के कैंब्रिज तक ले गया जहां उन्होंने 1957 में अर्थशास्त्र में प्रथम श्रेणी ऑनर्स की डिग्री हासिल की। सिंह ने इसके बाद 1962 में ऑक्सफोर्ड विश्वविद्यालय के नाफील्ड कॉलेज से अर्थशास्त्र में डी.फिल की उपाधि प्राप्त की। उन्होंने अपने करियर की शुरूआत पंजाब विश्वविद्यालय और प्रतिष्ठित दिल्ली स्कूल ऑफ इकोनॉमिक्स के संकाय में अध्यापन से की। उन्होंने यूएनसीटीएडी सचिवालय में भी कुछ समय तक काम किया और बाद में 1987 और 1990 के बीच जिनेवा में साउथ कमीशन के महासचिव बने। वर्ष 1971 में सिंह भारत सरकार के वाणिज्य मंत्रालय में आर्थिक सलाहकार के रूप में शामिल हुए। इसके तुरंत बाद 1972 में वित्त मंत्रालय में मुख्य आर्थिक सलाहकार के रूप में उनकी नियुक्ति हुई। उन्होंने जिन कई सरकारी पदों पर काम किया उनमें वित्त मंत्रालय में सचिव; योजना आयोग के उपाध्यक्ष, भारतीय रिजर्व बैंक के गवर्नर, प्रधानमंत्री के सलाहकार और विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के अध्यक्ष के पद शाामिल हैं। उनके करियर का महत्वपूर्ण मोड़ 1991 में नरसिंह राव सरकार में भारत के वित्त मंत्री के रूप में सिंह की नियुक्ति था। आर्थिक सुधारों की एक व्यापक नीति शुरू करने में उनकी भूमिका को अब दुनिया भर में मान्यता प्राप्त है। बाद में सिंह को भारत के 14वें प्रधानमंत्री के रूप में देश का नेतृत्व करने के लिए चुना गया जब सोनिया गांधी ने इस भूमिका को संभालने से इनकार किया और अपनी जगह उनका चयन किया। उन्होंने 22 मई 2004 को प्रधानमंत्री के रूप में शपथ ली और 22 मई, 2009 को दूसरे कार्यकाल के लिए पद संभाला। इस युग में अभूतपूर्व विकास और समृद्धि की कहानी देखी गई, जहां यह माना जाता है कि उनके प्रधानमंत्रित्व काल में देश की आर्थिक वृद्धि सबसे अधिक थी। उनका राजनीतिक करियर 1991 में राज्यसभा के सदस्य के रूप में शुरू हुआ, जहां वह 1998 से 2004 के बीच विपक्ष के नेता रहे। उन्होंने इस साल (3 अप्रैल) को राज्यसभा में अपनी 33 साल लंबी संसदीय पारी समाप्त की।

दैनिक पंचांग

28 दिसम्बर 2024 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

ग्रह स्थिति — लग्नारंभ समय

सूर्य [illegible] में — मकर 07.55 बजे से

चंद्र [illegible] में — कुंभ 09.11 बजे से

मंगल [illegible] में — मीन [illegible] बजे से

बुध [illegible] में — मेष 12.44 बजे से

गुरु [illegible] में — वृष 14.21 बजे से

शुक्र [illegible] में — मिथुन 16.20 बजे से

शनि [illegible] में — कर्क 19.06 बजे से

राहु [illegible] में — सिंह 20.52 बजे से

केतु [illegible] में — कन्या [illegible] बजे से

राहुकाल 9.30 से 10.30 बजे तक — तुला 01.1[illegible] बजे से — वृश्चिक 03.29 बजे से — धनु 05.4[illegible] बजे से

शनिवार 2024 वर्ष का 363 वां दिन

दिशाशूल पूर्व ऋतु हेमन्त।

विक्रम संवत् 2081। शक संवत् 1946

मास पौष (दक्षिण भारत में मार्गशीर्ष) पक्ष कृष्ण

तिथि त्रयोदशी 03.32 बजे तक [illegible]। नक्षत्र अनुराधा 22.1[illegible] बजे [illegible]। योग शूल 22.22 बजे तक [illegible]। करण [illegible]

चन्द्रायु 24.7 घण्टे

रवि क्रान्ति दक्षिण 23° 16'

सूर्य दक्षिणायन

कलि अहर्गण 1872207

जूलियन दिन 2460672.5

कलियुग संवत् 5125

कल्पारंभ संवत् 1972949123

सृष्टि ग्रहारंभ संवत् 1955885123

वीरनिर्वाण संवत् 2551

हिजरी सन् 1446

महीना जमादि उस्सानी तारीख 25

विशेष प्रदोष व्रत, शनि प्रदोष[illegible]।

दिन का चौघड़िया				रात का चौघड़िया			
काल	05.55 से	07.23 बजे तक		लाभ	05.37 से	07.10 बजे तक	
शुभ	07.2[illegible] से	08.51 बजे तक		उद्वेग	07.10 से	08.42 बजे तक	
रोग	08.51 से	10.19 बजे तक		शुभ	08.42 से	10.14 बजे तक	
उद्वेग	10.19 से	11.46 बजे तक		अमृत	10.14 से	11.47 बजे तक	
चर	11.46 से	01.14 बजे तक		चर	11.47 से	01.19 बजे तक	
लाभ	01.14 से	02.42 बजे तक		रोग	01.19 से	02.51 बजे तक	
अमृत	02.42 से	04.10 बजे तक		काल	02.5[illegible] से	04.23 बजे तक	
काल	04.10 से	05.37 बजे तक		लाभ	04.23 से	05.5[illegible] बजे तक	

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभ, अमृत, लाभ शुभ; चर सामान्य; उद्वेग, रोग, काल अशुभ। [illegible] JagadGuru.com, Bangalore

एमडीएम का नमूना न रखने व कंपोजिट ग्रांट के दुरुपयोग पर दो प्रधानाध्यापक तलब

विद्यालय परिसर में गंदगी और शैक्षणिक स्तर में कमी को तत्काल दुरुस्त करने के बीएसए ने दिये निर्देश

स्वतंत्र चेतना

कौशांबी। मंझनपुर ब्लॉक के कंपोजिट विद्यालय अषाढ़ा, प्राथमिक विद्यालय बैशकांटी प्रथम व उच्च प्राथमिक विद्यालय बैशकांटी का शुक्रवार को बीएसए डा. कमलेंद्र कुमार कुशवाहा ने औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान कंपोजिट विद्यालय अषाढ़ा व प्राथमिक विद्यालय बैशकांटी प्रथम में कमियों व कार्यों में घोर लापरवाही पाए जाने पर दोनो प्रधानाध्यापकों को कारण बताओ नोटिस जारी कर स्पष्टीकरण तलब किया है। साथ ही उच्च प्राथमिक विद्यालय बैशकांटी में स्थिति संतोषजनक पाए जाने पर स्टाफ की सराहना करते हुए और बेहतर कार्य करने के निर्देश दिया।

बीएसए ने बताया कि कंपोजिट विद्यालय अषाढ़ा में निरीक्षण के दौरान कुल नामांकित 263 के सापेक्ष 215 बच्चे उपस्थित मिले, जो कक्षा-कक्ष से बाहर टहल रहे थे। शौचालय एवं विद्यालय परिसर अत्यन्त गंदा मिला। विद्यालय की छत पर घास उगी मिली। मध्यान्ह भोजन के अंतर्गत तहरी बनी थी, जिसका नमूना प्रधानाध्यापक राजकुमार द्वारा सुरक्षित नहीं रखा गया था। विद्यालय में शैक्षिक वातावरण का अभाव पाया गया। छात्रों का शैक्षिक स्तर अत्यन्त न्यून था।

निरीक्षण के दौरान छात्रों के शैक्षिक स्तर का आंकलन करते बीएसए डॉ. कमलेंद्र कुशवाहा

बच्चों के अंदर अनुशासन का अभाव मिला। विद्यालय की रंगाई-पुताई विगत कई वर्षों से नहीं करायी गयी। जब प्रधानाध्यापक से विगत तीन वर्षों की कंपोजिट ग्रांट की व्यय की धनराशि का बिल बाउचर एवं स्टाक पंजिका अवलोकन हेतु मांगा गया तो वह आधे अधूरे ही बिल बाउचर दिखा पाए। उनके द्वारा निपुण लक्ष्य के संदर्भ में कक्षा एक व दो के बच्चों का अलग-अलग कार्य योजना नहीं बनाया गया है। बीएसए ने प्रधानाध्यापक राज कुमार को कारण बताओं नोटिस निर्गत करते हुए विद्यालय में पायी गयी कमियों के सम्बंध में सुधार करते हुए अपना साक्ष्य स्पष्टीकरण सात कार्यदिवस के अन्दर बीएसए कार्यालय में उपलब्ध कराये जाने के निर्देश दिए है। प्राथमिक विद्यालय बैशकांटी प्रथम में निरीक्षण के दौरान नामांकित 241 के सापेक्ष 219 बच्चे उपस्थित मिले, जो अपनी कक्षाओं से बाहर मैदान में टहल रहे थे। शौचालय अत्यन्त गंदा मिला। मध्यान्ह भोजन के अंतर्गत तहरी बनी थी, जिसका नमूना प्रधानाध्यापक दिनेश कुमार द्वारा नहीं रखा गया था। विद्यालय में शैक्षिक वातावरण का अभाव मिला। बच्चों का शैक्षिक अधिगम स्तर अत्यन्त न्यून पाया गया। बच्चों के अन्दर अनुशासन का अभाव मिला। विद्यालय की रंगाई-पुताई विगत कई वर्षों से नहीं करायी गयी। प्रधानाध्यापक द्वारा बिल बाउचर एवं स्टाक पंजिका नहीं उपलब्ध कराया जा सका। निपुण लक्ष्य के सन्दर्भ में कोई सार्थक प्रयास नहीं किया जा रहा है। बीएसए ने कमियों पर प्रधानाध्यापक दिनेश कुमार को कारण बताओं नोटिस निर्गत करते हुए सात दिवस के अंदर स्पष्टीकरण उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। इसी प्रकार उच्च प्राथमिक विद्यालय बैशकांटी में निरीक्षण के दौरान शैक्षिक वातावरण सन्तोषजनक मिलने पर बीएसए ने विद्यालय स्टाफ के कार्यों की सराहना करते हुए नामांकन बढ़ाने, नामांकित बच्चों की उपस्थिति शत-प्रतिशत किये जाने तथा विद्यालय का शैक्षिक स्तर में और सुधार किये जाने हेतु निर्देश दिए।

पूर्व पीएम के किये गए कार्य को याद रखेगा देश : राशिद रिजवी

स्वतंत्र चेतना

करारी, कौशांबी। करारी कस्बा स्थित डॉ. रिजवी स्प्रिंगफील्ड स्कूल में शुक्रवार को देश के पूर्व प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह को नम आंखों से श्रद्धांजलि दी गयी। उनके द्वारा किये गए कार्य को याद किया गया। इस मौके पर सभी की आंखें नम थी।

डॉ. अख्तर हसन रिजवी एजुकेशनल ट्रस्ट के सचिव कर्रार हुसैन उर्फ राशिद रिजवी ने पूर्व पीएम द्वारा किये गए कार्यों को बताया।

उन्होंने बताया कि 1991 में वित्त मंत्री के रूप में डॉ. सिंह ने लाइसेंस राज को समाप्त कर दिया, जो दशकों से भारतीय अर्थव्यवस्था में धीमी आर्थिक वृद्धि और भ्रष्टाचार का स्रोत था। उन्होंने भारतीय अर्थव्यवस्था को उदार बनाया, जिससे विकास में नाटकीय रूप से तेजी आई। इसके बाद उपस्थित सभी अध्यापक सहित छात्र छात्राओं ने दो मिनट का मौन रख कर उनकी आत्मा की शांति के लिए ईश्वर से प्रार्थना की।

इस मौके पर विद्यालय के प्रधानाचार्य धर्मेंद्र कुमार, ओम शंकर पांडेय, अश्नीत कुमार, शमीम रजा, मो. आरिफ आदि अध्यापक सहित छात्र छात्राएं मौजूद रहे।

पिकअप की टक्कर से घायल बाइक सवार किशोर की मौत

स्वतंत्र चेतना

कौशांबी। मंझनपुर कस्बे के महामाया छात्रावास के समीप शुक्रवार को पिकअप की टक्कर से घायल बाइक सवार किशोर की मौत हो गई। किशोर की मौत से परिजनों में कोहराम मच गया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को पीएम के लिए भेज दिया है।

मंझनपुर कस्बा निवासी दिनेश त्रिपाठी का 17 वर्षीय पुत्र वैभव 11वीं का छात्र था। शुक्रवार की सुबह वह बाइक से मंदिर जाने की बात कहकर घर से निकला था। वापस लौटते समय कस्बे के महामाया छात्रावास के समीप उसकी बाइक में तेज रफ्तार पिकअप ने टक्कर मार दिया। हादसे में वैभव गंभीर रूप से घायल हो गया। सूचना पर पहुंचे परिजनों ने उसे आनन फानन भरवारी के एक निजी अस्पताल में इलाज के लिए भर्ती कराया। जहां उपचार के दौरान उसकी मौत हो गई। वैभव के मौत की जानकारी जैसे ही परिजनों को मिली तो उनमें कोहराम मच गया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को पंचनामा भर पोस्टमार्टम के लिए भेजकर कानूनी औपचारिकता पूरी की। किशोर की मौत से परिजनों का रो-रोकर हाल बेहाल है।

अंतर्राज्यीय तीन ठगों को पुलिस ने भेजा जेल

स्वतंत्र चेतना

कौशांबी। कोखराज पुलिस ने शुक्रवार को काजीपुर पानी टंकी के पास से तीन अंतर्राज्यीय ठगों को गिरफ्तार किया है। जिनके कब्जे से पुलिस ने सोने चांदी के जेवरात व नगदी समेत तीन फर्जी आधार कार्ड बरामद किया है। पुलिस ने सभी ठगों का विधिक कार्यवाही के पश्चात चालान न्यायालय भेजा। जहां से सभी को जेल भेज दिया गया है।

पत्रकारो से रूबरू चायल सीओ सतेंद्र तिवारी ने बताया कि थाना संदीपनघाट पुलिस एवं एसओजी की संयुक्त टीम ने मेले में श्रद्धालुओं से छल कर उन्हें नकली सोने के आभूषण देकर ठगी करने वाले तीन अंतर्राज्यीय ठगों को काजीपुर पानी टंकी के पास से गिरफ्तार किया है। ठगों के कब्जे से पुलिस ने दो किलो 482 ग्राम सोने की लरी व एक टिकिया, चांदी का एक सिक्का, 24 हजार 53 रुपए नगद तथा तीन फर्जी आधार कार्ड बरामद किया है। ठगों की पहचान कानपुर देहात जनपद के गजनेर थानांतर्गत शंकरपुर निवासी

बीरबल उर्फ मोहन शर्मा व राजू सिंह एवं मध्य प्रदेश के भोपाल जनपद के छोला मंदिर निवासी लक्ष्मी बंजारा के रूप में हुई है। सभी के खिलाफ थाना संदीपनघाट में अभियोग दर्जकर विधिक कार्यवाही के पश्चात जेल भेज दिया गया है।

बिना मान्यता के चल रहा स्कूल, इंटर पास बन बैठे शिक्षक

स्वतंत्र चेतना

भरवारी, कौशांबी। बिना मान्यता के चल रहे विद्यालयों के खिलाफ बेसिक शिक्षा विभाग ने भरपूर अभियान चलाया फिर भी विभाग को चकमा देकर मूरतगंज ब्लॉक का एक विद्यालय नौनिहालों के भविष्य को दांव पर लगाए बैठा है। मूरतगंज ब्लॉक के मारूफपुर गांव स्थित ए.डी. कान्वेंट स्कूल में कक्षा आठ तक की कक्षाएं संचालित हो रही हैं। विद्यालय में करीब 250 की संख्या में छात्र पढ़ रहे हैं। विद्यालय के बाहर लगे बोर्ड में न ही यू-डायस नंबर दर्ज है और न ही उ.प्र. सरकार द्वारा मान्यता प्राप्त का कोई जिक्र है। विद्यालय में हाई स्कूल और इंटर पास अप्रशिक्षित शिक्षक नौनिहालों के भविष्य से खिलवाड़ कर रहे हैं। मान्यता के सम्बंध में जब विद्यालय संचालक संतलाल से पूंछा गया तो वह कोई जवाब नही दे सके। अभिभावकों का कहना है कि स्कूल के पास मान्यता नहीं है, उसके बाद भी वो अपनी यूनिफार्म बच्चों को बेच रहे है। किताबों के लिए भी वेंडर निर्धारित कर रखे हैं। सूत्रों का कहना है कि ए.डी. कान्वेंट स्कूल परिसर में ही बीड़ी का गोदाम भी बनाया गया। जहां क्षेत्र में अलग-अलग जगह से बनाई गई बीड़ियों का भंडारण भी होता है। मूरतगंज ब्लॉक के प्रभारी खंड शिक्षा अधिकारी प्रमोद कुमार गुप्ता ने बताया कि प्रकरण की जांच कराकर मान्यता न होने पर नियमानुसार विभागीय कार्यवाही की जाएगी।

शिक्षक ने छात्रों को बांटी ऊनी टोपी

स्वतंत्र चेतना

कौशांबी। कड़ा ब्लॉक के कंपोजिट विद्यालय चक सैनी में शुक्रवार को शिक्षक धनंजय साहू ने निजी मद से ठंड के मौसम में 30 विद्यार्थियों की परेशानी को देखते हुए निःशुल्क ऊनी टोपी का वितरण किया। प्रधानाध्यापक पुष्पा देवी ने बताया कि शिक्षक धनंजय साहू इसके पूर्व में भी छात्रों के लिए निजी मद से विभिन्न उपयोगी वस्तुओं का वितरण कर चुके हैं। इस अवसर पर शिक्षक राजेश सिंह, सुधीर कुमार, योगेंद्र सिंह, सतीश कुमार, लाल सिंह यादव, सोनी गुप्ता व ब्लॉक एआरपी प्रभाकर मिश्रा मौजूद रहे।

बीआरसी चायल में हुआ शोक सभा का आयोजन

चायल के विद्यालय में शोक सभा के दौरान मौजूद छात्र

स्वतंत्र चेतना

कौशांबी। खंड शिक्षा अधिकारी चायल के नेतृत्व में ब्लॉक संसाधन केंद्र चायल एवं प्राथमिक विद्यालय चायल में भारत देश के पूर्व प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह के देहावसान होने पर शोक सभा आयोजित की गई। शोक सभा में विद्यालय के बच्चों को उनके जीवन काल की उपलब्धियों के विषय में बताते हुए भारत देश के लिए उनके अतुलनीय योगदान के बारे में विस्तार से जानकारी प्रदान की गई। इसी के साथ प्राथमिक विद्यालय रैया देहमाफी में गुरुवार को असमय दिवंगत हुए कक्षा आठ के छात्र इरफान अहमद को याद करते हुए श्रद्धांजलि अर्पित की गई। इस मौके पर खंड शिक्षा अधिकारी चायल हिना सिद्दीकी, बीआरसी चायल का समस्त स्टाफ एवं प्राथमिक विद्यालय चायल के समस्त स्टाफ सहित विद्यालय के बच्चों ने दो मिनट का मौन रख दिवंगत की आत्मा की शांति हेतु ईश्वर से प्रार्थना की।

जिला स्तरीय कहानी सुनाओ प्रतियोगिता का हुआ आयोजन

स्वतंत्र चेतना

कौशांबी। जिला शिक्षा प्रशिक्षण संस्थान में डायट प्राचार्य निधि शुक्ला के नेतृत्व में जनपद स्तरीय कहानी सुनाओ प्रतियोगिता आयोजित की गई। जिसमें जनपद के प्रत्येक ब्लॉक से गूगल फॉर्म के माध्यम से आवेदन किये गए प्राथमिक व उच्च प्राथमिक विद्यालयों के अध्यापकों ने भाग लिया। प्रतियोगिता की थीम कुंभ मेले में आस्था, परंपरा और मानव जीवन के बदलते पहलू के आधारित विषय कुंभ मेले में आध्यात्मिकता और विज्ञान के संगम की खोज रखी गई थी। इस दौरान अध्यापकों द्वारा शानदार कहानी प्रस्तुत की गई। प्रतियोगिता में प्राथमिक विद्यालय स्तर पर शिवाली श्रीवास्तव व उच्च प्राथमिक स्तर पर संध्या शुक्ला उच्च प्राथमिक विद्यालय घडियालीपुर कड़ा का चयन हुआ। निर्णायक मंडल में श्री दुर्गा देवी इंटर कॉलेज ओसा के प्रवक्ता छोटे लाल, श्री मानसिंह इंटर कॉलेज अलीपुरजीता के प्रवक्ता रंजीत यादव व श्री लालबहादुर शास्त्री इंटर कॉलेज चायल के सहायक अध्यापक उमेश कुमार रहे।

पावर हाउस में कैंप लगाकर किया गया पंजीकरण

स्वतंत्र चेतना

देवीगंज, कौशांबी। कमालपुर पावर हाउस क्षेत्र में शुक्रवार को अवर अभियंता विद्युत राजपत रजक की मौजूदगी में एकमुश्त समाधान योजना का लाभ लेते हुए उपभोक्ताओं ने पंजीकरण कराकर बिल का भुगतान किया। एकमुश्त समाधान योजना के तहत कमालपुर पावर हाउस अंतर्गत दारानगर, कमालपुर गांव, मीरापुर तकिया व अन्य जगहों से उपभोक्ताओं ने पावर हाउस में पंजीकरण कराया। समाधान योजना के तहत लोगों को बिजली बिल में छूट देकर 13.65 हजार विद्युत बिल जमा कराया गया। इस मौके पर एसडीओ रावेंद्र प्रताप व लाइनमैन मौजूद रहे।

बड़े बकायेदारों के काटे गए कनेक्शन

विजलेंस और अवर अभियंता की संयुक्त टीम ने छापेमारी कर की कार्यवाही

स्वतंत्र चेतना

करारी, कौशांबी। मंझनपुर ब्लाक के गोपाल मिश्र के पुरवा गांव में शुक्रवार को विजलेंस और बिजली विभाग के अधिकारियों ने छापा मारकर कार्यवाही करते हुए तीन दर्जन कनेक्शन काट दिए। एक लाख के ऊपर के बकायेदारों का कनेक्शन काटते हुए अधिकारियों ने जल्द से जल्द बकाया बिल जमा करवाने की बात कही है।

गोपाल मिश्र के पुरवा गांव में विजलेंस के जेई राजेंद्र दिवाकर और करारी अवर अभियंता अमर सिंह ने अपने टीम के साथ गांव में अभियान चलाकर छोएमारी की। इस दौरान गांव में अफरा तफरी का माहौल कायम रहा।

एक लाख के ऊपर 15 बकायेदारों का कनेक्शन काटा गया तो एक लाख के नीचे वाले 21 लोगों का कनेक्शन काट दिया गया। इसके साथ ही चेतावनी देते हुए अधिकारियों ने साफ शब्दों में कहा कि यदि बकायेदार उपभोक्ता बिजली का बिल नहीं जमा करेगा तो उसका कनेक्शन नहीं जोड़ा जाएगा।

जेई अमर सिंह और विजलेंस के जेई राजेंद्र दिवाकर ने बकायेदारों को एक मुश्त योजना का लाभ उठाकर बिल जमा करवाने की बात कही। साथ ही ब्याज छूट होने की बात बताई। इस दौरान एक दर्जन कर्मचारी मौजूद रहे।

हृदयघात से शिक्षामित्र की मौत

स्वतंत्र चेतना

कौशांबी। सिराथू ब्लॉक के कंपोजिट विद्यालय तेरहरा में तैनात शिक्षामित्र चंद्रसेन सिंह की बीती रात हृदयघात होने पर परिजन इलाज हेतु उन्हें प्रयागराज ले गए। जहां उपचार के दौरान चिकित्सकों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। उनका अंतिम संस्कार शुक्रवार को उनके पैतृक निवास खोजवापुर में किया गया।

ग्राम चैपाल में योजनाओ की जागरूकता से आम जन हो रहा लाभान्वित

चेतना समाचार सेवा

कौशांबी। जनपद की ग्राम पंचायतों में संपन्न हो रही ग्राम चैपाल एवं अभियान के माध्यम से सरकार द्वारा संचालित योजनाओं जैसे-पल्स पोलियो अभियान, टी0बी0 उन्मूलन कार्यक्रम, फैमिली आई0डी0, फार्मर रजिस्ट्री, गोल्डेन कार्ड, प्रधानमंत्री एवं मुख्यमंत्री आवास योजना, कन्या सुमंगला योजना, वृद्धा, विधवा, विकलांग पेंशन, मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना, स्वच्छ भारत अभियान, राष्ट्रीय सर्वेक्षण, स्वयं सहायता समूह एवं पीएम विश्वकर्मा योजना सहित आदि विभिन्न योजनाओं को जन-जन तक पहुॅचाकर जनपदवासियों को लाभान्वित किया जा रहा है। जनपद के ग्राम प्रधानों ने जिलाधिकारी के कार्यों से खुशी व्यक्त की गई है ।

बिहार में संस्कृत प्रवक्ता बने आशुतोष

स्वतंत्र चेतना

मंझनपुर, कौशांबी। पश्चिम शरीरा कस्बा निवासी आशुतोष मिश्रा का बिहार में संस्कृत प्रवक्ता के पद पर चयन हुआ है। इनकी सफलता से परिवार व परिचितों में खुशी है।

आशुतोष मिश्र की हाईस्कूल व इंटर की पढ़ाई कस्बे के जिला पंचायत इंटर कॉलेज से हुई है। इसी बीच इनके पिता बसंत लाल मिश्र का निधन हो गया। पिता की मौत के बाद आशुतोष थोड़ा प्रभावित हुए, लेकिन पढ़ाई जारी रखा। इलाहाबाद विश्वविद्यालय से स्नातक व परास्नातक करने के बाद बुदेलखंड विश्वविद्यालय से संस्कृत में बीएड व एमएड किया। बीते साल इन्होंने बिहार प्रांत से प्रवक्ता पद के

लिए निकली भर्ती में आवेदन किया। इसके बाद हुई परीक्षाओं के परिणाम बृहस्पतिवार की शाम को घोषित किए गए। जिसमें आशुतोष का प्रवक्ता के पद पर चयन हो गया। जानकारी होते ही परिवार व परिचितों में खुशी है। तीन भाई में आशुतोष सब से छोटे हैं।

छज्जा गिरने से किशोर की मौत

स्वतंत्र चेतना

सरांय अकिल, कौशांबी। सरांय अकिल कोतवाली क्षेत्र के अकबराबाद गुहौली गांव में शुक्रवार को छत पर टहल रहे किशोर की छज्जा के साथ नीचे गिरने से मौत हो गई। मामले की जानकारी मिलते ही परिजनों में कोहराम मच गया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को पंचनामा भर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

अकबराबाद गुहौली गांव निवासी दुर्गेश (14) पुत्र स्व. मोतीलाल शुक्रवार दोपहर छत पर टहल रहा था। जैसे ही वह छत के बारजे पर पहुंचा कि छज्जा अचानक भरभराकर नीचे गिर गया। छज्जे के साथ दुर्गेश भी नीचे आ गिरा। जब तक परिजन उसे इलाज के लिए अस्पताल पहुंचाते तब तक दुर्गेश ने तड़प-तड़पकर मौके पर ही दम तोड़ दिया। दुर्गेश की मौत होते ही परिजनों में कोहराम मच गया। सूचना पर पहुंचे कनैली चैकी इंचार्ज दिलीप कुमार सिंह ने पूछताछ के बाद शव को पंचनामा कर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। दुर्गेश की मौत से परिजनों का रो-रोकर हाल बेहाल है।

संक्षिप्त समाचार

नंदन डेनिम लिमिटेड का व्यापार विस्तार और विकास पर लक्ष्य

अहमदाबाद, एजेंसी। नंदन डेनिम लिमिटेड (बीएसई- 538598), उच्च-गुणवत्ता वाले स्ट्रेच डेनिम कपड़े का एक प्रमुख आपूर्तिकर्ता, बांग्लादेश में राजनीतिक उथल-पुथल के कारण वैकल्पिक मेनूफेक्चरिंग केंद्रों की ओर एक उल्लेखनीय बदलाव देख रहा है। अपनी मजबूत मेनूफेक्चरिंग क्षमताओं के लिए जाने जाने वाले भारत के कपड़ा केंद्र इस बदलाव के प्रमुख लाभार्थी के रूप में उभर सकते हैं। पुनर्संरचित सप्लाई चेन का संभावित लाभ सतत और पारदर्शी स्रोत प्रथाओं पर जोर देने वाले व्यापक रुझानों के साथ मेल खाता है। जिन क्षेत्रों में अच्छी इन्फ्रास्ट्रक्चर और मजबूत अनुपालन तंत्र हैं, उन्हें काफी फायदा हो सकता है। 2025 तक, प्रमुख बाजारों जैसे संयुक्त राज्य अमेरिका, यूरोप और मध्य पूर्व में बढ़ती मांग से प्रेरित होकर, कपड़ा उद्योग में निर्यात में उल्लेखनीय वृद्धि देखने की उम्मीद है। भारत का कपड़ा निर्यात 2025 तक 45 बिलियन डॉलर तक पहुँचने का अनुमान है, जो 2020 में 38 बिलियन डॉलर के आंकड़े से अधिक है। यह वृद्धि भारत की प्रतिस्पर्धी मेनूफेक्चरिंग लागत, कुशल श्रम शक्ति और अपनी निर्यात-अनुकूल नीतियों को मजबूत करने के प्रयास से प्रेरित है। इससे पहले, कंपनी ने वित्त वर्ष 2025 की दूसरी तिमाही ओर पहली छमाही के लिए शानदार वित्तीय परिणाम घोषित किए थे । 30 सितंबर, 2024 को समाप्त तिमाही (स्वतंत्र) के लिए, परिचालन से राजस्व 82025.08 लाख रुपये पर बताया गया था जो साल दर साल 105 प्रतिशत की वृद्धि दर्शाता है। एबिटा में 12 प्रतिशत की सालाना वृद्धि हुई, जो 3446.55 लाख रुपये हो गई। शुद्ध लाभ में 7 प्रतिशत की सालाना वृद्धि हुई, जो 820 लाख रुपये से बढ़कर 877.75 लाख रुपये हो गई।30 सितंबर, 2024 को समाप्त छमाही (स्वतंत्र) के लिए, परिचालन से राजस्व 157187.40 लाख रुपये पर बताया गया था जो सालाना 62.25 प्रतिशत की वृद्धि दर्शाता है। एबिटा में 43.98 प्रतिशत की सालाना वृद्धि हुई, जो 6894.83 लाख रुपये हो गई। शुद्ध लाभ में 64.23 प्रतिशत की सालाना वृद्धि हुई, जो 990.63 लाख रुपये से बढ़कर 1626.88 लाख रुपये हो गई।

2024 कलर्स के लिए साहसिक कदमों और यादगार पलों का साल रहा

मुंबई, एजेंसी। 2024 कलर्स के लिए साहसिक कदमों और यादगार पलों का साल रहा है, जहां महिलाओं ने न केवल भूमिकाओं को निभाया है, बल्कि उसे जिया भी है। इस साल जो बात सबसे अलग रही, वह थी प्रमुख महिला किरदार जिन्होंने बाधाओं को तोड़ा, रूढ़िवादी सोच को नकारा और बेबाक दृढ़ता दिखाई। मंगल के अपनी बहन लक्ष्मी की रक्षा करने के अडिग दृढ़ संकल्प से लेकर दुर्गा के सामाजिक उम्मीदों के बंधनों को तोड़ने तक, कलर्स ने हमारे लिए ऐसे महिला किरदारों को पेश किया है, जिन्होंने मजबूत होने की नई परिभाषाएं गढ़ी हैं। दुर्गा की घोषणा, मेरे पास अधिकार है, दर्शकों के कानों में गूंजी क्योंकि उसने सुनिश्चित किया कि उसकी आवाज सुनी जाए। चाहे प्यार को लेकर बुलबुल का भयंकर संघर्ष हो या ताकत के खेल में सुमन का साहस, ये महिलाएं सिर्फ किरदार नहीं थीं- वे प्रतीक थीं। जबकि मेघा, परिणीत और कृष्णा जैसे किरदारों की क्षमता ने आज की कहानियों में नारी शक्ति की गहराई और विविधता के बारे में बहुत कुछ कहा, कलर्स की कहानियों ने हमें दयालु मिश्री, साहस की किरण मेघा, और अपने पिता के सपने को साकार करने वाली अपोलीना भी दी - यह साबित करते हुए कि धीरज के कई रूप होते हैं।

एलन मस्क और विकिपीडिया का मामला फिर से सामने आया

मस्क ने कहा है कि एक बिलियन डॉलर का ऑफर अभी भी खुला है

● **यह मामला पिछले साल सामने आया था जब मस्क ने ऑफर दिया था**

नई दिल्ली, एजेंसी। दुनिया के सबसे अमीर शख्स और टेस्ला के सीईओ एलन मस्क लगातार किसी न किसी बात को लेकर चर्चा में बने रहते हैं। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट करके फिर से हलचल मचा दी है। यह पोस्ट विकिपीडिया से जुड़ी है। एक्स पर एक यूजर ने विकिपीडिया को लेकर मस्क से सवाल पूछा था। मस्क ने उस सवाल का जवाब बड़े अनोखे तरीके से दिया।

दरअसल, मस्क चाहते हैं कि विकिपीडिया अपना नाम बदल ले। यह बात पिछले साल एक्स पर एक पोस्ट के जरिए कही थी। उन्होंने लिखा था, 'अगर विकिपीडिया अपना नाम बदलकर डिकिपीडिया करता है तो मैं उसे एक अरब डॉलर दूंगा।' इस ऑफर के बाद सोशल मीडिया पर तरह-तरह की प्रतिक्रियाएं आने लगी थीं। मस्क ने ट्विटर को खरीदने के बाद उसका नाम बदलकर एक्स कर दिया था।

मस्क ने अब क्या कहा- एक्स पर डॉग डिजाइनर नाम के एक यूजर ने एक पोस्ट में लिखा, एलन मस्क ने एक बार विकिपीडिया को अपना नाम बदलकर 'डिकिपीडिया' करने के लिए एक बिलियन डॉलर की पेशकश की थी। मस्क ने इस यूजर की पोस्ट का जवाब दिया। उन्होंने लिखा, यह ऑफर अभी भी खुला है। एक अरब डॉलर का मतलब है 8528 करोड़ रुपये। विकिपीडिया ने मस्क के इस ऑफर पर कोई प्रतिक्रिया नहीं दी है।

क्या है पूरा मामला

विकिपीडिया कई तरह की जानकारी इंटरनेट यूजर्स को मुहैया कराता है। यह कोई विज्ञापन नहीं दिखाता। विकिपीडिया का दावा है कि यह क्राउडफंडिंग के जरिए अपना खर्च चलाता है। यह अपने पेज पर क्राउडफंडिंग के जरिए रकम डोनेट करने की मांग करता है। इसे लेकर साल 2023 ने एलन मस्क ने एक्स पर एक पोस्ट लिखी थी, जिसमें उन्होंने कहा था कि अगर विकिपीडिया अपना नाम बदलकर डिकिपीडिया करता है तो वह उसे एक अरब डॉलर देंगे। उन्होंने एक और पोस्ट में लिखा था कि विकिपीडिया को यह नाम एक साल के लिए बदलना होगा।

मस्क ने क्यों किया ऐसा

मस्क ने विकिपीडिया और उसके मूल संगठन विकिमीडिया फाउंडेशन की खुलेआम आलोचना की थी। साथ ही उनके धन उगाहने के तरीकों पर सवाल उठाए थे। तब मस्क ने कहा था, 'क्या आपने कभी सोचा है कि विकिपीडिया फाउंडेशन इतना पैसा क्यों चाहता है विकिपीडिया को ऑपरेट करने के लिए इसकी जरूरत नहीं है। लोग जानना चाहते हैं कि आप सचमुच अपने फोन से कुछ भी लिख सकते हैं ! तो पैसे क्यों चाहिए'

साल 2025 में रिलायंस से छिन सकता है खास खिताब, टाटा की कंपनी दे रही है टक्कर

नई दिल्ली, एजेंसी। जैसे-जैसे साल 2024 बीत रहा है, मुकेश अंबानी के सामने कुछ अच्छी तो कुछ बुरी खबरें आ रही हैं। अंबानी की कंपनी रिलायंस इंडस्ट्रीज इस समय बड़े नुकसान में चल रही है। कंपनी का रिटर्न इस साल नेगेटिव रहने वाला है। कंपनी को

पिछले एक साल में 5 फीसदी से ज्यादा नुकसान हो चुका है। वहीं दूसरी ओर टाटा ग्रुप की एक कंपनी रिलायंस इंडस्ट्रीज से आगे निकलने की होड़ में है।

अगर रिलायंस इंडस्ट्रीज को इसी तरह से नुकसान होता रहा तो वह दिन दूर नहीं जब यह कंपनी देश की सबसे मूल्यवान कंपनी का खास दर्जा खो देगी। हो सकता है कंपनी यह दर्जा साल 2025 में ही खो दे। वहीं दूसरी ओर टाटा ग्रुप की कंपनी टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस) तेजी से आगे बढ़ रही है। इन दोनों कंपनियों के मार्केट कैप का अंतर बहुत ज्यादा नहीं रह गया है।

कितना है रिलायंस का मार्केट कैप- गुरुवार को रिलायंस इंडस्ट्रीज के शेयरों में 0.47 प्रतिशत की गिरावट आई। इस गिरावट के साथ यह शेयर 1217 रुपये पर बंद हुआ। पिछले एक महीने में रिलायंस के शेयर में 6 फीसदी की गिरावट आ चुकी है। इसके साथ गुरुवार को कंपनी का मार्केट कैप 16.45 लाख करोड़ रह गया। पिछले एक साल में कंपनी के शेयरों में 5.59 प्रतिशत की गिरावट आई है। इससे कंपनी के मार्केट कैप में ज्यादा गिरावट आई।

कितना है टीसीएस का मार्केट कैप

टीसीएस इस समय देश की दूसरी सबसे ज्यादा मार्केट कैप वाली कंपनी है। गुरुवार को इसके भी शेयर में भी गिरावट आई। यह गिरावट 0.23 प्रतिशत रही। इस गिरावट के साथ कंपनी के शेयर 4170 रुपये पर बंद हुए। पिछले एक महीने में कंपनी के शेयर में 4.20 प्रतिशत की गिरावट आ चुकी है।

गुरुवार को टीसीएस का मार्केट कैप 15.08 लाख करोड़ रुपये था। पिछले एक साल में कंपनी ने निवेशकों को मुनाफा दिया है। एक साल में कंपनी के शेयर में 9.87 प्रतिशत की तेजी आई है।

कितना बचा दोनों कंपनियों में अंतर

देश की दो सबसे मूल्यवान कंपनियों के मार्केट कैप में बहुत ज्यादा अंतर नहीं है। यह अंतर मात्र 1.37 लाख करोड़ रुपये का है। अगर रिलायंस को इसी तरह नुकसान होता रहा, तो यह जल्द ही देश की सबसे मूल्यवान कंपनी का दर्जा खो सकती है। ऐसे में यह जगह टीसीएस ले लेगी।

'शार्क टैंक इंडिया वाकई एक ऐसा मंच है, जो नई सोच को बढ़ावा देता है: अमन गुप्ता

शार्क टैंक इंडिया 4 के नये सीजन में उद्यमियों को अपने अभिनव आइडिया दिखाने और शार्क्स के सामने अपने बिजनेस पिच करने के नये मौके मिलेंगे

मुंबई, एजेंसी। शार्क टैंक इंडिया का सीजन 4 कारोबार की नई ऊर्जा और जुनून को बढ़ावा देने के लिए तैयार है। बोट लाइफस्टाइल के को-फाउंडर और सीएमओ अमन गुप्ता ने इस सीजन को लेकर अपना उत्साह व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि यह शो न केवल नए उद्यमियों को अपने अनोखे विचार प्रस्तुत करने का मौका देता है, बल्कि दर्शकों के लिए भी व्यवसायिक सोच और प्रेरणा का एक शानदार जरिया है।अमन गुप्ता ने शो के बारे में समझाते हुए कहा, ''शार्क टैंक इंडिया वाकई एक ऐसा मंच है, जो नई सोच को बढ़ावा देता है। इस सीजन में हमने कई अलग-अलग क्षेत्रों की झलक देखी है। यह शो न केवल उद्यमियों को अपने आइडिया पेश करने का अवसर देता है, बल्कि दर्शकों को भी व्यापार की रणनीतियों, नए विचारों और बाजार की जरूरतों को समझने का मौका मिलता है। नया सीजन उन बदलावों पर ध्यान देगा जो उद्योगों में नई राह दिखा सकते हैं। यह भारतीय स्टार्टअप्स के लिए नए मौके बनाएगा और बड़ी समस्याओं के समाधान में उनकी मदद करेगा। शार्क्स के साथ चर्चा और उनके सुझावों के जरिए उद्यमी अपने आइडिया को बेहतर बनाते हैं। साथ ही, दर्शकों को भी नए ट्रेंड्स के बारे में जानने और अपनाने का मौका मिलता है। हमारा मकसद है कि ज्यादा से ज्यादा लोगों को प्रेरित किया जाए और उन्हें नई संभावनाओं की ओर बढ़ने का रास्ता दिखाया जाए। शार्क टैंक इंडिया वाकई नए और उपयोगी समाधान खोजने की प्रेरणा बन रहा है।'' शार्क टैंक इंडिया नई खोज वाले आइडिया दिखाते हुए एंटरप्रेन्योर्स तथा दर्शकों के लिये ऐसा मंच बनने पर ध्यान देगा, जहाँ वे कारोबार के उभरते ट्रेंड्स की जानकारी प्राप्त कर सकें। इससे वे उद्यमिता के भविष्य की कल्पना करने में सक्षम होंगे।

शार्क टैंक इंडिया 4 के नये सीजन में उद्यमियों को अपने अभिनव आइडिया दिखाने और शार्क्स के सामने अपने बिजनेस पिच करने के नये मौके मिलेंगे। इस साल शार्क्स के पैनल में होंगे पीपुल ग्रुप के फाउंडर और सीईओ अनुपम मित्तल, बोट लाइफस्टाइल के को-फाउंडर और सीएमओ अमन गुप्ता, एम्क्योर फार्मास्युटिकल्स की एक्जीक्यूटिव डायरेक्टर नमिता थापर, ओयो के फाउंडर और ग्रुप सीईओ रितेश अग्रवाल, लेंसकार्ट के को-फाउंडर और सीईओ पियूष बंसल, शुगर कॉस्मेटिक्स की को-फाउंडर और सीईओ विनीता सिंह, इनशॉर्ट्स के को-फाउंडर एवं चेयरमैन अजहर इकबाल, एको के फाउंडर और सीईओ वरुण दुआ, स्नैपडील और टाइटन कैपिटल के को-फाउंडर और यूनिकॉमर्स के प्रमोटर कुणाल बहल, वीबा/ वीआरबी कंज्यूमर प्रोडक्ट्स के फाउंडर एवं मैनेजिंग डायरेक्टर विराज बहल।

सालाना 15 लाख तक कमाने वालों को मिलेगी इनकम टैक्स में छूट ! बजट में हो सकता है ऐलान

नई दिल्ली, एजेंसी। सरकार मिडिल क्लास को भी इनकम टैक्स में छूट दे सकती है। हालांकि इस बारे में अभी कोई फैसला नहीं लिया गया है। माना जा रहा है कि सरकार 1 फरवरी को पेश होने वाले आम बजट में इस बारे में कोई ऐलान कर सकती है। यह जानकारी इकनॉमिक टाइम्स ने रॉयटर्स के हवाले से दी है। इसमें बताया गया है कि सरकार सालाना 15 लाख रुपये कमाने वाले को भी इनकम टैक्स में छूट दे सकती है। सरकार मिडिल क्लास को टैक्स से राहत देना चाहती है। वहीं सरकार का प्लान है कि मंदी के कारण उपभोग को बढ़ावा दिया जाए। इन्हीं वजहों के कारण सरकार 15 लाख रुपये तक कमाने वाले मध्यम वर्ग को इनकम टैक्स में छूट देने का विचार कर रही है। अगर ऐसा होता है तो इससे लाखों टैक्सपेयर्स को फायदा होगा।

कितनी होगी कटौती- सालाना 15 लाख रुपये तक कमाने वाले को इनकम टैक्स में कितनी छूट मिलेगी, इस बारे में

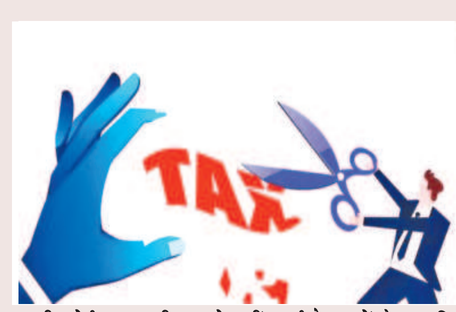

अभी कोई जानकारी सामने नहीं आई है। सूत्रों के मुताबिक अभी किसी भी कटौती के आकार पर कोई फैसला नहीं लिया गया है। इस बारे में जो भी फैसला होगा, वह 1 फरवरी को पेश होने वाले आम बजट में बता दिया जाएगा।

अभी देना पड़ता है काफी टैक्स- अभी इनकम टैक्स चुनने की दो व्यवस्थाएं हैं। पहली पुरानी और दूसरी नई। नई व्यवस्था साल 2020 से शुरू हुई थी। इसमें एचआरए जैसी सुविधाओं पर कोई छूट नहीं मिलती। नई व्यवस्था में सालाना 3 लाख रुपये की कमाई से लेकर 15 लाख रुपये तक की कमाई पर 5 से 20 फीसदी टैक्स लगाया जाता है। इससे ज्यादा कमाई पर 30 फीसदी की दर से इनकम टैक्स देना होता है।

अर्थव्यवस्था के लिए भी बेहतर कदम!- सरकार अगर मिडिल क्लास के लिए इनकम टैक्स में कटौती करती है तो इससे ऐसे लोगों के हाथों में ज्यादा पैसा आएगा। यह पैसा देश की अर्थव्यवस्था को गति देने में मदद कर सकता है। दरअसल, सितंबर तिमाही में देश की जीडीपी पिछली 7 तिमाहियों के मुकाबले काफी कम रही है। अगर लोगों के हाथ में ज्यादा पैसा आएगा तो वे ज्यादा खर्च कर सकेंगे। इससे देश की अर्थव्यवस्था बेहतर होगी।

मिडिल क्लास पर मेहरबानी क्यों

सरकार को इस समय मिडिल क्लास से कई तरह की आलोचना का सामना करना पड़ रहा है। महंगाई की मार मिडिल क्लास पर ही सबसे ज्यादा पड़ रही है। मिडिल क्लास को सरकार की तरफ से खास राहत भी नहीं मिल रही है। महंगाई के मुकाबले वेतन में वृद्धि कम हो रही है। महंगाई की वजह से साबुन और शैंपू से लेकर कारों और दोपहिया वाहनों तक की मांग कम रही है। इन चीजों का मिडिल क्लास ही सबसे बड़ा ग्राहक है। ऐसे में सरकार इनकम टैक्स में छूट देकर मिडिल क्लास को खुश करना चाहती है।

1 लाख रुपये के 1 करोड़ रुपये तक बनाए, टाटा के दिग्गजों ने किया मालामाल

नई दिल्ली, एजेंसी। मजबूत फंडामेंटल्स, अच्छी लीडरशिप और बेहतरीन कॉरपोरेट गवर्नेंस वाली कंपनियों ने लंबी अवधि में निवेशकों को छप्परफाड़ रिटर्न दिया है। जिन निवेशकों ने भी ऐसी कंपनियों पर दांव लगाया और अपने इनवेस्टमेंट को लॉन्ग टर्म तक बनाए रखा, उनके लगाए कुछ लाख रुपये अब करोड़ों में पहुंच गए हैं। हम आपको टाटा ग्रुप की ऐसी 3 कंपनियों के बारे में बता रहे हैं, जिनमें 15 साल पहले लगाए गए 1 लाख रुपये अब 1 करोड़ रुपये से ज्यादा तक बन चुके हैं। हम आपको टाटा ग्रुप की कंपनियों टाइटन , ट्रेंट लिमिटेड और टाटा एलेक्सी के परफॉर्मेंस के बारे में बता रहे हैं।

टाटा एलेक्सी ने 1 लाख रुपये के बनाए 1.1 करोड़ रुपये- टाटा ग्रुप की कंपनी टाटा एलेक्सी ने पिछले 15 साल में 1 लाख रुपये के निवेश को 1.14 करोड़ रुपये बना दिया है। टाटा एलेक्सी के शेयरों ने यह कमाल बोनस शेयर के दम पर दिखाया है। टाटा ग्रुप की इस कंपनी के शेयर 18 दिसंबर 2009 को 120.70 रुपये पर थे। अगर किसी व्यक्ति ने उस समय 1 लाख रुपये से कंपनी के शेयर खरीदे होते तो उसे 828 शेयर मिलते। कंपनी ने सितंबर 2017 में 1:1 के रेशियो में बोनस शेयर दिए हैं। यानी, कंपनी ने हर 1 शेयर पर 1 बोनस शेयर बांटा है। अगर इन बोनस शेयरों को जोड़ लें तो 1 लाख रुपये से खरीदे गए शेयरों की कुल संख्या 1,656 हो जाती है। टाटा एलेक्सी के शेयर 26 दिसंबर 2024 को 6892.25 रुपये पर बंद हुए हैं। करेंट शेयर प्राइस के हिसाब से इन शेयरों की मौजूदा वैल्यू 1.14 करोड़ रुपये है।

टाइटन के शेयरों ने 1 लाख रुपये के बना दिए 99 लाख रुपये

टाटा ग्रुप की कंपनी टाइटन के शेयरों ने पिछले 15 साल में ताबड़तोड़ रिटर्न दिया है। कंपनी के शेयरों ने इस अवधि में 1 लाख रुपये के निवेश को बढ़ाकर 99 लाख रुपये से ज्यादा कर दिया है। टाइटन के शेयरों ने यह तगड़ा रिटर्न बोनस शेयर के दम पर दिया है। टाइटन के शेयर 18 दिसंबर 2009 को 66.70 रुपये पर थे। अगर किसी व्यक्ति ने उस समय 1 लाख रुपये से कंपनी के शेयर खरीदे होते तो 1498 शेयर आते। कंपनी ने जून 2011 में 1:1 के रेशियो में बोनस शेयर दिया है। अगर इन बोनस शेयरों को जोड़ लें तो 1 लाख रुपये से खरीदे गए शेयरों की संख्या बढ़कर 2,996 पहुंच जाती है। टाइटन के शेयर 26 दिसंबर 2024 को 3320.80 रुपये पर बंद हुए हैं। करेंट शेयर प्राइस के हिसाब से टाइटन के शेयरों की मौजूदा वैल्यू 99.49 लाख रुपये है।

ट्रेंट के शेयरों ने 1 लाख रुपये के बना दिए 77 लाख रुपये से ज्यादा

टाटा ग्रुप की कंपनी ट्रेंट लिमिटेड के शेयरों ने पिछले 15 साल में 1 लाख रुपये के इनवेस्टमेंट को 77 लाख रुपये से ज्यादा कर दिया है। ट्रेंट लिमिटेड के शेयर 31 दिसंबर 2009 को 90.57 रुपये पर थे। अगर किसी व्यक्ति ने 15 साल पहले 1 लाख रुपये से ट्रेंट के शेयर खरीदे होते तो उसे 1,104 शेयर मिलते। ट्रेंट के शेयर 26 दिसंबर 2024 को 7063.65 रुपये पर बंद हुए हैं। करेंट शेयर प्राइस के हिसाब से इन शेयरों की मौजूदा वैल्यू 77.98 लाख रुपये है।

दिग्गजों ने लगाया है इन शेयरों पर बड़ा दांव

दिग्गज निवेशकों ने टाटा ग्रुप के इन शेयरों पर बड़ा दांव लगाया हुआ है। बिग बुल नाम से मशहूर रहे राकेश झुनझुनवाला की पत्नी रेखा झुनझुनवाला के पास टाइटन के 45,713,470 शेयर हैं। कंपनी में उनकी हिस्सेदारी 5.16 पर्सेंट है। राकेश झुनझुनवाला का 14 अगस्त 2022 को निधन हो गया था। दिग्गज इनवेस्टर राधाकिशन दमानी ने ट्रेंट पर बड़ा दांव लगाया है। दमानी के पास ट्रेंट लिमिटेड के 45,07,407 शेयर हैं। कंपनी में उनकी हिस्सेदारी 1.27 पर्सेंट है। दमानी ने ट्रेंट में अपनी इनवेस्टमेंट फर्म डेराइव ट्रेडिंग एंड रिजॉर्ट्स प्राइवेट लिमिटेड के जरिए दांव लगाया है।

1 जनवरी से होंगे कई बड़े बदलाव, कुछ राहत, कुछ झटके लेकर आएगा नया साल

नई दिल्ली, एजेंसी। साल 2024 खत्म होने में महज चार दिन बचे हैं और नए साल के आगाज की तैयारियां देशभर में शुरू हो गई हैं। पहली जनवरी 2025 से देश में कई बड़े बदलाव लागू होने जा रहे हैं, जिसका असर हर घर और हर जेब पर देखने को मिलेगा। इन बदलावों में रसोई में इस्तेमाल होने वाले एलपीजी सिलेंडर की कीमतों से लेकर यूपीआई पेमेंट तक के

नियम शामिल हैं। रोजमर्रा की जरूरत की चीजों के दाम नए साल से प्रभावित होने वाले हैं।

गैस सिलेंडर के दामों में बदलाव होगा- एक जनवरी 2025 को ऑयल मार्केटिंग कंपनियां रसोई और व्यावसायिक एलपीजी गैस की कीमतों में संशोधन कर सकती हैं। बीते कुछ समय से तेल कंपनियां कमर्शियल सिलेंडर के दाम बढ़ा रही हैं लेकिन 14 किलो वाले घरेलू सिलेंडर के दाम स्थिर हैं। इसके अलावा हवाई ईंधन की कीमतों में भी बदलाव संभव है।

महंगा हो जाएगा कार खरीदना- नए साल में कार खरीदना महंगा हो जाएगा। देश की कई ऑटोमोबाइल कंपनियां वाहनों की कीमतों में बढ़ोतरी का ऐलान कर चुकी हैं। इनमें एक से लेकर तीन फीसदी तक की बढ़ोतरी होगी। कंपनियों ने इसका कारण उत्पादन शुल्क और लागत में वृद्धि बताया है।

ईपीएफओ खाताधारकों के लिए तोहफा- अगले साल कर्मचारी भविष्य निधि संगठन यानी ईपीएफओ द्वारा पेंशनर्स के लिए नया नियम लागू किया जाएगा, जो उनके लिए बड़ा तोहफा है। इसके तहत अब पेंशनर्स अपनी पेंशन राशि देश के किसी भी बैंक से निकाल सकेंगे और इसके लिए अतिरिक्त सत्यापन की जरूरत नहीं होगी। मार्च-अप्रैल तक एटीएम जैसी निकासी की सुविधा भी मिल सकती है।

यूपीआई 123पे से भुगतान की सीमा बढ़ेगी- आरबीआई द्वारा फीचर फोन से ऑनलाइन भुगतान की सुविधा देने के लिए यूपीआई 123पे की शुरुआत की थी। इसकी लेन-देन की सीमा को बढ़ाने का फैसला किया है, जो कि एक जनवरी से लागू होगा। इसके बाद 10,000 रुपये तक की रकम का ऑनलाइन भुगतान कर पाएंगे। इससे पहले तक यह सीमा 5,000 रुपये तक ही थी।

वायदा की कटान के दिन बदले- सेंसेक्स और बैंकेक्स की मासिक कटान के दिनों में बदलाव किया गया है। अब ये हर सप्ताह शुक्रवार को नहीं, बल्कि मंगलवार को होगी। तिमाही और छमाही कॉन्ट्रैक्ट्स की एक्सपायरी आखिरी मंगलवार को होगी।

बंगाल 52वीं बार संतोष ट्रॉफी के सेमीफाइनल में

हैदराबाद,एजेंसी। पश्चिम बंगाल ने ओडिशा को 3-1 से हराकर गुरुवार को डेक्कन एरिना में संतोष ट्रॉफी 2024-25 के लिए 78वीं राष्ट्रीय फुटबॉल चैंपियनशिप के सेमीफाइनल में जगह बनाई। ओडिशा ने मैच की शानदार शुरुआत की, क्योंकि राकेश ओरम ने 25वें मिनट में उन्हें बढ़त दिलाई। बंगाल ने हाफ टाइम के स्ट्रोक पर नरोहारी श्रेष्ठ के माध्यम से बराबरी का गोल किया और रॉबी हंसदा (70 प्रतिशत) और स्थानापन्न मनोटोस माजी (90+2 प्रतिशत) के माध्यम से दो और गोल करके 52वीं बार सेमीफाइनल में प्रवेश किया। हंसदा के अभियान के नौवें गोल ने उन्हें गोल स्कोरिंग चार्ट में और आगे ले जाने में मदद की।

रिकॉर्ड चैंपियन पश्चिम बंगाल के लिए, विपरीत परिस्थितियों से निपटना एक ऐसी चुनौती थी जिसकी उन्हें इस मैच से उम्मीद नहीं थी, एक ऐसी टीम के खिलाफ जिसने नाकआउट के लिए अपनी पूरी ताकत से क्वालीफाई किया था। फिर भी, अंडरडॉग इस सीजन में संतोष ट्रॉफी में बंगाल की रक्षापंक्ति को भेदने वाली दूसरी टीम बन गई, राकेश ओरम ने 25वें मिनट में विकास कुमार साहू के कॉर्नर पर हेडर के जरिए ओडिशा को चौंकाने वाली बढ़त दिलाई। यह न केवल चौंकाने वाला था, बल्कि एक आंख खोलने वाला भी था जब संजय सेन की टीम खेल को नियंत्रित कर रही थी; यहां तक कि जब गोल हुआ, और उनके श्रेय के लिए उन्होंने इसके बाद भी उसी तरह आगे बढ़ना जारी रखा। ओडिशा की किस्मत आखिरकार पहले हाफ के अंतिम मिनट में खत्म हो गई जब अनुभवी फॉरवर्ड श्रेष्ठ ने एक मजबूत राइट-फुटर के साथ पश्चिम बंगाल को बराबरी पर ला दिया।

इस बराबरी से खेल का मूड बदलने की उम्मीद थी, और फिर भी ओडिशा ने हार नहीं मानी, दूसरे हाफ की शुरुआत में कई मौके बनाए। पश्चिम बंगाल ने गेंद के साथ बहुत ज़्यादा खेल दिखाया, खास तौर पर अंतिम तीसरे भाग में। उन्हें बढ़त दिलाने के लिए उनके मुख्य खिलाड़ी हंसदा ने अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया। फॉरवर्ड ने 77वें मिनट में संतोष ट्रॉफी के शानदार अभियान में अपना नौवां गोल किया। श्रेष्ठ द्वारा हेड किए जाने के बाद बॉक्स के ऊपर से बाएं पैर से हाफ वॉली से गोल किया। निराश ओडिशा ने खेल में वापसी करने की पूरी कोशिश की, लेकिन तब तक पश्चिम बंगाल ने खुद को संभाल लिया था और उन्हें एक हाथ की दूरी पर रोक लिया था। माजी ने इंजरी टाइम में काउंटर अटैक से तीसरा गोल करके जीत सुनिश्चित की और सुनिश्चित किया कि पश्चिम बंगाल की 33वें खिताब की तलाश जारी रहे।

अभा फैडरेशन कप कैरम प्रतियोगिता नेल्लौर आंध्र प्रदेश में 5 जनवरी से

राजस्थान भी शामिल होगा

जयपुर, एजेंसी। आल इंडिया कैरम फेडरेशन के तत्वावधान में 29 वीं अखिल भारतीय फेडरेशन कप कैरम प्रतियोगिता, 2024-25 आंध्र प्रदेश कैरम एसोसिएशन एवं नेल्लौर जिला कैरम एसोसिएशन द्वारा 5 जनवरी, 2025 से 8 जनवरी, 2025 तक नेल्लौर, आंध्रप्रदेश में आयोजित की जा रही है।

राजस्थान कैरम एसोसिएशन के अध्यक्ष सूरज खत्री ने बताया कि राजस्थान राज्य की पुरुष व महिला कैरम टीमें भी इस प्रतियोगिता में भाग लेगी। राजस्थान की पुरुष एवं महिला कैरम टीमों का चयन कर लिया गया है। राजस्थान की दोनों टीमें 2 जनवरी, 2025 को नेल्लौर के लिए जयपुर से प्रस्थान करेगी। अध्यक्ष खत्री ने यह भी बताया कि नेल्लौर में ही इस प्रतियोगिता के दौरान 7 जनवरी, 2025 को आल इंडिया कैरम फेडरेशन की कार्यकारिणी की एक बैठक भी आयोजित की जा रही है जिसमें 2025-26 वर्ष के दौरान आयोजित की जाने वाली राष्ट्रीय स्तर की विविध कैरम प्रतियोगिताओं का कैलेंडर सुनिश्चित किया जाएगा।

सिमोना हालेप ऑस्ट्रेलियाई ओपन के क्वालीफाइंग से हटीं

मेलबर्न, एजेंसी। दो बार की ग्रैंडस्लैम चैंपियन सिमोना हालेप ने घुटने और कंधे में दर्द के कारण बृहस्पतिवार को ऑस्ट्रेलियाई ओपन के क्वालीफाइंग और तैयारी के लिए न्यूजीलैंड के ऑकलैंड में होने वाले टूर्नामेंट से हटने का फैसला किया। हालेप ने सोशल मीडिया पर पोस्ट किया कि अबुधाबी में एक प्रदर्शनी मैच में भाग लेने के बाद वह अस्वस्थ महसूस कर रही थीं। हालेप ने लिखा कि अपनी टीम के साथ लंबी चर्चा करने के बाद हम इस बात पर सहमत हुए कि सत्र की शुरुआत में देरी करना समझदारी है। मैं यह नहीं चाहती थी। रोमानिया की इस 33 वर्षीय खिलाड़ी ने कहा कि वह अपने देश में ट्रांसिल्वेनिया ओपन में भाग लेने की योजना बना रही हैं जो तीन फरवरी से शुरू होगा। ऑस्ट्रेलियाई ओपन के क्वालीफाइंग मैच छह जनवरी से शुरू होंगे और मुख्य 12 जनवरी से आरंभ होगा। इससे प्रतिबंधित पदार्थ के निलंबन के से उनकी वापसी में फिर बाधा पैदा हुई।

भारत पर फॉलोऑन का खतरा

मेलबर्न टेस्टः , 22 गेंद में गंवाए 3 विकेट, स्टंप्स तक स्कोर 164/5, ऑस्ट्रेलिया ने 474 रन बनाए

मेलबर्न, एजेंसी। बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी के चौथे टेस्ट में भारतीय टीम पर फॉलोऑन का खतरा मंडरा रहा है। टीम ने शुक्रवार को स्टंप्स तक 164 रन बनाने में 5 विकेट गंवा दिए हैं। ऋषभ पंत 6 और रवींद्र जडेजा 4 रन पर नाबाद लौटे हैं। भारत को फॉलोऑन बचाने के लिए 111 रन और बनाने हैं। इस मैच का फॉलोऑन मार्क 275 रन है।

मेलबर्न में चल रहे मुकाबले के दूसरे दिन भारत आखिरी 6 ओवर में 3 विकेट गंवा दिए। 40 ओवर के बाद टीम इंडिया का स्कोर 148/2 था, जोकि 46 ओवर के बाद 164/5 हो गया। टीम ने 41वें ओवर की आखिरी बॉल पर नाइट वाचमैन आकाश दीप का विकेट गंवाया था। वे खाता नहीं खोल सके। इससे पहले विराट कोहली (36 रन) और यशस्वी जायसवाल 82 रन बनाकर रनआउट हुए। रोहित शर्मा (3 रन) और केएल राहुल (24 रन) को पैट कमिंस ने पवेलियन भेजा। स्कॉट बोलैंड को 2 विकेट मिले। ऑस्ट्रेलियाई पारी में स्टीव स्मिथ ने 197 बॉल पर 140 रन बनाए। उन्होंने टेस्ट करियर का 34वां शतक जमाया। यह उनका भारत के खिलाफ 11वां शतक है। युवा ओपनर सैंम कोंस्टास (60 रन), उस्मान ख्वाजा (57 रन) और मार्नस लाबुशेन (72 रन) ने अर्धशतक बनाए। कप्तान पैट कमिंस ने 49 रन का योगदान दिया। भारत से जसप्रीत बुमराह ने 4 विकेट झटके। रवींद्र जडेजा ने 3 विकेट लिए। आकाश दीप को 2 और मोहम्मद सिराज को एक विकेट मिला।

स्मिथ ने मेलबर्न टेस्ट में शतक जड़कर तोड़ा बड़ा रिकॉर्ड, बन गए नंबर 1

मेलबर्न, एजेंसी। स्टीव स्मिथ को क्यों टेस्ट क्रिकेट के महान बल्लेबाजों में से एक माना जाता है इसका सबूत उन्होंने मेलबर्न टेस्ट में दिया. ऑस्ट्रेलिया के इस दिग्गज बल्लेबाज ने मेलबर्न टेस्ट की पहली पारी में शानदार सेंचुरी लगाई. ब्रिसबेन में शतक जमाने वाले स्मिथ ने मेलबर्न में भी अपनी अच्छी फॉर्म जारी रखते हुए कमाल शतक जड़ा. स्टीव स्मिथ इस शतक के साथ ही 6 दिग्गजों को पछाड़ने में कामयाब रहे हैं. दरअसल ये स्टीव स्मिथ का 34वां टेस्ट शतक है और ये खिलाड़ी अब सबसे ज्यादा टेस्ट शतक के मामले में केन विलियमसन और एलिस्टर कुक से आगे निकल गया है. वहीं स्मिथ ने सुनील गावस्कर ब्रायन लारा, यूनिस खान और महेला जयवर्धने को भी पछाड़ दिया है. दरअसल स्मिथ ने इनसे कम टेस्ट मैचों में 34 टेस्ट शतक का आंकड़ा छुआ है. स्टीव स्मिथ के लिए मेलबर्न टेस्ट में शतक लगाना ज्यादा मुश्किल नहीं रहा. मेलबर्न की पिच सीरीज में अबतक की सबसे आसान पिच में से एक नजर आई. स्मिथ बड़ी आसानी से क्रीज पर सेटल हुए और खेल के पहले दिन उन्होंने अर्धशतक लगाया वो नाबाद रहे और दूसरे दिन उन्होंने बिना किसी परेशानी के अपना शतक पूरा कर लिया. बुमराह और आकाशदीप की एक-दो गेंदों पर वो थोड़ा असहज दिखे लेकिन उन्होंने जल्द ही सबकुछ काबू में पा लिया.

स्मिथ का शतक क्यों है खास?

स्टीव स्मिथ का ये शतक इसलिए खास है क्योंकि वो भारत के खिलाफ टेस्ट में सबसे ज्यादा शतक लगाने वाले बल्लेबाज बन गए हैं. स्मिथ ने भारत के खिलाफ 11 शतक लगाए हैं. वो जो रूट से आगे निकले हैं जो भारत के खिलाफ 10 टेस्ट शतक लगा चुके हैं. बड़ी बात ये है कि स्मिथ ने भारत के खिलाफ सिर्फ 43 पारियों में 11 टेस्ट शतक ठोके हैं.स्टीव स्मिथ भारत के खिलाफ अपने घर पर और ज्यादा खतरनाक हो जाते हैं. इस खिलाड़ी ने भारत के खिलाफ रेड बॉल टेस्ट की पहली पारी में 10 पारियों में से 7 में शतक लगाए हैं.

मोहम्मद सिराज ने मेलबर्न टेस्ट में लगाया शतक

मेलबर्न, एजेंसी। मेलबर्न टेस्ट में ऑस्ट्रेलिया के बल्लेबाजों ने जमकर रन कूटे. उस्मान ख्वाजा, सैम कोंस्टस, मार्नस लाबुशेन ने हाफ संेचुरी लगाई. जबकि स्टीव स्मिथ ने शतक लगाया. लेकिन एक बार फिर से टीम इंडिया के तेज गेंदबाज मोहम्मद सिराज ऑस्ट्रेलिया के सामने बेसर रहे. जसप्रीत बुमराह ने मेलबर्न टेस्ट की पहले पारी में चार विकेट हासिल किए. वहीं रवींद्र

जडेजा ने तीन विकेट चटकाए. आकाश दीप को भी दो विकेट मिले. एक विकेट वॉशिंगटन सुंदर भी ले गए. लेकिन सिराज के विकेटों का कॉलम खाली रहा. उन्होंने मेलबर्न टेस्ट में 23 ओवर बॉलिंग की. लेकिन एक भी विकेट नहीं ले पाए. इसी के साथ सिराज ने मेलबर्न में बॉलिंग में 'शतक' लगा दिया. साथ ही एक शर्मनाक रिकॉर्ड भी अपने नाम कर लिया.

ऑस्ट्रेलिया की पहली पारी के दौरान मोहम्मद सिराज ने विकेट लेने के पूरे प्रयास किए लेकिन उन्हें कोई सफलता हाथ नहीं लगी. इसके उलट उन्होंने जमकर रन खर्च किए. सिराज ने 5.30 की इकॉनामी से 122 रन लुटाए. इसी के साथ वे मेलबर्न क्रिकेट ग्राउंड पर बिना कोई विकेट लिए सबसे ज्यादा रन खर्च करने वाले इंडियन बॉलर बन गए. उनसे पहले साल 2014 के टेस्ट के दौरान ईशांत शर्मा ने बिना कोई विकेट लिए 104 रन खर्च किए थे.

मेलबर्न क्रिकेट क्लब ने सचिन तेंदुलकर को किया क्लब सदस्यता से सम्मानित

मेलबर्न, एजेंसी। मेलबर्न क्रिकेट क्लब (एमसीसी) ने शुक्रवार को कहा कि महान भारतीय खिलाड़ी सचिन तेंदुलकर ने इस प्रतिष्ठित संस्था का मानद सदस्य बनने का उसका निमंत्रण स्वीकार कर लिया है। ऑस्ट्रेलिया के सबसे पुराने खेल क्लबों में से एक एमसीसी की स्थापना 1838 में हुई थी। यह खेल के प्रमुख स्थानों में से एक मेलबर्न क्रिकेट मैदान (एमसीजी) के प्रबंधन और विकास के लिए जिम्मेदार है। एमसीसी ने 'एक्स पर पोस्ट किया, 'एक 'आइकन को सम्मानित किया गया। एमसीसी को यह घोषणा करते हुए खुशी हो रही है कि पूर्व भारतीय कप्तान सचिन तेंदुलकर ने खेल में उनके उत्कृष्ट योगदान को स्वीकार करते हुए मानद क्रिकेट सदस्यता स्वीकार कर ली है।

तेंदुलकर एमसीजी में सबसे ज्यादा टेस्ट रन बनाने वाले भारतीय बल्लेबाज है। उनके नाम इस मैदान में पांच टेस्ट मैचों में 44.90 के औसत और 58.69 के स्ट्राइक रेट से 449 रन है। उन्होंने इस मैदान पर एक शतक और तीन अर्द्धशतक जड़े हैं। इससे पहले 2012 में तेंदुलकर को देश के सर्वोच्च सम्मानों में से एक 'ऑर्डर ऑफ ऑस्ट्रेलिया से सम्मानित किया गया था। एमसीजी वर्तमान में भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच पांच मैचों की श्रृंखला के चौथे टेस्ट मैच की मेजबानी कर रहा है।

80 साल की दादी और फिटनेस उत्साही

उषा जोशी 10 किमी दौड़ में लेंगी हिस्सा

नई दिल्ली, एजेंसी। पवई की निवासी और एडवोकेट उषा जोशी इस साल 80 साल की हो रही हैं। उनकी 5 फीट लंबी और 38 किलोग्राम की पतली काया देखकर लोग धोखा खा सकते हैं, लेकिन वह पवई रन 2025 में 10 किमी दौड़ के लिए पूरी तरह तैयार हैं। जॉनसन एंड जॉनसन में पूर्व रिसर्च हेड रह चुकीं जोशी एक वैज्ञानिक और उद्यमी होने के साथ–साथ अब वकालत भी करती हैं।

10 किमी दौड़ में लेंगी हिस्सा– हमेशा खुद को नया रूप देने वाली उषा जोशी ने अपनी फिटनेस यात्रा तब शुरू की, जब वह 25 साल पहले पवई में रहने आईं। उनके बच्चे बड़े हो चुके थे, और पवई की खूबसूरत हरियाली ने उन्हें लंबी सैर पर निकलने के लिए प्रेरित किया। यही सैर धीरे–धीरे दौड़ में बदल गई। एक दशक पहले उन्होंने स्ट्राइडर्स कम्युनिटी के साथ लॉन्ग डिस्टेंस रनिंग की ट्रेनिंग ली और तब से वह लगातार दौड़ती आ रही हैं।

भारतीय महिला टीम ने वेस्टइंडीज को 5 विकेट से हराया, वनडे सीरीज में किया क्लीन स्वीप

वड़ोदरा, एजेंसी। दीप्ति शर्मा (छह विकेट और नाबाद 39 रन) के हरफनमौला प्रदर्शन के दम पर भारतीय महिला टीम ने शुक्रवार को तीसरे एकदिवसीय मुकाबले में वेस्टइंडीज को पांच विकेट से हरा दिया। इसी के भारतीय टीम ने तीन मैचों की एकदिवसीय सीरीज भी 3-0 से अपने नाम कर ली हैं।

वेस्टइंडीज के 162 रनों के जवाब में बल्लेबाजी करने उतरी भारतीय महिला टीम की शुरुआत अच्छी नहीं रही और उसने 23 के स्कोर पर अपने दो विकेट गवां दिए। स्मृति मंधाना (चार) और हरलीन देओल (एक) रन बनाकर आउट हुई। इसके बाद प्रतिका रावल और कप्तान हरमनप्रीत कौर ने पारी संभालने का प्रयास किया। 10वें ओवर में हेली मैथ्यूज ने प्रतिका रावल (18) को आउट कर भारत को तीसरा झटका दिया। 13वें ओवर में ऐफी फ्लेचर ने हरमनप्रीत कौर (32) को आउटकर पवेलियन भेज दिया। जेमिमाह रॉड्रिग्स तथा दीप्ति शर्मा ने पारी को संभाला और तेजी के साथ रन बटोरे। दोनों बल्लेबाजों के बीच पांचवें विकेट के लिये 56 रनों की साझेदारी हुई। 25वें ओवर में करिश्मा रामहैरक ने जेमिमाह रॉड्रिग्स (29) को आउट कर साझेदारी को तोड़ा। दीप्ति शर्मा और ऋचा घोष ने शानदार बल्लेबाजी का मुजाहिरा करते हुए टीम को पांच विकेट से जीत दिला दी। दीप्ति शर्मा ने 48 गेंदों में तीन चौके और एक छक्का लगाते हुए (नाबाद 39) रनों की पारी खेली। वहीं ऋचा घोष ने 11 गेंदों में एक चौका और तीन छक्के लगाते हुए तूफानी अंदाज में (नाबाद 23)रन बनाये। भारत ने 28.2 ओवर में 167 रन बनाकर मुकाबला और 3-0 से श्रृंखला भी जीती। वेस्टइंडीज की ओर से डिएंड्रा डॉटिन, आलिया ऑलेन, हेली मैथ्यूज, करिश्मा रामहैक और ऐफी फ्लेचर ने एक-एक बल्लेबाज को आउट किया।

इससे पहले दीप्ति शर्मा (छह विकेट) और रेणुका सिंह (चार विकेट) शानदार गेंदबाजी करते हुए वेस्टइंडीज की पूरी टीम को 162 के स्कोर पर ढ़ेर कर दिया था। वेस्टइंडीज की महिला टीम ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने का फैसला किया। बल्लेबाजी

करने उतरी वेस्टइंडीज की शुरुआत बेहद खराब रही और उसने मात्र नौ रन के स्कोर पर अपने तीन विकेट गवां दिये। इसके बाद शमैन कैंपबेल और शिनेल हेनरी की जोड़ी ने पारी को संभाला। दोनों बल्लेबाजों के बीच चौथे विकेट के लिये 91 रनों की साझेदारी हुई। 22वें ओवर में दीप्ति शर्मा ने शमैन कैंपबेल (46) को आउटकर इस साझेदारी को तोड़ा। 24वें ओवर में दीप्ति ने जायडा जेम्स (एक) को आउट कर पवेलियन भेज दिया। 32वें ओवर में दीप्ति ने शिनेल हेनरी को आउटकर वेस्टइंडीज के बड़े स्कोर बनाने की उम्मीदों को झटका दिया।

शिनेल हेनरी ने 72 गेंदों में 5 चौके और तीन छक्के लगाते हुए (61) रनों की पारी खेली। आलिया ऑलेन (21), मैंडी मैंगरु (नौ), ऐफी फ्लेचर (एक) और अश्मिनी मुनिसार (चार) रन बनाकर आउट हुई। भारतीय गेंदबाजों ने वेस्टइंडी की पूरी टीम को 38.5 ओवर में 162 रनों पर ढेर कर दिया। भारत की ओर से दीप्ति शर्मा ने छह विकेट लिये। रेणुका सिंह को चार विकेट मिले।

मनमोहन देश के इकलौते प्रधानमंत्री, जिनका नोटों पर भी हस्ताक्षर

नई दिल्ली। भारत के पूर्व प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह गुरुवार को 92 साल की उम्र में दुनिया को अलविदा कह गए। डॉ. मनमोहन सिंह ने 10 वर्षों तक प्रधानमंत्री के रूप में देश की सेवा करने से पहले आरबीआई गवर्नर, योजना आयोग के उपाध्यक्ष और वित्त मंत्री का भी कार्यभार संभाला था। उन्हें उदारीकरण के जरिए देश को गंभीर आर्थिक संकट से निकालने का श्रेय जाता है। इसके अलावा उनके नाम एक विशेष उपलब्धि भी है। वे देश के एकमात्र ऐसे प्रधानमंत्री रहे हैं, जिनका हस्ताक्षर भारत के नोटों (करेंसी) पर रहा।

नोटों पर हस्ताक्षर करने वाले देश के एकमात्र पीएम

2005 में डॉ. मनमोहन सिंह प्रधानमंत्री के पद पर थे तब भारत सरकार ने 10 रुपये का एक नया नोट जारी किया था। उस पर मनमोहन सिंह के हस्ताक्षर थे। हालांकि नियमों के अनुसार उस समय नोटों पर भारतीय रिजर्व बैंक के गवर्नर के हस्ताक्षर होते थे। लेकिन 10 रुपये के नोट पर मनमोहन सिंह का हस्ताक्षर एक विशेष बदलाव के तहत किया गया था या था। मनमोहन सिंह ने 16 सितंबर 1982 से लेकर 14 जनवरी 1985 तक भारतीय रिजर्व बैंक के गवर्नर का पदभार संभाला था। उस दौरान छपने वाले नोटों पर मनमोहन सिंह के हस्ताक्षर हुआ करते थे। भारत में यह व्यवस्था आज भी है कि करेंसी पर राष्ट्रपति और प्रधानमंत्री की नहीं, बल्कि आरबीआई गवर्नर ही साइन करते हैं।

नरसिम्हा राव की सरकार में वित मंत्री रहते आर्थिक सुधारों का युग शुरू किया

पूर्व पीएम मनमोहन सिंह को देश के आर्थिक उदारीकरण का पुरोधा कहा जाता है। अर्थशास्त्र पर उनकी गहरी पकड़ और रुचि थी। 1991 में नरसिम्हा राव की सरकार में वित्त मंत्री रहते हुए उन्हें देश में लाइसेंस राज खत्म करने का श्रेय जाता है। उनके द्वारा किए गए सुधारों ने भारतीय अर्थव्यवस्था को एक नई राह दिखाई। मनमोहन सिंह ने जब 1991 वित्त मंत्रालय की बागडोर संभाली थी, तब भारत का राजकोषीय घाटा सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) के 8.5 प्रतिशत के करीब था, भुगतान संतुलन घाटा बहुत बड़ा था और चालू खाता घाटा भी जीडीपी के 3.5 प्रतिशत के आसपास पहुंच गया था था। देश के पास जरूरी आयात का खर्च जुटाने के लिए केवल दो हफ्ते विदेशी मुद्रा ही शेष बचा था। देश को अपना सोना बैंक ऑफ इंग्लैंड के पास गिरवी रखना पड़ा था। हालांकि मनमोहन पद संभालने के बाद अपने दूरदर्शी फैसलों से देश को आर्थिक संकट के दौर से निकालने में कामयाब रहे। आगे चलकर देश का गिरवी रखा सोना भी आरबीआई को लौटाया गया।

मनमोहन सिंह के फैसलों से देश वैश्वीकरण की राह पर बढ़ा आगे

24 जुलाई 1991 को केंद्रीय बजट 1991-92 पेश करते हुए डॉ. मनमोहन सिंह नए आर्थिक युग की शुरुआत की थी। उन्होंने आर्थिक सुधार, लाइसेंस राज का खात्मा और कई क्षेत्रों को निजी व विदेशी कंपनियों के लिए खोलने जैसे साहसिक कदम उठाए। उन्होंने प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई), रुपये के अवमूल्यन, करों में कटौती और सार्वजनिक क्षेत्र की कंपनियों के निजीकरण की अनुमति देकर एक नई शुरुआत की। आर्थिक सुधारों की एक व्यापक नीति की शुरुआत में उनकी भूमिका को दुनिया भर में स्वीकार किया गया। उनकी नीतियों ने भारतीय अर्थव्यवस्था को उदारीकरण, वैश्वीकरण और निजीकरण की दिशा में ले जाने का काम किया। वह 1996 तक वित्त मंत्री के तौर पर आर्थिक सुधारों को अमलीजामा पहनाते रहे।

मई 2004 में मनमोहन सिंह को प्रधानमंत्री के रूप में देश की सेवा करने का मौका मिला। मनमोहन सिंह की सरकार 2005 में महात्मा गांधी राष्ट्रीय रोजगार गारंटी अधिनियम (मनरेगा) लेकर आई और बिक्री कर की जगह मूल्य वर्धित कर (वैट) लागू हुआ। इसके अलावा उन्होंने देश भर में 76,000 करोड़ रुपये की कृषि ऋण माफी और ऋण राहत योजना लागू कर करोड़ों किसानों को लाभ पहुंचाने का काम किया। देश में आधार जैसी पहचान प्रणाली शुरू करने का काम भी डॉ. मनमोहन सिंह के कार्यकाल में भी शुरू हुआ।

डॉ. सिंह ने 2008 की वैश्विक वित्तीय मंदी दौर में देश का नेतृत्व किया। उन्होंने इस मुश्किल वक्त से बाहर निकलने के लिए एक विशाल प्रोत्साहन पैकेज की घोषणा की थी। उनके प्रधानमंत्री रहते हुए वित्तीय समावेशन को बड़े पैमाने पर बढ़ावा दिया गया। प्रधानमंत्री के तौर पर उनके कार्यकाल के दौरान देश भर में बैंक शाखाएं खोली गईं। सूचना का अधिकार, भोजन का अधिकार और बच्चों को मुफ्त व अनिवार्य शिक्षा का अधिकार अधिनियम जैसे अन्य सुधार भी उनके कार्यकाल में हुए।

डॉ. मनमोहन सिंह से जुड़ी खास बातें

भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के दो गवर्नर वित्त मंत्री बने- उनमें एक मनमोहन सिंह और दूसरे थे सीडी देशमुख।

चार वित्त मंत्री प्रधानमंत्री बने- ये नाम हैं मोरारजी देसाई, चरण सिंह, वी.पी. सिंह और मनमोहन सिंह।

चार शीर्ष नौकरशाह जो वित्त मंत्री बने- उनमें एचएम पटेल, सीडी देशमुख, यशवंत सिन्हा और मनमोहन सिंह का नाम।

बेटियां भी हैं शिक्षा क्षेत्र का बड़ा नाम, मनमोहन सिंह के परिवार में कौन-कौन

नई दिल्ली। देश में आर्थिक सुधारों के जनक और पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह का गुरुवार रात को निधन हो गया। मनमोहन सिंह अपने पीछे ऐसी विरासत छोड़कर गए हैं, जो उन्हें देश की महान शख्सीयतों में शुमार करती है। मनमोहन सिंह की पहचान एक बुद्धिजीवी, आर्थिक सुधारों के प्रणेता और जनसेवा के प्रति उनके समर्पण के लिए जाना जाता है।

मनमोहन सिंह का निजी जीवन

26 सितंबर 1932 को मनमोहन सिंह का जन्म पंजाब के चकवाल जिले के गाह (अब पाकिस्तान में) गांव में हुआ था। मनमोहन सिंह ने पंजाब विश्वविद्यालय से अर्थशास्त्र की पढ़ाई की। इसके बाद उन्होंने यूनिवर्सिटी ऑफ कैंब्रिज से पढ़ाई की और यूनिवर्सिटी ऑफ ऑक्सफोर्ड से डीफिल की पढ़ाई की। राजनीति में आने से पहले वे सरकार में कई अहम प्रशासनिक पदों पर रहे, जिनमें मुख्य आर्थिक सलाहकार, रिजर्व बैंक के गवर्नर और योजना आयोग के उपाध्यक्ष जैसे अहम पद शामिल हैं।

मनमोहन सिंह साल 1991 में भारत के वित्त मंत्री बने और उन्होंने ऐतिहासिक आर्थिक उदारीकरण की शुरूआत की। मनमोहन सिंह को आर्थिक उदारीकरण के साथ ही सूचना का हक कानून, मनरेगा, आधार कार्ड और आरटीई के साथ ही अमेरिका के साथ ही असैन्य परमाणु समझौते के लिए हमेशा याद किया जाएगा। मनमोहन सिंह के परिवार की बात करें तो उनके परिवार में पत्नी गुरशरण कौर और तीन बेटियां और उनके परिवार शामिल हैं।

मनमोहन सिंह की बेटियां भी शिक्षा और लेखन जगत में बड़ा नाम

मनमोहन सिंह की तीन बेटियां उपिंदर सिंह, अमृत सिंह और दमन सिंह हैं। पूर्व पीएम की तीनों बेटियां भी अपने-अपने क्षेत्र का बड़ा नाम हैं। तो आइए जानते हैं मनमोहन सिंह की बेटियों और उनकी उपलब्धियों के बारे में-

उपिंदर सिंह

मनमोहन सिंह की बेटी उपिंदर सिंह एक जानी-मानी इतिहासकार और अशोका विश्वविद्यालय की डीन हैं। पूर्व में वे दिल्ली विश्वविद्यालय के इतिहास विभाग की प्रमुख भी रह चुकी हैं। उपिंदर सिंह ने दिल्ली के सेंट स्टीफेंस कॉलेज और मॉन्ट्रियल की मैकगिल यूनिवर्सिटी से पढ़ाई की है। भारत के प्राचीन इतिहास, पुरातत्व और राजनीतिक विचारों पर उन्होंने रिसर्च की है। उपिंदर सिंह की किताब ए हिस्ट्री ऑफ एंसिएंट एंड अर्ली मीडीवियल इंडिया और पॉलिटिकल वॉयलेंस इन एंसिएंट इंडिया को खूब तारीफ मिली है। समाज विज्ञान में काम के लिए उन्हें इंफोसिस प्राइज से सम्मानित किया गया है।

अमृत सिंह

मनमोहन सिंह की दूसरी बेटी अमृत सिंह एक मशहूर मानवाधिकार वकील हैं और स्टैनफोर्ड यूनिवर्सिटी के लॉ स्कूल में प्रैक्टिस ऑफ लॉ की प्रोफेसर हैं। अमृत सिंह रूल ऑफ लॉ इम्पैक्ट लैब की कार्यकारी निदेशक भी हैं। अमृत सिंह ने प्रतिष्ठित येल लॉ स्कूल, ऑक्सफोर्ड, कैंब्रिज विश्वविद्यालय से पढ़ाई की है। वैश्विक मानवाधिकार मामलों में अमृत सिंह एक चर्चित नाम हैं। वे यूरोपीय मानवाधिकार अदालत, अफ्रीकन कमीशन ऑन ुमन एंड पीपल्स राइट में भी सुनवाई में शामिल हो चुकी हैं। वे गार्जियन और द न्यूयॉर्क टाइम्स जैसे प्रतिष्ठित अखबारों में लेख भी लिखती रहती हैं।

दमन सिंह

दमन सिंह लेखन जगत में सक्रिय हैं और उन्होंने ही मनमोहन सिंह के जीवन पर किताब स्ट्रिक्टली पर्सनल मनमोहन एंड गुरशरण, ए मेमोयर लिखी है। इस किताब में मनमोहन सिंह के निजी जीवन के बारे में काफी जानकारी दी गई है। इसके अलावा दमन सिंह ने द सेक्रेड ग्रोव और नाइन बाइ नाइन भी लिखी हैं।

मनमोहन सिंह के निधन पर विश्व के नेताओं ने दी श्रद्धांजलि

नई दिल्ली। गुरुवार रात को पूर्व प्रधानमंत्री और कांग्रेस के वरिष्ठ नेता मनमोहन सिंह का निधन हो गया। इस खबर से भारत समेत पूरी दुनियाभर में शोक की लहर देखी जा रही है, जिसको लेकर दुनियाभर के कई नेताओं ने पूर्व पीएम के निधन पर श्रद्धांजलि देते हुए शोक जताया है। मालदीव और अफगानिस्तान सहित पड़ोसी देशों के नेताओं ने उनके योगदान और उनके देशों के साथ अच्छे संबंधों बनाने पर प्रकाश डाला है। तो आईए जानते है कि किसने क्या कहा।

अफगानिस्तान के पूर्व राष्ट्रपति करजई ने जताया शोक

अफगानिस्तान के पूर्व राष्ट्रपति हामिद करजई ने एक पोस्ट में कहा कि भारत ने अपने सबसे शानदार बेटों में से एक को खो दिया है। उन्होंने पूर्व पीएम को अफगानिस्तान के लोगों के अटूट सहयोगी और दोस्त बताते हुए उनके निधन पर गहरा शोक व्यक्त किया। करजई ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर लिखा कि मैं उनके परिवार, सरकार और भारत के लोगों के प्रति अपनी गहरी संवेदना व्यक्त करता हूं।

मालदीव के पूर्व राष्ट्रपति नशीद ने जताया दुख

पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह के निधन पर मालदीव के पूर्व राष्ट्रपति मोहम्मद नशीद ने भी दुख जताया। उन्होंने कहा कि डॉ. मनमोहन सिंह एक दयालु अभिभावक और मालदीव के अच्छे मित्र थे।

रूसी राजदूत ने जताया दुख

इसके साथ ही भारत में रूस के राजदूत डेनिस अलीपोव ने भी पूर्व पीएम मनमोहन सिंह के निधन पर शोक जताया। उन्होंने कहा कि डॉ. मनमोहन सिंह का निधन भारत और रूस के लिए बहुत दुखद है। उन्होंने कहा कि डॉ. सिंह का योगदान भारत और रूस के द्विपक्षीय संबंधों में अतुलनीय था। उनका सौम्य व्यवहार और एक अर्थशास्त्री के रूप में उनकी विशेषज्ञता हमेशा सराही जाती थी।

बराक ओबामा ने की थी तारीफ

अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति बराक ओबामा ने अपनी किताब ए प्रॉमिस्ड लैंड में पूर्व पीएम मनमोहन सिंह की जमकर तारीफ की। उन्होंने लिखा कि मनमोहन सिंह ऐसे नेता है कि जब वो बोलते है तो पूरी दुनिया सुनती है। किताब में ओबामा ने आगे लिखा कि मनमोहन सिंह भारत की अर्थव्यवस्था को आधुनिक बनाने के मुख्य आर्किटेक्ट थे और उन्होंने लाखों भारतीयों को गरीबी से बाहर निकाला।

यूएसआईबीसी अध्यक्ष अतुल केशप ने मनमोहन सिंह के निधन पर दी श्रद्धांजलि

अमेरिकी राजनयिक और यूएस-इंडिया बिजनेस काउंसिल (यूएसआईबीसी) के अध्यक्ष अतुल केशप ने पूर्व प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह के निधन पर शोक व्यक्त किया। केशप ने पूर्व पीएम को श्रद्धांजलि देते हुए भारत और अमेरिका के बीच आधुनिक द्विपक्षीय संबंधों के निमार्ता के रूप में सराहा। उन्होंने कहा कि डॉ. सिंह ने दोनों देशों के बीच संबंधों को मजबूत करने में अहम भूमिका निभाई।

एक्स पर एक पोस्ट में केशप ने लिखा कि डॉ. मनमोहन सिंह जी के परिवार और भारत के लोगों के प्रति मेरी संवेदनाएं। उन्होंने कहा कि मनमोहन सिंह ने अमेरिका-भारत संबंधों को बढ़ाने, उन्हें आधुनिक बनाने और दोनों देशों को रणनीतिक, आर्थिक और तकनीकी क्षेत्रों में एक साथ आगे बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

भारत में अमेरिका के राजदूत एरिक गासेर्टी ने पूर्व पीएम मनमोहन सिंह को दी श्रद्धांजलि

पूर्व पीएम मनमोहन सिंह के निधन पर भारत में अमेरिका के राजदूत एरिक गासेर्टी ने कहा कि हमारे प्रिय मित्र और पूर्व प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह के निस्वार्थ योगदान को याद कर रहा हूं, जिन्होंने भारत-अमेरिकी संबंधों में एक ऐतिहासिक अध्याय की शुरूआत की। भारत के विकास और समृद्धि के प्रति उनका समर्पण हमें प्रेरित करता रहता है। उनके नेतृत्व और दूरदर्शिता के लिए आभारी हूं।

अमेरिकी विदेश मंत्री ने मनमोहन सिंह को बताया- भारत-अमेरिकी संबंधों का सच्चा समर्थक

अमेरिका के विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकन ने मनमोहन सिंह के निधन पर संवेदना व्यक्त करते हुए कहा कि भारत-अमेरिका की रणनीतिक साझेदारी के मनमोहन सिंह सच्चे समर्थक थे। बीते दो दशकों में भारत-अमेरिका संबंधों में जो भी हासिल हुआ है, उसकी नींव मनमोहन सिंह ने ही रखी थी। मनमोहन सिंह को उनके आर्थिक सुधारों और भारत को तेज आर्थिक विकास की राह पर ले जाने के लिए जाना जाएगा।

यमन के आसमान में छाए इजरायली लड़ाकू विमान...

इजरायल ने कैसा किया हूतियों पर सबसे बड़ा हमला

नई दिल्ली। इजरायल ने यमन के हूती विद्रोहियों पर अब तक का सबसे बड़ा हमला किया है। इजरायली सेना ने कहा है कि उसके लड़ाकू जेट ने गुरुवार को यमन के हूती विद्रोहियों के ठिकानों पर बम बरसाए। इजरायली लड़ाकू विमानों ने राजधानी सना के एयरपोर्ट समेत पश्चिमी शहर हुदैदाह के बंदरगाह समेत अन्य ठिकानों को निशाना बनाया। हमला कितना बड़ा था, इसका अंदाजा इस बात से लगाया जा सकता है कि इसमें इजरायल के 100 से ज्यादा लड़ाकू विमान शामिल हुए थे। सना एयरपोर्ट का मेन रनवे, कंट्रोल टॉवर और एयरक्राफ्ट तबाह हो गए।

यमन पर और हमलों की तैयारी

यमन में अपने सबसे बड़े हमले को अंजाम देने के बाद इजरायली वायुसेना के प्रमुख मेजर जनरल तोमेर बार ने अधिकारियों से बात की। उन्होंने कहा कि यह हमारा यमन पर चौथा हमला था और अभी हमारा मिशन पूरा नहीं हुआ है। मैं उस रक्षात्मक प्रयास से शुरूआत करना चाहता हूं जिसमें हम पिछले कुछ समय से रात-रात भर लगे हुए हैं। उन्होंने कहा कि हमने अभी अपनी क्षमता का ठोस प्रदर्शन देखा है और हम बहुत-बहुत अधिक क्षमता रखते हैं।

आईडीएफ ने पुष्टि की कि उन्होंने हूती सैन्य बुनियादी ढांचे, सना अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे, रास कनातिब बिजली स्टेशनों और पश्चिमी तट पर हुदैदाह, सलीफ और रास कनातिब बंदरगाहों को निशाना बनाया था। इन ठिकानों का इस्तेमाल ईरान से यमन में हथियारों की तस्करी के लिए किया जा रहा था।

सना के आसमान में इजरायली विमान

रिपोर्ट के मुताबिक दर्जनों इजरायली विमानों को सना और हुदैदाह के आसमान में देखा गया।

रूसी मिसाइल की वजह से हुआ कजाखस्तान विमान हादसा?

कजाखस्तान। में हुए विमान हादसे को लेकर कई समाचार रिपोर्ट्स में दावा किया गया है कि अजरबैजान एयरलाइंस का विमान बाकू से रूस के ग्रोज्नी जाते समय - संभवतः गलती से रूसी मिसाइल का शिकार हुआ था। बता दें कि इस विमान में सवार 67 लोगों में से 38 लोगों की मौत हो गई है। कुल 62 यात्री और पांच चालक दल के सदस्यों में सिर्फ 29 जिंदा बचे हैं। वहीं रूसी सरकार क्रेमलिन ने गुरुवार को इस बात पर अटकलें लगाने से आगाह किया कि अजरबैजान एयरलाइंस का विमान दुर्घटनाग्रस्त होने का क्या कारण हो सकता है। दरअसल, एक विमानन विशेषज्ञ ने कहा था कि सबूतों से संकेत मिलता है कि यात्री विमान रूसी एंटी मिसाइल का शिकार हुआ होगा। यह भी बताया जा रहा है कि अजरबैजान एयरलाइंस का विमान उस क्षेत्र में उड़ रहा था, जहां यूक्रेन के ड्रोन गतिविधि की सूचना मिली थी, और ग्रोज्नी - चेचन्या की राजधानी और कीव के लिए एक प्रमुख लक्ष्य है। वहीं रूसी सैन्य ब्लॉगर ने समाचार एजेंसी एएफपी को बताया कि विमान के मलबे (तस्वीरों) में जो छेद देखे गए हैं, वे एंटी-एयरक्राफ्ट मिसाइल सिस्टम से हुए नुकसान के समान हैं।

अमेरिकी राज्य ओहायो में अब हिंदू छात्रों को मिलेगी दिवाली की छुट्टी, सीनेटर नीरज बोले- यह हिंदुओं की जीत

वॉशिंगटन। अमेरिका के ओहायो राज्य में अब हिंदू छात्रों को दिवाली की छुट्टी मिलेगी। इसके साथ ही वह अपने धार्मिक पर्व पर एक शिक्षा सत्र मे दो अन्य छुट्टियां भी ले सकेंगे। अमेरिकी राज्य के भारतीय अमेरिकी विधायक ने यह एलान किया। उन्होंने कहा कि मेरे द्वारा लाए गए विधेयक को पहले ओहायो स्टेट हाउस और सीनेट ने पारित किया था। अब ओहायो के गवर्नर माइक डेविन ने इसे पारित कर दिया। राज्य सीनेटर नीरज एंटनी ने कहा कि नए विधेयक के चलते ओहायो में प्रत्येक हिंदू छात्र 2025 में होने वाली दिवाली और उसके बाद दो दिन स्कूल की छुट्टी ले सकेगा। यह ओहायो में हिंदुओं की एक अविश्वसनीय जीत है। अमेरिकी इतिहास में ओहायो पहला ऐसा राज्य है जहां प्रत्येक छात्र को दिवाली की छुट्टी मिलेगी। उन्होंने कहा कि हमारे कानून के तहत छात्रों को 2 अन्य धार्मिक छुट्टियां लेने की अनुमति मिलेगी। इसका मतलब है कि एक गुजराती हिंदू छात्र नवरात्रि या अन्नकूट के लिए एक दिन की छुट्टी ले सकता है। एक इअढर भक्त प्रमुख स्वामी महाराज जयंती के लिए छुट्टी ले सकता है, एक स्वामीनारायण भक्त हरि जयंती के लिए छुट्टी ले सकता है, एक तेलुगु हिंदू छात्र उगादि की छुट्टी ले सकता है, एक तमिल हिंदू छात्र पोंगल की छुट्टी ले सकता है, एक बंगाली हिंदू छात्र दुर्गा पूजा की छुट्टी ले सकता है, एक पंजाबी हिंदू छात्र लोहड़ी की छुट्टी ले सकता है, एक इस्कॉन भक्त उन्होंने कहा कि कृष्ण जन्माष्टमी की छुट्टी ले सकता है।

सूर्य को अर्घ्य देकर करें दिन की शुरूआत, दोपहर में करें तर्पण, पिंडदान और धूप-ध्यान

2024 की अंतिम अमावस्या (पौष) सोमवार, 30 दिसंबर को है। सोमवार को अमावस्या होने से इसका महत्व और अधिक बढ़ जाता है। इस पर्व पर पूजा-पाठ, पितरों के लिए तर्पण, दान-पुण्य और नदी स्नान करने की परंपरा है। जानिए पौषी अमावस्या पर कौन-कौन से शुभ काम किए जा सकते हैं...

गरुड़ पुराण अमावस्या पर तर्पण और धूप-ध्यान करने से पितरों को मिलती है शांति

गरुड़ पुराण में अमावस्या का विशेष महत्व बताया गया है। इस तिथि के स्वामी पितर देव माने जाते हैं, इसलिए इस तिथि पर पितरों के लिए तर्पण, पिंडदान, और धूप-ध्यान किया जाता है। पितरों के लिए धूप-ध्यान दोपहर में करीब 12 बजे करना चाहिए।

गरुड़ पुराण के मुताबिक, अमावस्या पर तर्पण आदि शुभ काम करने से पितरों को शांति मिलती है और पितरों की कृपा से परिवार में सुख-समृद्धि बनी रहती है।

स्कंद पुराण सूर्य पूजा के साथ करें दिन की शुरूआत

पौष मास में सूर्य पूजा करने का विशेष महत्व है, क्योंकि ये महीना ठंड का है और इस मास में सुबह के समय सूर्य की किरणे हमारे स्वास्थ्य के लिए लाभदायक होती हैं। सूर्य की किरणों से विटामिन डी मिलता है और हमारी रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ती है।

स्कंद पुराण के मुताबिक, अमावस्या पर सूर्य पूजा करने से अक्षय पुण्य मिलता है और सूर्य की कृपा से सभी काम सफल होते हैं। ज्योतिष में माना जाता है कि जो लोग अमावस्या पर सूर्य पूजा के साथ दिन की शुरूआत करते हैं, उनकी कुंडली के ग्रह दोष शांत होते हैं।

स्कंद पुराण में बताया गया है कि अमावस्या पर गंगा, यमुना, नर्मदा, शिप्रा जैसी किसी पवित्र नदी में स्नान करना चाहिए। इस व्रत रखने और भगवान का ध्यान करने से अक्षय पुण्य मिलता है।

महाभारत अमावस्या पर दान जरूर करना चाहिए

पौष अमावस्या पर्व पर पूजा-पाठ के साथ ही जरूरतमंद लोगों को दान-पुण्य जरूर करें। इस संबंध में महाभारत में बताया गया है कि अमावस्या पर दान-पुण्य करना बहुत शुभ रहता है। दान में कपड़े, धन, खाना, जूते-चप्पल दे सकते हैं।

पौष अमावस्या पर करें महालक्ष्मी की पूजा

महालक्ष्मी कार्तिक मास की अमावस्या पर प्रकट हुई थीं, अमावस्या लक्ष्मी के प्रकट होने की तिथि है, इस कारण हर मास में अमावस्या पर देवी लक्ष्मी की विशेष पूजा करनी चाहिए। देवी लक्ष्मी की पूजा विष्णु जी के साथ करेंगे तो बहुत शुभ रहेगा। पूजा में ऊँ नमो भगवते वासुदेवाय मंत्र का जप करना चाहिए।

एक नजर

मार्शल लॉ का समर्थन पड़ा भारी, अब कार्यवाहक राष्ट्रपति हान के खिलाफ भी महाभियोग प्रस्ताव पारित

सियोल । दक्षिण कोरिया की संसद में कार्यवाहक राष्ट्रपति हान डक-सू के खिलाफ महाभियोग का प्रस्ताव पारित हुआ है। पूर्व राष्ट्रपति यून सूक योल की ओर से लगाए गए मार्शल लॉ समर्थन करने और योल के खिलाफ जांच को मंजूरी न देने पर विपक्षी दल ने संसद में यह प्रस्ताव पारित किया। दक्षिण कोरिया की नेशनल असेंबली के स्पीकर वू वोन-शिक ने कहा कि प्रधानमंत्री हान डक-सू के महाभियोग प्रस्ताव को मंजूरी मिल गई है। 192 सांसदों में से 192 ने महाभियोग के पक्ष में मतदान किया। गुरुवार को दक्षिण कोरिया की मुख्य विपक्षी डेमोक्रेटिक पार्टी अब कार्यवाहक राष्ट्रपति हान डक-सू के खिलाफ महाभियोग प्रस्ताव लेकर आई थी।

26/11 के मुंबई हमलों के साजिशकर्ता अब्दुल रहमान मक्की की मौत

इस्लामाबाद। मुंबई हमलों के साजिशकर्ताओं में शामिल हाफिज अब्दुल रहमान मक्की की मौत हो गई। मक्की हमलों के मास्टरमाइंड हाफिज सईद का रिश्तेदार था और प्रतिबंधित जमात-उद-दावा का उपप्रमुख भी था। उसने शुक्रवार को लाहौर में दिल का दौरा पड़ने से दम तोड़ दिया। पाकिस्तान के टीवी चैनल की रिपोर्ट के अनुसार, हाफिज अब्दुल रहमान मक्की की दिल का दौरा पड़ने से मौत हो गई। मक्की लश्कर का वांछित आतंकवादी था। वह लश्कर नेता हाफिज सईद का साला भी था। मीडिया रिपोर्ट की मानें तो मक्की पिछले कुछ दिनों से बीमार था और लाहौर के एक निजी अस्पताल में उसका इलाज चल रहा था। उसका शुगर लेवल काफी बढ़ा हुआ था। मई 2019 में मक्की को पाकिस्तान में गिरफ्तार कर लिया गया था। इसके बाद उसे लाहौर में नजरबंद कर दिया गया था।

बाल बचे हल्थ प्रमुख टेड्रोस, विमान में सवार होते समय हुआ हमला

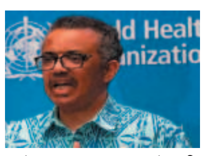

सना । यमन से एक बड़ी खबर सामने आ रही है। जहां गुरुवार को सना अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे पर हुए हवाई हमले में विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) के महानिदेशक टेड्रोस एडनॉम घेब्रेयसस के बाल-बाल बचने की खबर सामने आ रही है। वहीं इस हमले में कम से कम दो लोगों की मौत होने का भी बात सामने आ रही है।

ट्रेड्रोस ने सोशल मीडिया पर किया पोस्ट

बाल-बाल बचने के बाद डब्ल्यूएचओ प्रमुक टेड्रोस ने एक्स पर पोस्ट कर कहा कि हमारी टीम यमन में स्वास्थ्य और मानवीय स्थिति का आकलन करने और बंदियों की रिहाई के लिए बातचीत करने का मिशन पूरा कर चुकी थी। हम सना से उड़ान भरने वाले थे, जब हवाई अड्डे पर बमबारी हुई।

उन्होंने कहा कि हमारे विमान के चालक दल के एक सदस्य को चोट लगी। साथ ही हवाई अड्डे पर दो लोगों की मौत हुई है और कई अन्य स्थानों को भी नुकसान हुआ है।

आपका राशिफल 28 दिसम्बर

मेष — [illegible] शुभचिंतक सलाह उपयोगी सिद्ध होगी। शुभांक-5-6-7

वृष — [illegible] शुभांक-5-7-8

मिथुन — [illegible] शुभांक-4-6-7

कर्क — [illegible] शुभांक-4-6-7

सिंह — [illegible] शुभांक-6-7-9

कन्या — [illegible]

तुला — [illegible] उसे सावधानीपूर्वक संभालें। शुभांक-7-8-9

वृश्चिक — [illegible]

धनु — [illegible]

मकर — [illegible]

कुंभ — [illegible]

मीन — [illegible]

स्वतंत्र चेतना
प्रकाशक, मुद्रक आर. सी.गुप्त
द्वारा डीएचेतना प्रकाशन प्रालि., के लिये डीएचेतना प्रकाशन प्रालि.,गंगा नगर बशारतपुर, गोरखपुर से मुद्रित तथा चेतना भवन एलवल (निकट आर्य समाज मंदिर) आजमगढ़ से प्रकाशित
RNNo: UPHIN/2006/18873
डाक पॅ0 सख्या gR 104/0809
फोन न० : 05462233430
फैक्स न: 223431
मो० न : 9415822496
www.swatantrachetnanews.com
Email
anandchetnanews@gmail.com
गोरखपुर कार्यालय
शाहमारूफ, हिन्दी बाजार, गोरखपुर
फोन:05512341010
लखनऊ कार्यालय
15 ए पी सेन रोड, लखनऊ
फोन 05222637699
फैक्स न05222638966
इलाहाबाद कार्यालय
9,एहैस्टिंग रोड,
फोन:05322423438
कानपुर कार्यालय
चेतना भवन -99
हैरिसगंज - रेल बाजार
कैंट कानपुर
फोन न9336837230
फैजाबाद कार्यालय
2/1/51/ए 4 बड़ा डाकखाना के बगल में सिविल लाइन्स
फोन:05278220339
वाराणसी कार्यालय
18/2, ए बी 1/ इमलाक कालोनी , प्रथम तल, चेतना भवन , नदेसर, अनन्ता कालोनी।
फोन:054225020
दिल्ली कार्यालय
E29 विक्रम नगर, फिरोजशाह कोटला, नई दिल्ली
फोन न023724374
इस अक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एव सम्पादन हेतु पी आर बी एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद गोरखपुर न्यायालय के अधीन ही होंगे।

सामानान्तर फिल्मों में सशक्त पहचान बनायी फारूख शेख ने

मुंबई। बॉलीवुड में फारूख शेख शुमार को एक ऐसे अभिनेता के तौर पर याद किया जाता है जिन्होंने समानांतर सिनेमा के साथ ही व्यावसायिक सिनेमा में भी दर्शको के बीच अपनी खास पहचान बनायी। फारूख शेख का जन्म 25 मार्च 1948 को जमींदार घराने में हुआ। उनके पिता मुस्तफा शेख मुंबई में जाने माने वकील थे। फारूख शेख ने अपनी प्रारंभिक शिक्षा मुंबई के सेंट मैरी स्कूल से पूरी की। इसके बाद उन्होंने मुंबई के ही सेंट जेवियर्स कॉलेज से आगे की पढ़ाई पूरी की।

महाकुंभ मेला क्षेत्र में स्थापित हो चुके हैं 400 से अधिक साइनेजेस

● श्रद्धालुओं को राह दिखाएंगे 800 साइनेजेस, 31 दिसम्बर तक कार्य पूर्ण करने का निर्देश

स्वतंत्र चेतना

प्रयागराज। महाकुम्भ में आने वाले श्रद्धालुओं को घाट और आश्रमों तक पहुंचने में कहीं भटकना नहीं पड़ेगा। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देश पर मेला प्रशासन ने विशेष इंतजाम किए हैं। मुख्यमंत्री योगी की मंशा के अनुरूप महाकुम्भनगर के रास्तों की सटीक जानकारी श्रद्धालुओं को मिल सके, इसके लिए सिर्फ मेला क्षेत्र में 800 साइनेजेस लगाने का कार्य तेजी से किया जा रहा है। यह जानकारी शुक्रवार को पीडब्ल्यूडी प्रयागराज के मुख्य अभियंता एके द्विवेदी ने दी। उन्होंने बताया कि अब तक कुल मिलाकर 400 से अधिक साइनेजेस की स्थापना कर दी गई है, जबकि 31 दिसंबर तक सभी 800 साइनेजेस लगाने का कार्य पूर्ण कर लिया जाएगा। प्रयागराज का पीडब्ल्यूडी विभाग युद्ध स्तर पर इसकी तैयारियों में जुटा हुआ है। प्रतिदिन 100 साइनेजेस की स्थापना का लक्ष्य लेकर कार्य किया जा रहा है।

विभिन्न भाषाओं में साइनेजेस की स्थापना

महाकुम्भ में देश के अलग-अलग प्रांतों से करोड़ों लोग आएंगे। इसके अतिरिक्त दुनिया के कई अन्य देशों से भी श्रद्धालु यहां संगम में आस्था की डुबकी लगाने और पुण्य कमाने के लिए आएंगे। ऐसे में भाषायी समस्या न आने पाए, इसका विशेष ध्यान रखा गया है। इसी क्रम में पीडब्ल्यूडी ने सीएम योगी के निर्देश पर विभिन्न भाषाओं में यहां साइनेजेस स्थापित किए हैं। इसमें हिंदी और अंग्रेजी भाषाओं के साथ ही अन्य राज्यों की भाषाओं को भी प्रमुखता दी गई है। उल्लेखनीय है कि सीएम योगी ने बड़ी संख्या में लोगों के प्रयागराज आने की संभावनाओं को देखते हुए भाषायी समस्याओं को दूर करने के लिए निर्देश दिए थे।

महाकुंभ में नेत्र परीक्षण का बनेगा वर्ल्ड रिकॉर्ड पांच जनवरी को होगा नेत्र कुंभ का शुभारंभ

-नागवासुकी मंदिर के पास लगभग 10 एकड़ में बनकर तैयार हुआ नेत्र कुम्भ -5 लाख से ज्यादा मरीजों की जांच का लक्ष्य, 3 लाख से अधिक चश्मों का होगा वितरण -नेत्र जांच, चश्मा वितरण के साथ ही निःशुल्क दवाओं की भी व्यवस्था

आंखों की जांच के साथ ही दानदाताओं के लिए लगाया जाएगा नेत्र दान शिविर

स्वतंत्र चेतना

प्रयागराज। महाकुम्भ कई मायनों में इस बार वर्ल्ड रिकॉर्ड स्थापित करने जा रहा है। मेला प्राधिकरण की ओर से इस बार विभिन्न श्रेणियों में 4 अलग-अलग वर्ल्ड रिकॉर्ड बनाए जाने की तैयारी की गई है। जबकि किसी एक आयोजन में एक साथ सर्वाधिक संख्या में श्रद्धालुओं के जुटने का भी वर्ल्ड रिकॉर्ड स्थापित होने की पूरी सम्भावना है। इसके साथ ही नेत्र परीक्षण और चश्मा वितरण का भी वर्ल्ड रिकॉर्ड स्थापित होने जा रहा है। यह पहला अवसर होगा जब किसी आयोजन में एक साथ पांच लाख लोगों के नेत्र परीक्षण किए जाएंगे और तीन लाख चश्मे वितरित किए जाएंगे।

इसके लिए नागवासुकी के पास भव्य नेत्रकुम्भ बनकर तैयार है। करीब 10 एकड़ क्षेत्र में स्थापित नेत्र कुम्भ का शुभारम्भ पांच जनवरी को किया जाएगा। इसके बाद यहां आने वाले श्रद्धालु निःशुल्क अपनी आंखों की जांच करा सकेंगे और आवश्यकता होने पर अपने घर लौटकर करीब के अस्पताल में उसका ऑपरेशन भी करा सकेंगे।

वर्ल्ड रिकॉर्ड स्थापित करने की तैयारी आयोजन समिति के सदस्य डॉ. रंजन बाजपेई ने बताया कि पांच जनवरी को नेत्र कुम्भ का उद्घाटन मुख्य अतिथि जूना अखाड़े के आचार्य महामंडलेश्वर अवधेशानंद गिरि महाराज करेंगे, जबकि विशिष्ट अतिथि गौरांग प्रभु महाराज एवं मुख्य वक्ता संघ के सह सरकार्यवाह डॉ. कृष्ण गोपाल रहेंगे। उन्होंने बताया कि पिछले नेत्र कुम्भ में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं के नेत्र परीक्षण किए गए थे। इस बार इसकी संख्या को दोगुना कर दिया गया है। इस बार तीन लाख चश्मा और पांच लाख ओपीडी का लक्ष्य है। इसके लिए व्यापक व्यवस्था की गई है। इस बार का नेत्र कुम्भ वर्ल्ड रिकॉर्ड बनाएगा।

पिछली बार इसने लिम्का बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड में अपनी जगह बनाई थी और इस बार इसे गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड में जगह दिलाने का प्रयास किया जाएगा। इसके लिए एक समिति बनाई जाएगी, जो आगे की कार्यवाही सुनिश्चित करेगी।

डॉक्टर्स को मिलेगा घर का खाना उन्होंने कहा कि पूरे भारत से हमने 240 बड़े अस्पतालों के साथ टाईअप किया है। पूरे भारत के विभिन्न प्रांतों से डॉक्टर्स अपनी सेवाएं देने यहां आ रहे हैं। हमारा प्रयास यही है कि लोगों को पुनः ज्योति मिल सके। उन्होंने बताया कि डॉक्टर्स के रहने और उनके खाने पीने की व्यवस्था की गई है। जो जिस प्रांत से आया है, उसको उसके प्रांत का भोजन उपलब्ध कराया जाएगा। डॉक्टर्स के लिए चार बेड की 40 डॉरमेट्री बनाई गई हैं, जबकि महिला डॉक्टर्स के लिए भी अलग से डॉरमेट्री की व्यवस्था है। इन डॉरमेट्रीज में कुल 140 डॉक्टर्स रहेंगे। इसके अतिरिक्त तीर्थयात्रियों के लिए 16-16 बेड की डॉरमेट्री बनाई गई है, जबकि कार्यकताओं के लिए 8-8 बेड की डॉरमेट्री निर्मित की गई है।

अच्छी और ब्रांडेड क्वालिटी के चश्मों का होगा वितरण आयोजन में क्राउड मैनेजमेंट की जिम्मेदारी संभाल रहे राजेश कुमार सिंह ने बताया कि करीब 10 एकड़ में नेत्र कुम्भ निर्मित हुआ है। इसमें कुल 11 हैंगर बनाए गए हैं। पिछली बार सिर्फ पांच हैंगर थे। यहां नेत्र जांच की जाएगी। एक बड़ा हैंगर बनाया गया है, जहां सभी श्रद्धालु जमा होंगे। इसके बाद उन्हें दो अलग-अलग ओपीडी चैंबर्स में भेजा जाएगा, जहां वो अपना रजिस्ट्रेशन कराने के बाद डॉक्टर्स को दिखा पाएंगे। रजिस्ट्रेशन के पीछे डॉक्टर्स चैंबर बनाए गए हैं, जिसमें 4-4 डॉक्टर्स और 10-10 ऑप्टोमेस्ट्रिस्ट रहेंगे। यहीं एक मेडिसिन काउंटर और एक रेफरल काउंटर रहेगा। यहां से चश्मे के लिए रेफर किया जाएगा। चश्मे का अलग ब्लॉक बनाया गया है। पिछली बार की तरह इस बार भी इंश्योर किया गया है कि लोगों को बहुत अच्छी क्वालिटी के चश्मे प्राप्त हो सकें।

मनमोहन सिंह की यादें संसद में कहा था -हजारों से अच्छी मेरी खामोशी

स्वतंत्र चेतना

नई दिल्ली। हजारों जवाबों से अच्छी है मेरी खामोशी... 27 अगस्त, 2012 को संसद परिसर में यह शेर पढ़ने वाले मनमोहन हमेशा के लिए खामोश हो गए। पूर्व प्रधानमंत्री पद्म विभूषण डॉ. मनमोहन सिंह ने 26 दिसंबर को दिल्ली एम्स में अंतिम सांस ली।

हमेशा आसमानी रंग की पगड़ी पहनने वाले मनमोहन ने 22 मई, 2004 को भारत के 14वें प्रधानमंत्री के तौर पर शपथ ली थी। उन्हें एक्सीडेंटल प्राइम मिनिस्टर कहा गया, लेकिन मनमोहन ने न सिर्फ 5 साल का कार्यकाल पूरा किया, बल्कि अगली बार भी सरकार में वापसी की।

मंझे हुए अर्थशास्त्री रहे डॉ. मनमोहन सिंह जब राजनेता बने, तो उनकी शख्सियत के कई अनदेखे पहलू सामने आए। नीचे पढ़ें और देखें प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह से जुड़े खास मोमेंट्स। वीडियो देखने के लिए आप ऊपर लगी इमेज पर क्लिक कर सकते हैं।

23 मार्च, 2011: संसद में सुषमा स्वराज से शेरो-शायरी में नोकझोंक

लोकसभा में वोट के बदले नोट विषय पर विषय पर चर्चा हो रही थी। तत्कालीन प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह विपक्ष पर सवालों पर जबाव दे रहे थे।

इस दौरान नेता विपक्ष सुषमा ने उन पर कटाक्ष करते हुए कहा था- तू इधर उधर की न बात कर, ये बता के कारवां क्यों लुटा; मुझे रहजनों से गिला नहीं, तेरी रहबरी का सवाल है।

इसके जवाब में मनमोहन सिंह ने कहा था- “माना के तेरी दीद के काबिल नहीं हूं मैं, तू मेरा शौक तो देख, मेरा इंतजार तो देख”

मनमोहन सिंह के इस जवाब पर सत्ता पक्ष ने काफी देर तक मेज थपथपाई थी, वहीं विपक्ष खामोश बैठा रहा था।

27 अगस्त, 2012: संसद के बाहर बोले- हजारों जवाबों से अच्छी मेरी खामोशी...

संसद का सत्र चल रहा था। मनमोहन सरकार पर कोयला ब्लॉक आवंटन में भ्रष्टाचार का आरोप लगा। तब मनमोहन सिंह ने कहा कि कोयला ब्लाक आवंटन को लेकर कैग की रिपोर्ट में अनियमितताओं के जो आरोप लगाए गए हैं वे तथ्यों पर आधारित नहीं हैं और सरासर बेबुनियाद हैं।

उन्होंने लोकसभा में बयान देने के बाद संसद भवन के बाहर मीडिया में भी बयान दिया। उन्होंने उनकी “खामोशी” पर ताना कहने वालों को जवाब देते हुए शेर पढ़ा, “हजारों जवाबों से अच्छी है मेरी खामोशी, न जाने कितने सवालों की आबरू रखी...

27 सितंबर, 2013: अमेरिकी प्रेसिडेंट बराक ओबामा से मुलाकात

साल 2010, टोरंटो में जी-20 शिखर सम्मेलन था। इसमें मनमोहन सिंह के साथ द्विपक्षीय बैठक से पहले ओबामा ने उनकी तारीफ की थी। ओबामा ने कहा था- मैं आपको बता सकता हूं कि यहां जी-20 में जब प्रधानमंत्री बोलते हैं, तो लोग सुनते हैं। ऐसा इसलिए है क्योंकि उन्हें आर्थिक मुद्दों की गहरी जानकारी है। भारत के विश्व शक्ति के रूप में उभरने की बारीकियां पता हैं।

इसके बाद 27 सितंबर 2013 को व्हाइट हाउस के ओवल ऑफिस में मनमोहन सिंह और अमेरिकी के तत्कालीन राष्ट्रपति बराक ओबामा की मुलाकात हुई थी। इस बारे में बराक ओबामा

ने कहा था- सभी क्षेत्रों में प्रधानमंत्री सिंह एक शानदार पार्टनर हैं।

जब बराक ओबामा ने अपने राजनीतिक सफर पर ए प्रॉमिस्ड लैंड किताब लिखी थी तो इसमें उन्होंने नवंबर 2010 की उनकी भारत की यात्रा का करीब 1400 शब्दों में जिक्र किया था। इस दौरान मनमोहन सिंह भारत के प्रधानमंत्री थे।

ओबामा ने लिखा था- मनमोहन सिंह एक ऐसे बुजुर्ग सिख नेता थे, जिनका कोई राष्ट्रीय राजनीतिक आधार नहीं था। ऐसे नेता से सोनिया को अपने 40 साल के बेटे राहुल के लिए कोई सियासी खतरा नहीं दिखा, क्योंकि तब वो उन्हें बड़ी भूमिका के लिए तैयार कर रही थीं।

सितंबर, 2013: मनमोहन सिंह ने पूछा- क्या मुझे इस्तीफा दे देना चाहिए?

जुलाई, 2013 में सुप्रीम कोर्ट ने फैसला दिया कि अदालत से किसी केस में दोषी करार दिए जाने पर सांसदों-विधायकों की सदस्यता रद्द हो जाएगी। कोर्ट के इस फैसले को पलटने के लिए तब की यूपीए-2.0 सरकार एक अध्यादेश लाई थी। तब विपक्षी पार्टी भाजपा ने सरकार पर भ्रष्टाचारियों को बचाने के आरोप लगाए थे।

तमाम हंगामे के बीच अध्यादेश की अच्छाई बताने के लिए कांग्रेस ने 27 सितंबर को दिल्ली के प्रेस क्लब में प्रेस कॉन्फ्रेंस बुलाई। अजय माकन प्रेस कॉन्फ्रेंस कर रहे थे, तभी उस समय के कांग्रेस महासचिव राहुल गांधी वहां आते हैं। इसके बाद मीडिया से बात करते हुए राहुल ने कहा इस अध्यादेश का खुलकर विरोध किया। उन्होंने कहा, मेरी राय में यह अध्यादेश बकवास है। इसे फाड़कर फेंक देना चाहिए।

उस समय योजना आयोग के उपाध्यक्ष रहे मोंटेक सिंह अहलूवालिया बताते हैं कि इस वाकए के समय मनमोहन सिंह अमेरिका में थे। वे राहुल के बयान से काफी नाराज हुए थे। अहलूवालिया अपनी किताब “बैकस्टेज : द स्टोरी बिहाइंड इंडियाज हाई ग्रोथ ईयर्स” लिखते हैं कि मनमोहन सिंह ने मुझसे पूछा था कि क्या मुझे इस्तीफा दे देना चाहिए। इस पर मैंने जवाब दिया कि मुझे नहीं लगता कि इस मुद्दे पर इस्तीफा देना उचित होगा।

बाद में राहुल गांधी ने अध्यादेश पर अपना पक्ष रखते हुए मनमोहन सिंह को चिट्ठी भी लिखी थी। इसके बाद अक्टूबर, 2013 में उस अध्यादेश को वापस ले लिया गया।

3 जनवरी, 2014: बतौर पीएम आखिरी प्रेस कॉन्फ्रेंस

मनमोहन सिंह ने 2014 में प्रेस कॉन्फ्रेंस कर अमेरिका के साथ परमाणु करार की घोषणा की। यह किसी भारतीय प्रधानमंत्री की आखिरी प्रेस कॉन्फ्रेंस थी। इस दौरान उनके सामने 100 से ज्यादा पत्रकार-संपादक बैठे थे। यूपीए सरकार भ्रष्टाचार के आरोपों से घिरी हुई थी और सारे सवाल उसी से जुड़े थे।

उस प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान सिंह ने 62 अनस्क्रिप्टेड सवालों के जवाब दिए थे। तब मनमोहन सिंह ने खुद की आलोचना को लेकर कहा था कि उन्हें “कमजोर प्रधानमंत्री” कहा जाता है, लेकिन मीडिया की तुलना में इतिहास उनके प्रति अधिक उदार रहेगा।

17 मई, 2014: प्रधानमंत्री के रूप में आखिरी संबोधन

2014 लोकसभा चुनाव में यूपीए की हार

के बाद डॉ मनमोहन सिंह ने प्रधानमंत्री के रूप में आखिरी बार देश को संबोधित किया था। उन्होंने कहा- मुझे जो कुछ मिला है, इस देश से ही मिला है...

अपने संबोधन में उन्होंने कहा- 10 साल पहले इस जिम्मेदारी को संभालते वक्त मैंने अपनी पूरी मेहनत से काम करने और सच्चाई के रास्ते पर चलने का निश्चय किया था। आज जब पद छोड़ने का वक्त है तब मुझे एहसास है कि ईश्वर के अंतिम निर्णय से पहले सभी चुने गए प्रतिनिधियों और सरकारों के काम पर जनता की अदालत भी फैसला करती है।

जैसा मैंने कई बार कहा मेरा सार्वजनिक जीवन खुली किताब है। मैंने हमेशा अपनी पूरी क्षमता से अपने महान राष्ट्र की सेवा करने की कोशिश की है। प्रधानमंत्री का पद छोड़ने के बाद भी आपके प्यार और मोहब्बत की याद मेरे जेहन में ताजा रहेगी। मुझे जो कुछ मिला है, इस देश से ही मिला है।

एक ऐसा देश जिसने बंटवारे के कारण बेघर हुए एक बच्चे को इतने ऊंचे पद तक पहुंचा दिया। ये एक ऐसा कर्ज है जिसे मैं कभी अदा नहीं कर सकता। ये एक ऐसा सम्मान भी है जिस पर मुझे हमेशा गर्व रहेगा।

18 दिसंबर, 2018: मनमोहन सिंह ने कहा- एक्सीडेंटल फाइनेंस मिनिस्टर भी था

अपनी किताब चेंजिंग इंडिया की लॉन्चिंग पर 18 दिसंबर, 2018 को मनमोहन सिंह ने कहा था कि लोग मुझे एक्सीडेंटल प्राइम मिनिस्टर कहते थे, लेकिन मैं एक्सीडेंटल फाइनेंस मिनिस्टर भी था। मीडिया से बात करते हुए उन्होंने नरसिम्हाराव सरकार में अपने वित्त मंत्री बनने का किस्सा भी साझा किया था।

17 अक्टूबर, 2022: कांग्रेस अध्यक्ष के चुनाव में वोट डालने पहुंचे

17 अक्टूबर 2022 को कांग्रेस प्रेसिडेंशिल इलेक्शन हुआ। 90 साल के मनमोहन सिंह चुनाव में वोट डालने कांग्रेस हेडक्वॉर्टर पहुंचे। इस दौरान गेट के अंदर दाखिल होते हुए वे लड़खड़ा गए थे।

19 सितंबर, 2023: व्हील चेयर पर बैठकर संसद पहुंचे

डॉ. मनमोहन सिंह राज्यसभा में बतौर सांसद 19 सितंबर 2023 को व्हील चेयर पर पहुंचे थे। इससे पहले 7 अगस्त 2023 को भी व्हीलचेयर पर संसद की कार्यवाही अटेंड की थी।

दिल्ली में लगातार बारिश जारी कई इलाकों में भरा पानी

स्वतंत्र चेतना

नई दिल्ली। दिल्ली-एनसीआर में बारिश के बीच मौसम काफी खराब हो गया है। दिन के समय ही दिल्ली-ठउफ में घना अंधेरा छा गया है। आसमान में काले बादल छाए हुए हैं। यही नहीं बादल गरज-चकम भी रहे हैं। ऐसे में ठंड के बीच भारी बारिश की उम्मीद जताई जा रही है। यही नहीं दिल्ली के कई इलाकों में भारी बारिश के चलते जलभराव भी हो गया है। बुराड़ी के एक वीडियो सामने आया है, जिसमें देखा जा सकता है कि करीब घुटने तक पानी भरा हुआ है।

दिल्ली-एनसीआर में शुक्रवार को हुई बारिश के बीच ऑरेंज अलर्ट जारी कर दिया गया है। बारिश के कारण कई इलाकों पर पानी भर गया है। यही नहीं जगह-जगह जाम की समस्या से भी सामना करना पड़ा है। मौसम विभाग ने बताया कि दिल्ली-एनसीआर में देर रात करीब ढाई बजे बारिश शुरू हुई।

सफदरजंग में 9.1 मिलीमीटर बारिश

दिल्ली के प्राथमिक मौसम केंद्र सफदरजंग स्थित वेधशाला में 9.1 मिलीमीटर (मिमी) बारिश दर्ज की गई। पालम वेधशाला ने 8.4 मिमी, लोधी रोड ने 10.8 मिमी, रिज ने नौ मिमी, दिल्ली विश्वविद्यालय ने 11 मिमी और पूसा ने 9.5 मिमी बारिश दर्ज की गई।

मौसम विभाग के अधिकारियों ने बताया कि सक्रिय पश्चिमी विक्षोभ और पूर्वी हवाओं के साथ इसके संपर्क के कारण दिल्ली-एनसीआर सहित उत्तर-पश्चिम और मध्य भारत में हल्की से मध्यम बारिश एवं बादलों की गरज के साथ हल्की बारिश जारी है।

मौसम विभाग ने जारी किया है आरेंज अलर्ट

मौसम विभाग ने शुक्रवार दिन के समय हल्की से मध्यम बारिश का अनुमान जताया था और आरेंज अलर्ट जारी किया था। दिल्ली में आज न्यूनतम तापमान 11 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जो सामान्य से 2.8 डिग्री अधिक था। केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी) के आंकड़ों के अनुसार, सुबह नौ बजे वायु गुणवत्ता 372 के साथ बहुत खराब श्रेणी में दर्ज की गई।

केंद्रीय मंत्रिमंडल ने मनमोहन सिंह को दी श्रद्धांजलि

स्वतंत्र चेतना

नयी दिल्ली। केन्द्रीय मंत्रिमंडल ने शुक्रवार को यहां पूर्व प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह की स्मृति में दो मिनट का मौन रख कर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता में केंद्रीय मंत्रिमंडल ने डॉ. सिंह की स्मृति में शोक प्रस्ताव भी पारित किया और तय किया कि उनका अंतिम संस्कार राजकीय सम्मान के साथ किया जाएगा। मंत्रिमंडल ने दो मिनट का मौन रखकर डॉ. सिंह को श्रद्धांजलि दी।

मनमोहन सिंह का योगदान हमेशा याद रहेगा: आरएसएस

स्वतंत्र चेतना

नागपुर। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ ने पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह के निधन पर गहरा शोक व्यक्त किया है और उन्हें श्रद्धांजलि देते हुए कहा है कि प्रसिद्ध अर्थशास्त्री डॉ. सिंह के योगदान को हमेशा याद किया जाएगा।

मनमोहन की कमी देशवासियों को हमेशा खलती रहेगी: भगवंत मान

स्वतंत्र चेतना

चंडीगढ़। पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान ने पूर्व प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह जी के निधन पर शोक प्रकट किया है। श्री मान ने एक्स पर अपने संदेश में कहा, देश के पूर्व प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह जी के निधन की दुखद खबर मिली। देश के लिए यह बड़ा घाटा है। भारत की बिगड़ी अर्थव्यवस्था को फिर से पटरी पर लाने वाले इस महान अर्थशास्त्री की कमी देशवासियों को हमेशा खलती रहेगी। परमात्मा से प्रार्थना करते हैं कि वह दिवंगत आत्मा को अपने चरणों में स्थान दें और परिवार सहित प्रशंसकों को यह दुख सहन करने की शक्ति प्रदान करें।

उपराष्ट्रपति ने दी मनमोहन सिंह को श्रद्धांजलि

दलाई लामा ने पूर्व प्रधानमंत्री के निधन पर जताया शोक

स्वतंत्र चेतना, धर्मशाला। पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह के निधन पर तिब्बती धर्मगुरु दलाई लामा ने शोक प्रकट किया है। दलाई लामा ने डॉ मनमोहन सिंह की पत्नी गुरशरण कौर को शोक संदेश भेजा है। अपने पत्र में दलाई लामा ने लिखा कि मैं उन्हें अपनी प्रार्थनाओं में याद रखूंगा और इस दुखद समय में आपको और आपके परिवार को अपनी संवेदनाएं व्यक्त करता हूं।

बजाज ऑटो ने लॉन्च की अब तक की सबसे बेहतरीन चेतकः फ्लैगिशप 35 सीरीज

3 वेरिएंट्स में उपलब्ध

- एक चार्ज में 153 किमी की सुप्रीम रेंज, लंबी राइड्स केलिए रेंज कीचिंता करने की जरूरत नहीं।
- टीएफटी टचस्क्रीन,जिसमें मैप्स, म्यूजिक कंट्रोल, कॉल हैंडिलंग और कई सुरक्षा सुविधाएं शामिल हैं।
- 35 लीटर का अंडर-सीट स्टोरेज - ईवी 2-व्हीलर उद्योग में सबसे बड़ा स्टोरेज स्पेस।
- सिर्फ 3 घंटे में 0-80% चार्जिंग - इस सेगमेंट में सबसे कम चार्जि ग समय।
- सॉलिड मेटल बॉडी - IP67 वॉटर रेंसिस्टेंस रेटिंग के साथ, हर मौसम में भरोसेमंद।
- 3501 की कीमत 1,27,243/- है, और 3502 की कीमत 1,20,000/- (एक्स-शोरूम बेंगलुरु)। बुकिंग डीलरिशप और www.chetak.com पर शुरू हो चुकी है।

पुणे, भारत - : दुनिया की सबसे मूल्यवान टू-व्हीलर और थ्री-व्हीलर कंपनी बजाज ऑटो ने अब तक की सबसे बेहतरीन चेतक फ्लैगिशप 35 सीरीज लॉन्च की है। यह सीरीज तीन वेरिएंट्स में उपलब्ध है,जिसमें नई फ्लोरबोड बैटरी, उन्नत तकनीक और अतिरिक्त सुरक्षा फीचर्स शामिल हैं। अब तक की सबसे बेहतरीन बजाज चेतक: 35 सीरीज का नाम

3.5 kWh क्षमता की शिक्तशाली बैटरी से प्रेरित है। चेतक 3501, 3502 और 3503 मॉडल खास तौर पर आरामदायक राइडिंग, बड़े बूट स्पेस और कम चार्जिंग समय के लिए डिजाइन किए गए हैं। इससे राइडर्स को लंबी दूरी तय करने, ज्यादा सामान ले जाने और अगली राइड केलिए जल्दी तैयार होने की सुविधा मिलती है।

महत्त्वपूर्ण फीचर्स

- सबसे ज्यादा रेंज : 153 किमी की बेहतर रेंज।
- सबसे तेज चार्जि ग : केवल 3 घंटे में 0-80% चार्जिंग।
- सबसे बड़ा बूट स्पेस : नई फ्लोरबोर्ड बैटिरयों की वजह से 35 लीटर का अंडर-सीट स्टोरेज मिलता है, जो इस इंडस्ट्री का सबसे बड़ा स्टोरेज है।
- टेकपैक के साथ अितरिक्त फीचस:
- स्मार्ट टचस्क्रीन कंसोल: इंटीग्रेटेड नेविगेशन, म्यूजिक कंट्रोल, डॉक्यूमेंट स्टोरेज और कॉल हैंडिलंग जैसी सुविधाएं।
- सुरक्षा फीचर्स: रिमोट इम्मोबिलाइजेशन, गाइड-मी-होम लाइट्स,जियो-फेंसिंग, एंटी-थेफ्ट और एक्सीडेंटडिटेक्शन।

चेतक 35 सीरीज के लॉन्च पर बजाज ऑटो के अबर्नाईटबिझनेस युनिट के अध्यक्ष एिरक वास ने कहा, चेतक 35 सीरीज इलेक्ट्रिक टू-व्हीलर बाजार में हमारी लगातार प्रगित का प्रतीक है। हमने हाल के महीनों में अपनी अग्रणी स्थित को और मजबूत कया है। यह फ्लैगिशप सीरीज खासतौर पर युवाओं को ध्यान में रखकरडिजाइन की गई है,जिसमें अत्याधुनिक तकनीक और नियो-क्लासिक स्टाइल का बेहतरीन संयोजन है। हमारी व्यापक प्रोडक्ट रेंज के कारण अब हर राइडर केलिए एक चेतक उपलब्ध है।

हिरत यात्रा क्राति में शामिल हों - खास ऑफर्स के साथ:

ग्राहक भारतभर में 3500 से अिधक चेतक डीलरिशप पर जा सकते हैं या www.chetak.com पर ऑनलाइन टेस्ट राइड बुक कर सकते हैं। 3501 की डिलीवरी दिसंबर के अंत में और 3502 की डलीवरी जनवरी में शुरू होने की उम्मीद है, जो सभी केलिए एक हिरत नए साल का संकेत है।